शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 05 अगस्त, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-215

कांग्रेस पार्टी देश में भ्रम फैलाने पर तुली है: विजयेंद्र @ नम्मा बेंगलूरु

कश्मीर की धरती पर जीवंत हो रही कल्हण की राजतरंगिणी

कश्मीर में मिले हिंदू करकोटा राजवंश के जीवंत प्रमाण

जम्मू, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग स्थित सालिया क्षेत्र में करकूट नाग नामक पवित्र झरने के पास करकोटा वंश कालीन प्राचीन मूर्तियां और शिवलिंग मिले हैं। यह ऐतिहासिक खोज कश्मीर के सांस्कृतिक गौरव को दर्शाती है। पुरातात्विक महत्व की इन वस्तुओं का अब वैज्ञानिक परीक्षण होगा और संग्रहालय में संरक्षण होगा। लोक निर्माण विभाग के मरम्मत कार्य के दौरान जमीन से प्राचीन हिंदू मूर्तियां और शिवलिंग मिले। इनमें 11 शिवलिंग, एक देवमूर्ति और कुछ धार्मिक चिन्ह शामिल हैं। ये प्राचीन पुरातात्विक महत्व के अवशेष जल स्रोत के किनारे खुदाई के समय निकले। मजदूर जब इस स्थान की मरम्मत कर रहे थे, तो उन्हें पानी के नीचे एक तरह का गुप्त पत्थर का कक्ष दिखाई दिया। जब इसे खोला गया, तो इन मूर्तियों का पता चला।

जम्मू कश्मीर में काफी पहले से भारतीय संस्कृति की प्राचीन परंपरा से जुड़े अभिलेखों, पुरातात्विक महत्व की वस्तुओं और स्थापत्य कला की खोजबीन और शोध की मांग की जा रही है। कश्मीर घाटी में पारंपरिक तीर्थ स्थलों के पुनरुद्धार की मांग भी उठती रही है। इस स्थान की ऐतिहासिकता को देखते हुए जम्मू-कश्मीर के अभिलेखागार, पुरातत्व और संग्रहालय विभाग की टीम ने इस स्थल का निरीक्षण किया है। विभाग के विशेषज्ञ अधिकारियों ने बताया कि इन मूर्तियों को श्रीनगर भेजा जा रहा है, जहां उनकी उम्र और उत्पत्ति का पता लगाने के लिए वैज्ञानिक परीक्षण किए जाएंगे। इसके लिए सामग्री परीक्षण (मटीरियल अनालिसिस) और तिथि निर्धारण के लिए तकनीकी परीक्षण किए जाएंगे।

इसके बाद इन प्राचीन वस्तुओं को श्रीनगर स्थित एसपीएस संग्रहालय में भेजा जाएगा, जहां शोधार्थी और इतिहासकार इनका गहराई से अध्ययन कर सकेंगे। विभागीय अधिकारियों का मानना है कि ये मूर्तियां 7वीं से 9वीं सदी के बीच की हो सकती हैं, यानि करकोटा वंश के शासनकाल की। स्थानीय लोगों, विशेषकर कश्मीरी पंडित समुदाय का मानना है कि इस स्थान का संबंध करकोटा वंश से है। उनका यह भी कहना है कि इस स्थल पर पहले कोई मंदिर रहा होगा और संभवतः उस मंदिर की मूर्तियों को बाद में सुरक्षित रखने के लिए जल स्रोत में छिपा दिया गया होगा। उनका यह भी अनुरोध है कि इस स्थल को धार्मिक और

सांस्कृतिक धरोहर के रूप में फिर से स्थापित किया जाए। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से यह मांग की है कि यहां एक नया मंदिर बनाकर उन मूर्तियों को पुनः स्थापित किया जाए और इसे एक मान्यता प्राप्त तीर्थस्थल का रूप दिया जाए।

पवित्र झील के पास से मिली प्राचीन मूर्तियां और शिवलिंग

करकोटा वंश कश्मीर के इतिहास का गौरवशाली अध्याय है। यह वंश 7वीं सदी के मध्य से 9वीं सदी के उत्तरार्ध तक कश्मीर पर शासन करता रहा। इस काल को अक्सर कश्मीर का स्वर्ण युग कहा जाता है, जब राजनीतिक स्थिरता, सांस्कृतिक समृद्धि और धार्मिक सहिष्णुता अपने शिखर पर थी। करकोटा वंश के संस्थापक दुर्लभवर्धन थे, जिन्होंने 625 ईस्वी के आस-पास कश्मीर की सत्ता संभाली। प्रसिद्ध इतिहासकार कल्हण ने अपनी ऐतिहासिक कृति राजतरंगिणी में करकोटा वंश का विस्तृत वर्णन किया है। कल्हण के अनुसार, दुर्लभवर्धन की प्रतिभा और योग्यता देखकर उस समय के राजा बालादित्य ने उन्हें अपनी पुत्री अंगलेखा से विवाह करा दिया और राजगद्दी सौंप दी थी। दुर्लभवर्धन ने खुद को नागों की संतति घोषित किया और खुद को कर्कोटक नामक पौराणिक नाग राजा का वंशज बताया। इसी वजह से इस वंश का नाम करकोटा पड़ा। नाग परंपरा कश्मीर में बहुत पुरानी रही है और नागों को वहां अत्यंत आदरपूर्वक पूजा जाता रहा है।

कश्मीर की उत्पत्ति से संबंधित नीलमत पुराण यह बताता है कि कश्मीर एक समय एक विशाल झील थी जिसे ऋषि कश्यप ने सुखाया और नागों को बसने के लिए दिया। करकोटा वंश के सबसे प्रसिद्ध सम्राट ललितादित्य मुक्तापीड़ थे, जिन्होंने 724 से 761 ईस्वी तक शासन किया। ललितादित्य को कश्मीर का सिकंदर भी कहा जाता है क्योंकि उन्होंने न सिर्फ कश्मीर, बल्कि अफगानिस्तान, पंजाब, मध्य एशिया और पूर्वी भारत तक अपना साम्राज्य फैलाया था। उनकी विजय यात्राओं का वर्णन कल्हण ने बहुत ही विस्तार से किया है। उन्होंने केवल सैनिक अभियानों में ही नहीं, बल्कि वास्तुकला और संस्कृति में भी महान योगदान दिया। उनकी राजधानी परिहासपुरा थी, जिसे उन्होंने खुद बसाया था और वह उस समय उत्तर भारत के सबसे समृद्ध और सुंदर नगरों में से एक माना जाता था।

ललितादित्य ने कश्मीर में कई भव्य मंदिरों और धार्मिक स्थलों का निर्माण कराया। उनका सबसे प्रसिद्ध निर्माण मार्तंड सूर्य मंदिर है, जो अनंतनाग के निकट स्थित है। यह मंदिर पत्थरों से बना हुआ है और भारतीय मंदिर वास्तुकला का एक अद्भुत उदाहरण है। यह सूर्य को समर्पित था और इसका निर्माण 8वीं सदी में हुआ था। मंदिर के चारों ओर लगभग 84 छोटे मंदिर बने हुए थे और इसका पूरा परिसर पत्थर की दीवारों से घिरा था। ललितादित्य ने न केवल हिंदू धर्म के लिए, बल्कि बौद्ध धर्म के लिए भी कई मठ बनवाए। उन्होंने मंदिरों में स्वर्ण और रत्नों से सुसज्जित देवमूर्तियां स्थापित करवाईं।

इस काल में कश्मीर में धार्मिक सहिष्णुता थी। हिंदू, बौद्ध और नाग परंपराओं के अनुयायी मिलजुल कर रहते थे। ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा

देश में समान नागरिक संहिता लागू होनी चाहिए

नई दिल्ली, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट के अवकाश प्राप्त मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान के 75 साल बाद अब समय आ गया है कि समान नागरिक कानून के लक्ष्य को हासिल किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि देश की सभी जातियों, समुदायों और वर्गों को विश्वास में यूसीसी लागू करने का निर्णय लिया जाना चाहिए। पूर्व मुख्य न्यायाधीश एक देश, एक चुनाव के विचार का भी समर्थन कर चुके हैं।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर की नई किताब आवर लिविंग कांस्टीट्यूशन के विमोचन कार्यक्रम में कहा कि भारतीय

संविधान के 75 साल बाद यूसीसी लाना जरूरी

संविधान देश को स्थिरता प्रदान करने वाली सबसे बड़ी ताकत है। भारत का संविधान विभिन्न समुदायों, धर्मों, क्षेत्रों और संस्कृतियों को एक सूत्र में जोड़कर भारत को एक राष्ट्र के रूप में गढ़ता है। उन्होंने कहा कि संविधान संविधान हमेशा के लिए है। पिछले 75 वर्षों में शासन, महामारी और आंतरिक व बाहरी चुनौतियों के कई दौर आए, लेकिन संविधान ने देश को स्थिरता देने का काम किया।

चंद्रचूड़ ने देश में समान नागरिक संहिता यानि यूनिफार्म सिविल कोड (यूसीसी) लागू करने की वकालत करते हुए कहा कि संविधान में भी समान नागरिक संहिता की इच्छा व्यक्त की गई है। संविधान के 75 साल बाद अब समय है कि इस लक्ष्य को हासिल किया जाए। डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि यूसीसी को लेकर चर्चा युवा पीढ़ी के लिए बेहद अहम है, क्योंकि वही देश का भविष्य है। ▶10 पर

सेना के खिलाफ बोलने पर राहुल गांधी को लगी फटकार

आप सच्चे भारतीय होते तो ऐसा नहीं कहते

नई दिल्ली, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय सेना पर नकारात्मक टिप्पणी करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को कड़ी फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि अगर आप सच्चे भारतीय हैं तो आप ऐसी बातें नहीं कहेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी से पूछा कि उन्हें कैसे पता चला कि 2000 वर्ग किलोमीटर भूमि पर चीन ने कब्जा कर लिया है? सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी से ऐसे कई तीखे सवाल पूछे। कोर्ट ने उनसे पूछा, आपको कैसे पता है कि चीन ने भारत की जमीन हड़प ली है? अदालत ने राहुल को ऐसी टिप्पणी करने से बचने की नसीहत भी दी।

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को ऐसे बयान देने से बचने की नसीहत देते हुए कहा, आप विपक्ष के नेता हैं, संसद में अपनी बात कहें, सोशल मीडिया पर नहीं। सेना पर

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी से पूछे कई तीखे सवाल

नकारात्मक टिप्पणी करने के मामले में समन के खिलाफ राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इस पर न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में राहुल गांधी के यूपी में चल रही अदालती कार्यवाही पर फिलहाल रोक लगा दी है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 29 मई को राहुल गांधी की याचिका खारिज कर दी थी। फिर राहुल गांधी ने समन आदेश और शिकायत को यह कहते हुए चुनौती दी थी कि यह दुर्भावना से प्रेरित और दर्ज की गई थी। शिकायतकर्ता उदय शंकर श्रीवास्तव ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि दिसंबर 2022 की यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने चीन के साथ सीमा गतिरोध के संदर्भ में भारतीय सेना के बारे में कई अपमानजनक टिप्पणियां की थीं।

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी से कहा, आपको कैसे पता चला कि चीन ने 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया है? आपकी विश्वसनीय जानकारी क्या है? अगर आप सच्चे भारतीय होते, तो ऐसा नहीं कहते। ▶10 पर

पांच साल में पकड़ी गई 7.08 लाख करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी

नई दिल्ली, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय जीएसटी के क्षेत्रीय अधिकारियों ने वित्त वर्ष 2024-25 तक पिछले पांच वर्षों में लगभग 7.08 लाख करोड़ रुपए की कर चोरी का पता लगाया है, इसमें लगभग 1.79 लाख करोड़ रुपए की इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) की धोखाधड़ी भी शामिल है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में इससे जुड़े आंकड़े साझा किए। सरकार की ओर से दिए गए आंकड़ों के अनुसार अकेले वित्त वर्ष 2024-25 में, सीजीएसटी फील्ड अधिकारियों की ओर से 2.23 लाख करोड़ रुपए से अधिक की वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) चोरी का पता लगाया गया है।

केंद्र सरकार ने लोकसभा में बताया कि वित्त वर्ष 2025 में जीएसटी चोरी के 30,056 मामलों का पता चला। इनमें 15,283 मामले आईटीसी धोखाधड़ी से संबंधित थे। इन मामलों में 58,772 करोड़ रुपए की कर चोरी की गई थी। वित्त वर्ष 2023-24 में सीजीएसटी फील्ड अधिकारियों की ओर से 2.30 लाख करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी का पता लगाया गया। इसमें 36,374 करोड़ रुपए की आईटीसी धोखाधड़ी शामिल थी। वित्त वर्ष 2023 में लगभग 1.32 लाख करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी का पता चला। ये 24,140 करोड़ रुपए के फर्जी आईटीसी दावे से जुड़े थे। ▶10 पर

पीओके में ऑप्स-सिंदूर का खौफ या आतंकियों से मोहभंग!

ग्रामीणों ने लश्कर आतंकियों को खदेड़ भगाया

श्रीनगर, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

ऑपरेशन सिंदूर का खौफ कह लें या आतंकवादियों से मोहभंग, या दोनों ही वजहों से अब पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में भी आतंकवादियों के खिलाफ भारी जनाक्रोश देखा जा रहा है। पहलगाम हमले में शामिल पाकिस्तानी आतंकी हबीब ताहिर के जनाजा-ए-गायब में शामिल होने गए लश्करे तैयबा के आतंकी रिजवान हनीफ को पीओके के लोगों ने खदेड़ भगाया। पहलगाम हमले के तीन महीने बाद मारे गए तीन पाकिस्तानी आतंकियों में हबीब ताहिर शामिल था। जनाजे में पाकिस्तानी सेना के कई अधिकारी भी पहुंचे थे। वे भी स्थानीय लोगों का आक्रोश देख कर वहां से चलते बने। पीओके के गांव से लश्कर के आतंकियों को खदेड़ा जाना यह साबित करता है कि पहलगाम आतंकी हमले के पीछे पाकिस्तान था और आतंकियों से पीओके की जनता त्रस्त है।

भारतीय सुरक्षा बल के हाथों ऑपरेशन महादेव के तहत मारे गए आतंकी हबीब ताहिर का पीओके के रावलकोट स्थित खाई गाला गांव में जनाजा-ए-गायब निकाला गया। यह आम जनाजा नहीं बल्कि शव की गैरमौजूदगी में किए जाने वाले सुपुर्दे खाक की औपचारिकता होती है। जनाजा ए गायब में लश्करे तैयबा के आतंकियों को देख कर

आतंकी हबीब के जनाजा-ए-गायब में आए थे आतंकी

रावलकोट के खाई गाला गांव के लोगों का गुस्सा भड़क उठा। गांव वालों ने लश्कर के कमांडर रिजवान हनीफ के वहां होने का विरोध किया। इस पर कहासुनी और हाथापाई की नौबत आ गई। फिर लोगों ने एकजुट होकर आतंकियों को वहां से खदेड़ भगाया। हबीब ताहिर के परिवार ने भी साफ मना कर दिया था कि जनाजा-ए-गायब में कोई भी आतंकी शामिल न हो पाए। इसके बावजूद लश्कर का स्थानीय कमांडर रिजवान हनीफ अपने हथियारबंद गुर्गों के वहां पहुंच गया था। विरोध होने पर उसके साथियों ने गांव वालों को बंदूक दिखा कर डराना चाहा। इस पर गांव वाले भड़क गए। आतंकियों और ग्रामीणों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। उसके बाद लोगों ने लश्कर के आतंकियों को गांव से खदेड़ दिया।

घटना से साफ पता चलता है कि पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान शामिल था, वहीं यह भी सामने आया कि पीओके की जनता अब आतंकियों के खिलाफ खुल कर अपना विरोध जता रही है। आतंकी ताहिर के जनाजा-ए-गायब को आतंकियों की भर्ती का जरिया बनाना चाहते थे। भारत के खिलाफ जहर उगलना चाहते थे। लेकिन ग्रामीणों ने उनकी नहीं सुनी। लोग अब हर हाल में अपने बच्चों को आतंकी बनने से बचाना चाहते हैं। इसलिए ग्रामीण अब आतंकियों के खिलाफ सार्वजनिक बहिष्कार की ▶10 पर

दिशोम गुरु शिबू सोरेन नहीं रहे मुर्मू और मोदी ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 04 अगस्त (एजेंसियां)।

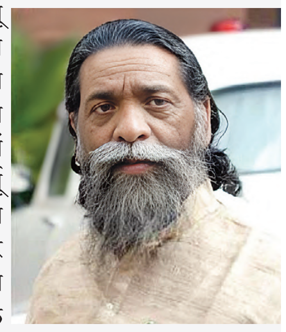

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का सोमवार को निधन हो गया। वे 81 साल के थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उन्होंने दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में अंतिम सांस ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। देश की तमाम राजनीतिक हस्तियों ने शिबू सोरेन के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की और उनके पुत्र झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सांत्वना दी।

दिशोम गुरु के नाम से विख्यात शिबू सोरेन का जन्म 11 जनवरी 1944 को रामगढ़ के नेमरा गांव में हुआ था। 1960 के दशक में उन्होंने आदिवासी अधिकारों और जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए संघर्ष शुरू किया। 1970 के दशक में उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना की। झारखंड को अलग राज्य बनाने के आंदोलन में शिबू सोरेन अग्रणी नेता के रूप में शामिल थे। 1980 में शिबू सोरेन पहली बार लोकसभा सदस्य बने। इसके बाद उन्होंने कई बार संसद में आदिवासी मुद्दों को उठाया और झारखंड राज्य गठन की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाई। उनके प्रयासों और लंबे संघर्ष के परिणामस्वरूप 15 नवंबर 2000 को झारखंड राज्य का गठन हुआ।

▶10 पर

सोशल मीडिया एक भ्रमजाल नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित पूज्य मलयप्रभ सागर जी और साध्वी श्री हर्षपूर्णाश्रीजी की निश्रा और मार्गदर्शन में सोशल मीडिया के जाल में भ्रमित होती आज की युवा पीढ़ी को समझाने हेतु 'सोशल मीडिया - एक भ्रमजाल, नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। जैन मन्दिर के तत्वावधान में सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के अन्तर्गत प्रथम बार युवा पीढ़ी के लिए यह नुक्कड़ नाटक आयोजित किया गया। इसमें अनेक किशोर वय लडकों और लड़कियों ने जीवंत दृश्यों के माध्यम से सोशल मीडिया की उलझनों और उसके दुष्परिणामों के बारे में बताया। मलयप्रभ सागर जी ने कहा कि युवा पीढ़ी का बहुत ही कीमती समय रील्स बनाने और उसे देखने में व्यतीत हो रहा है। हमें सोशल मीडिया से धर्म की प्रचार सामग्री और हमारे काम आने वाले महत्वपूर्ण जानकारियां तो लेनी चाहिए, लेकिन व्यर्थ में इसके पीछे पूरे दिन समय बर्बाद नहीं करना चाहिए।

सोशल मीडिया के कई दुष्प्रभाव हैं, जिनमें लत, मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, गलत सूचना का प्रसार, और गोपनीयता का खतरा, सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से चिंता, अवसाद, और अकेलेपन की भावना बढ़ सकती है। इसके अलावा, सोशल मीडिया पर लगातार दूसरों से अपनी तुलना करने से आत्म-सम्मान में कमी आ सकती है।

इसके अधिक उपयोग से नींद की समस्या, आंखों में थकान, और शारीरिक गतिविधि में कमी हो सकती है। सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताने से वास्तविक दुनिया में लोगों से कम मिलना - जुलना हो सकता है, जिससे सामाजिक संबंध कमजोर हो सकते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हमारी निजी जानकारी साझा करने से गोपनीयता का खतरा बढ़ जाता है, और इसका उपयोग गलत कामों के लिए भी किया जा सकता है। सोशल मीडिया पर गलत या भ्रामक जानकारी आसानी से फैल सकती है, जिससे लोगों को नुकसान हो सकता है। सोशल मीडिया पर लोग एक-दूसरे को धमकाते या परेशान करते हैं, जिससे मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से समय की बर्बादी, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, और रचनात्मकता में कमी आ सकती है। नुक्कड़ नाटक की पटकथा और कार्यक्रम में तनिष्क सांखला, स्वाति गुलेच्छा आदि सदस्यों का सहयोग रहा।

भावों की दिशा ही जीवन की दिशा तय करती है: साध्वी नंदिनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर में आयोजित प्रवचन सभा में साध्वी निर्मला के सानिध्य में साध्वी नंदिनी ने श्रद्धालुजनों को संबोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार नाव पानी में रहकर भी एक किनारे से दूसरे किनारे पहुँच जाती है, उसी प्रकार जो साधक निर्मल भावों से युक्त होता है, वह अपने समस्त दुखों को पार कर भवसागर से मुक्ति पा सकता है। उन्होंने भावों की शुद्धता के महत्व को स्पष्ट करते हुए कहा कि जैन दर्शन में भावों की शुद्धता को सर्वोपरि माना गया है, क्योंकि शुद्ध भाव ही आत्मा को मोक्ष के मार्ग पर अग्रसर करते हैं। कर्मों का बंध शरीर से नहीं, भावों से होता है। अतः भावों की शुद्धता ही आत्ममुक्ति की कुंजी है। शुद्ध भावों से किया गया छोटा सा उपकार भी महान फलदायक बन जाता है, जबकि अशुद्ध भावों से किया गया बड़ा तप भी निरर्थक हो जाता है। भावों की दिशा ही जीवन की दिशा तय करती है। पहले भाव शुद्ध करो, फिर कर्म

स्वयं शुद्ध हो जाएगा। क्रिया नहीं, भाव प्रमुख हैं, वही भाव जो कर्म को बाँधते हैं और वही भाव जो मुक्ति का द्वार खोलते हैं। उन्होंने कहा जो निरंतर बढ़ती रहती है, वह तृष्णा है।

जो प्रतिक्षण घटती जाती है, वह आयुष्य है। जो न बढ़ती है न घटती, वही भाग्य कहलाती है। आगम के चक्षु हमारे दोषों को दिखाते हैं और समता का दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। अरिहंत परमात्मा के गुण, ज्ञान और दर्शन अनंत हैं। जिसने राग-द्वेष को जीत लिया, वही सच्चे ज्ञान को प्राप्त कर सकता है। जब तक हम स्वयं को नहीं देखते, तब तक आत्मोन्नति संभव नहीं। हमें परमात्मा के प्रति भक्ति-भाव से तन्मय होकर एकाग्रता के साथ अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहिए।

दोपहर में श्री मरुधर केसरी जैन गुरु सेवा समिति, महिला शाखा द्वारा धार्मिक शिविर का आयोजन किया गया । साध्वी उपासना ने उद्बोधन दिया। जिसमे समिति के अध्यक्ष तगतराज बाफना, महामंत्री अशोककुमार धोका, जंबुकुमार दुगड़, महिला अध्यक्ष सरला दुगड़, समस्त पदाधिकारी, सदस्याए व संघ अध्यक्ष मंत्री उपस्थित रहे।

प्रवचन सभा में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने उपस्थित होकर प्रवचन लाभ लिया। आभार प्रदर्शन संघ अध्यक्ष प्रकाशचंद चानोदिया ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

यह जगत एक धर्मशाला के समान: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यह जगत एक धर्मशाला के समान है। यहां के सारे रिश्ते नाते मात्र स्वार्थ पर टिके होते हैं। संसार में रहते हुए परिवार की व्यवस्था करना अपना कर्तव्य हो सकता है। किंतु ऐसा करते हुए भी हमें स्वयं को नही भूलना है। क्योंकि कर्म सिद्धांत स्पष्ट है कि जो करेगा उसे ही भुगतान करना होगा। हम साम दाम दंड भेद करके और 18 पाप सेवन कर के धन कमाते हैं। परन्तु जब मृत्यु का क्षण आएगा तब हमे बचाने वाला कोई नही होगा। हमारी दुर्गति न हो इसलिए हम संसार से निवृत होते हुए आत्मा का ख्याल रखें। प्रवचन के प्रारंभ में साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि लक्ष्य के प्रति हमारा संकल्प मजबूत होना चाहिए। हमारा पुरुषार्थ और पराक्रम लक्ष्य के अनुरूप होना चाहिए। संसार में पसारा नहीं बढ़ाना है। आसक्ति कम करेंगे तभी आत्मा याद आएगी। आत्मा याद आएगी तभी हम शरीर से मोह कम कर तप मार्ग पर आगे बढ़ेंगे। तप में गुस्सा आना तप का अजीर्ण है। दूसरों को शांत करने के पहले हमे स्वयं को शांति सीखनी चाहिए। तप से चेहरे पर तेजस्विता बढ़ती है। परंतु हमारी प्रकृति में शांति होगी तो ही सम्यक तप होगा। तप में मान की भावना भी नही आनी चाहिए। साधना में मग्न हो जाएंगे तो सारे साधन भी अनुकूल हो जाएंगे। प्रवचन सभा में कोयंबत्तूर के श्रद्धालु भी उपस्थित थे। प्रवचन सभा में सरोज देवी फूलफगर ने 26 एवं प्रफुल्ल फूलफगर ने 18 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

ट्रंप के बयानों को महत्व देने की जरूरत नहीं: पार्थ जिंदल

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
जेएसडब्ल्यू सीमेंट और एनर्जी के निदेशक पार्थ जिंदल ने कहा कि भारतीयों को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयानों को ज्यादा महत्व नहीं देना चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और आने वाले वर्षों में यह वैश्विक स्तर पर शीर्ष पर पहुंचेगी। पार्थ जिंदल कर्नाटक चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के 97वें स्थापना दिवस समारोह में बोल रहे थे, जो एपीएमसी स्थित हुब्बल्ली धारवाड़ बहुउद्देशीय प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित किया

गया।

इस अवसर पर उन्होंने उत्कृष्ट उद्यमियों को 'वाणिज्य रत्न' पुरस्कार से सम्मानित किया। इस दौरान जयंत हंबरवाडी, प्रकाश बाफना, रवींद्र कुमार बेकनाल, शरणबसप्पा गुडीमनी, सिद्दन्ना नलवाड़ा, देवकी योगानंद को वाणिज्य रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पार्थ जिंदल ने कहा भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए कृषि और विनिर्माण क्षेत्रों में और अधिक निवेश की आवश्यकता है। देश की 75 प्रतिशत जनसंख्या युवा है, और 20 प्रतिशत युवा पूरी तरह उत्पादक अवस्था में हैं। फैक्ट्री की शुरुआत मात्र 100 करोड़ के टर्नओवर से हुई थी, लेकिन उन्होंने 10,000 करोड़ का लोन लेकर उसे असाधारण रूप से विस्तारित किया। भारत सबसे अधिक चीनी खपत करने वाला देश है, और उत्पादन को बढ़ाकर रोजगार के अवसरों को भी बढ़ाया जा सकता है। इस दौरान चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष एस.पी. शशिमठ, पूर्व अध्यक्ष शंकरन्ना मुनवल्ली, कार्यदर्शी रवींद्र बालिगारा, उपाध्यक्ष संदीप बिदासरिया, प्रवीण अगाड़ी, एडिशनल कार्यदर्शी महेंद्र सिंघी, कार्यक्रम संयोजक प्रकाश लिम्बय्यास्वामीथ सहित अन्य प्रमुख हस्तियाँ उप-स्थित थीं।

श्रावण मास में राधारानी का झूलोत्सव मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
नेलमंगला एलचागिरी स्थित सर्वदेव साधना मन्दिर में श्रावण मास के पावन अवसर पर गुरुजी रमाशंकर तिवारी के सानिध्य में कथा व्यास पंडित घनश्याम दास शास्त्री के मुखारविंद से पूरे श्रावण मास में शिवमहापुराण कथा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रविवार को मंदिर परिसर में राधा रानी, माता पार्वती, आदि शक्ति जीण माता का झूलोउत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस पावन अवसर पर जीण धाम के पुजारी आनन्द पारासर कोलकाता ने मधुर भजनों की प्रस्तुति से समा बंधा और उपस्थित भक्तों ने झुम झुम कर आनन्द लिया। सर्वदेव साधना मंदिर में राम दरबार, द्वादश ज्योतिलिंग, जीण माता और बांके बिहारी के विशाल मंदिर को मनमोहक फुलों से सजाया गया। सभी भक्तों ने कतारबद्ध होकर दर्शन किए। इस भक्तिमय कार्यक्रम में जीण माता सेवा समिति, श्री जीन माँ के दीवाने के गणमान्य सदस्यों ने भी उपस्थित होकर झूलोउत्सव का आनन्द लिया। मंगला आरती के साथ समापन हुआ।

वासुपूज्य स्वामी पूजन, मंगल के पूजन से रोग निवारण और शक्ति की वृद्धि : साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्रीी ने नवग्रह अनुष्ठान अंतर्गत मंगल ग्रह आराधना के विषय में कहा कि वासुपूज्य स्वामी पूजन, मंगल के पूजन से रोग निवारण और शक्ति की वृद्धि होती है। मंगल ग्रह का बहुत महत्व है। यह ऊर्जा, साहस, पराक्रम, भूमि, शक्ति का कारक माना जाता है। यह लाल रंग का प्रतिनिधित्व करता है और शारीरिक ऊर्जा, आत्मविश्वास से जुड़ा है। उन्होने कहा कि मंगल

मनुष्य के जीवन में सौभाग्य लाता है। समर्पण और लगन इसके दो गुण हैं। यह सूर्य के बाद खग-ोलीय पिंडों का प्रशासनिक अधिकारी है। वह एक भगवान के सेनापति की तरह है। यह उन्हें युद्ध में मदद करता है, यात्राओं पर ले जाता है और आक्रमणकारियों से सभी की रक्षा करता है। यह अंतरिक्ष अन्वेषण और सैन्य कार्रवाई को दर्शाता है। यह व्यक्तिगत संदर्भ में रक्त प्रवाह, प्रतिरक्षा प्रणाली और अन्य मानवीय कार्यों को भी दर्शाता है। मंगल शक्ति, साहस करने की इच्छा का प्रतिनिधित्व करता है। मनुष्य की प्रतिस्पर्धी शक्तियों पर भी इसका नियंत्रण है। यह शरीर के कामकाज का प्रभारी है। जिस व्यक्ति के भाग्य में मंगल सुखद स्थिति में है, उसको भगवान मंगल कल्याण का आशीर्वाद देते हैं। वहीं दूसरी ओर कमजोर मंगल होने पर यह व्यक्ति को भयभीत कर सकता है। मंगल मंत्र जाप से मंगल दोष समाप्त हो जाता है। मंत्र की मदद से सुख की प्राप्ति होती है और विघ्नों का नाश होता है। यह बेरोजगारी, तनाव और त्वचा की बीमारी से मुक्त करता है। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि मंगल ग्रह के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिए कई उपाय किए जा सकते हैं, जैसे कि वास-ुपूज्य स्वामी की आराधना करना। वासुपूज्य स्वामी चालीसा का पाठ करना, लाल मूंगा रत्न पहनना और दान-पुण्य करना। जो भी व्यक्ति भक्तिभाव से करता है वह जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करता है और हर चुनौती का सामना करने में सक्षम होता है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि साध्वीवृंद की निश्रा में नवग्रह अनुष्ठान जाप पूजन बड़े हर्षोल्लास से चल रहा है। चंद्रग्रह अनुष्ठान और एकासणा के लाभार्थी देवीचंद ओटमल परिवार का बहुमान किया गया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थान संघ कर्नाटका ट्रस्ट द्वारा पिछले 25 वर्षों से दान दाताओं के सहयोग से वर्तमान में 1 मोक्ष रथ व 4 मोक्ष वाहिनी निःशुल्क अंतिम यात्रा हेतु बेंगलूरु शहर के विभिन्न इलाकों में अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं। यह सेवा दानदाताओं के सहयोग से होता हैं। इस क्रम में अशोक कुमार, महेंद्रकुमार रांका परिवार गढ़ सिवाणा निवासी मेसर्स महेश हार्डवेयर पाइप प्राइवेट लिमिटेड बेंगलूरु ने 1 वर्ष के मोक्ष वाहिनी के रखरखाव का लाभ लिया। ट्रस्ट द्वारा लाभार्थी परिवार का धन्यवाद सहित आभार प्रकट करते हुए उनको मोमेंटो से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा, अनिल संकलेचा, जिनेश मेहता, भोपाल सोनवाडिया आदि उपस्थित रहे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री आशापुरा गैर मंडल एवं आशापुरा गौ भक्त मंडल द्वारा शनिवार को गोट्टीगरे स्थित श्री अय्यप्पा स्वामी टेंपल में श्री आशापुरा एवं सोनाणा खेतलाजी का भव्य भक्ति विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भक्त दिलीप सोनी का सानिध्य रहा, स्थानीय कलाकार हेमंत जोशी ने भजनों की प्रस्तुति दी। जिस पर मंडल के सदस्यों ने राजस्थानी वेशभूषा में ढोल नगाड़ों के साथ नृत्य किया, जिससे माहौल भक्तिमय हो गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान श्री अय्यप्पा स्वामी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अपने वक्तव्य में कहां भक्ति का फल भगवान ज्ञान का फल मुक्ति। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

पाप के मार्ग पर बढ़ने का मुख्य कारण है लोभ: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने सोमवार को फरमाया कि संसार में दो बाते विचारणीय है। इसलिए उन दो बातों पर मनन चिंतन जरूरी है। पुण्य और पाप पर ही चर्चा होती है। पाप लोभ के कारण ही होता है। मनुष्य में जब लोभ का भूत सवार होता है तो वह सब भूल जाता है। खुशी के लिए दुनिया भर का पाप करता है। संसार के सभी लोग अच्छी गति में जाना चाहते हैं। लेकिन पाप के कारण अपने अच्छे भव को खराब कर लेते हैं। पाप कोई और करता है लेकिन मजा कोई और लेता है। पाप का

उदय होता है तो पाप करने वाले को ही इसका भुगतान करना पड़ता है। मजा लेने तो सब आते हैं लेकिन आपके पाप का भागीदारी कोई नहीं बनता है। गुरुदेव ने कहा कि सब जीभ का सवाल है। अपने स्वाद के लिए मनुष्य विचलित होता जा रहा है। मनुष्य को अपनी नजरों में पवित्रता रखनी चाहिए। मनुष्य अपने नजरों से ही सही और गलत कहलाता है। जैसी मनुष्य की दृष्टि होगी वैसी ही सृष्टि होगी। गलत देखने वालों को हर जगह गलत ही नजर आता है। लेकिन अच्छी नजर वाले गलत में भी सही देख लेते हैं। याद रखो कि मजा लेने की बात आई तो सब साथ देंगे लेकिन पाप का भरपाई कोई नहीं भरेगा। दूसरों को खुश करने और दिखावा के लिए पाप करने से बचो। सब कुछ यहीं छोड़ के जाना है। जाने के बाद कुछ दिन ही याद किया जाएगा। समय आने पर सब साथ छोड़ देते है। इसलिए ऐसे संसार को खुश करने के लिए पाप करने से बचें। अच्छी गति प्राप्त करना है तो पाप कमाने से बचे। पैसा अगर नहीं है तो बाप भाई भी साथ नहीं देते है। इसलिए उनकों खुश करने के लिए पाप मार्ग पर जाने से बचें। हर जगह आज पैसा पैसा ही होता है। लेकिन यह दृष्टिकोण अच्छी नहीं है। इसको बदल लेना चाहिए। जब तक मनुष्य पैसे वाले दृष्टिकोण को नहीं बदलेगा तब तक कर्मों की निर्जरा नहीं होगी। इसलिए समय रहते ऐसे मार्गों पर जाने से बच कर अपने जीवन का उद्धार कर लेना चाहिए। सभी का स्वागत श्री सुमतिनाथ सकल जैन संघ यलहंका संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने किया। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के मंजूनाथनगर क्षेत्र के श्री सकल जैन संघ के तत्वावधान में एक्यूप्रेशर, सुजोक एवं वाइब्रेशन थैरेपी कैम्प श्री जैन भवन में संपन्न हुआ। कैम्प 28 जुलाई से 2 अगस्त तक आयोजित हुआ। कैम्प के समापन समारोह में मुख्य थैरापिस्ट रूपाराम चौधरी को प्रशस्ति पत्र देकर तिलक एवं माला द्वारा बहुमान किया गया। साथ ही उनकी टीम मनोहर सिंह एवं जितेन्द्र का भी बहुमान किया गया। कैम्प लाभार्थी संघवी उत्तम चंद पुष्पा देवी आच्छा परिवार थे। इस मौके पर संघ के उपाध्यक्ष विनोद कुमार मेड़तवाल, मंत्री राकेश दलाल, सहमंत्री सुरेश बाघमार, राजेश कोठारी एवं चेतन झारमुथा, रानित कोठारी, राजमल बोहरा, दिनेश छाजेड, अंकित आच्छा व द्रुवी आच्छा उपस्थित थे।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत राज्य स्तरीय बैठक

कांग्रेस पार्टी देश में भ्रम फैलाने पर तुली है: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस बिहार विधानसभा चुनाव नहीं जीत सकती। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी देश में भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि यह तय है कि एनडीए वहाँ सत्ता में आएगा। उन्होंने मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में हर घर तिरंगा अभियान के संबंध में एक राज्य स्तरीय प्रारंभिक बैठक की अध्यक्षता करने के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का कहना है कि महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में चुनाव आयोग का दुरुपयोग किया गया है।

उन्होंने सिद्धरामैया और डी.के. शिवकुमार की कर्नाटक में भी मतदान को अवैध बताने के लिए आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया है कि भाजपा ने बेंगलूरु मध्य और ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव आयोग का दुरुपयोग किया है और झूठा प्रचार कर रही है। उन्होंने शिकायत की कि कांग्रेस इसके जरिए देश में भ्रम फैलाने पर तुली है। कांग्रेस पार्टी महाराष्ट्र और अन्य विधानसभा चुनावों में हार गई थी। बाद में, राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी किसी भी तरह केंद्र में सत्ता में आने के लिए बेताब थे। उन्होंने विश्लेषण किया कि वे इस मामले में सफल नहीं हो पाए।

> **राहुल गांधी शहरी नक्सलियों के नियंत्रण में**
>
> राहुल गांधी शहरी नक्सलियों और टुकड़े-टुकड़े गिरोहों के नियंत्रण में हैं। जब राहुल गांधी विदेश जाते हैं, तो भारत के खिलाफ बोलते हैं। वह चुनाव आयोग के खिलाफ भी बोलते हैं। वह केंद्रीय जांच एजेंसियों, सुप्रीम कोर्ट, आधार कार्ड-जीएसटी के खिलाफ बोलते हैं। उन्होंने आपत्ति जताई कि वे भारत का विनाश चाहते हैं। उन्होंने कांग्रेस-वामपंथी दलों के राष्ट्र-विरोधी कदम की निंदा की। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में युवा और जनता भाजपा के साथ है। इस बार हर घर तिरंगा ज्यादा महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर गणमान्य लोगों ने अभियान पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश महासचिव पी. राजीव, प्रदेश सचिव एच.सी. तमेश गौड़ा, भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष कु. सी. मंजुला, भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक धीरज मुनिराजू, भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. मल्लिकार्जुन बालिकाई, भाजपा प्रकोष्ठों के प्रदेश संयोजक एस. दत्तात्री और पार्टी नेता उपस्थित थे।

कर्नाटक राहुल के लिए एक विशेष प्रेम है। हमने चुनावों के दौरान कहा था कि राज्य को कांग्रेस पार्टी का एटीएम बना दिया जाएगा। हम कहते थे कि कर्नाटक का दुरुपयोग काले धन के लिए किया जाएगा। विजयेंद्र ने कांग्रेस पार्टी पर महंगाई के जरिए राज्य की जनता पर लकीर खींचने का आरोप लगाया। अगर कर्नाटक देशद्रोहियों के लिए स्वर्ग है, तो राहुल के लिए कर्नाटक एक बड़ा प्रेम है। यह यहाँ के लोगों की बात नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हर तरह की व्यवस्था दिल्ली पहुँच रही है। उन्होंने कहा कि वे मंगलवार को फिर प्रचार के लिए आएंगे। भाजपा भी इसका जवाब देने के लिए तैयार है। वे अल्पसंख्यकों को लुभाने के लिए समाज में जहर के बीज बो रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश और राज्य में अशांति फैलाने का काम कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में हो रहा है। उन्होंने इस बात की सराहना की कि नरेंद्र मोदी देश की जनता को मन की बात के माध्यम से देश की घटनाओं, समसामयिक घटनाओं और उपलब्धियों की जानकारी सफलतापूर्वक प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि पिछले मन की बात कार्यक्रम को 33 हजार बूथों पर देखा गया और कर्नाटक भाजपा देश में चौथे स्थान पर पहुँच गई। उन्होंने इसके लिए कार्यकर्ताओं को बधाई दी। मोदी का कोई राजनीतिक पारिवारिक पृष्ठभूमि नहीं है। वे गुजरात के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। देश की जनता यूपीए सरकार से तंग आ चुकी थी। ऐसे समय में जब युवा सोच रहे थे कि भारत का कोई भविष्य नहीं है, इस देश का भविष्य उज्ज्वल है। भारत में विकास कार्य संभव है। उन्होंने स्वाभिमानी लोगों को विश्वास दिलाया कि भ्रष्टाचार मुक्त शासन प्रदान करना संभव है। उन्होंने बताया कि वे एक ऐसे व्यक्ति हैं जो स्वयं को देश का जनसेवक बताकर काम करते हैं। मोदी करुणा के आधार पर प्रधानमंत्री नहीं बने। पारदर्शी शासन और विकास ने भारत को दुनिया की चौथी आर्थिक शक्ति बना दिया है। उन्होंने कहा कि भारत का रक्षा व्यय मात्र 11 वर्षों में तीन गुना बढ़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह इच्छा कि हर भारतीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में गर्व और स्वाभिमान के साथ भाग ले, अब पूरी हो रही है। केरल भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और दक्षिण भारत में 'हर घर तिरंगा' अभियान के प्रभारी के. सुरेंद्रन, जिन्होंने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया, ने कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तानी आतंकवादियों को सबक सिखाया है। लेकिन राहुल गांधी की कांग्रेस पार्टी पाकिस्तान के साथ खड़ी है। उन्होंने सोनिया-राहुल की कांग्रेस पार्टी की आलोचना की, जो अब भारत विरोधी पार्टी की तरह व्यवहार कर रही है।

धर्मस्थल के आसपास कंकालों की खोज अंतिम चरण में पहुंची

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पिछले कुछ महीनों से राज्य भर में हलचल मचाने वाले धर्मस्थल क्षेत्र में संदिग्ध मामलों की जाँच अपने अंतिम चरण में पहुँच गई है और सोमवार को तीन स्थानों पर खुदाई का काम हुआ। इस बीच, एक अज्ञात शिकायतकर्ता ने और स्थानों पर खुदाई करने का अनुरोध किया है। चूँकि अभी तक इस कार्रवाई में कोई महत्वपूर्ण सुराग नहीं मिला है, इसलिए एसआईटी अधिकारियों ने नए तरीकों की जाँच शुरू कर दी है। इसके अलावा, एक अन्य व्यक्ति की शिकायत के संबंध में भी जाँच की जाएगी। अज्ञात शिकायतकर्ता ने एसआईटी अधिकारियों को 13 स्थान दिखाए थे। जिनमें से अब तक 10 स्थानों पर खुदाई और जाँच की जा चुकी है। शेष तीन स्थानों पर भी खुदाई की जा रही है। अज्ञात शिकायतकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों ने पुत्तूर की उप-मंडल अधिकारी स्टेला वर्गीस से मुलाकात की और और स्थानों पर खुदाई करने का अनुरोध किया। अब तक चिन्हित 13 स्थानों के अलावा, शिकायतकर्ता की ओर से वकील ने उप-मंडल अधिकारी को लगभग 30 और स्थानों पर खुदाई करने का अनुरोध प्रस्तुत किया। हालांकि, उप-मंडल अधिकारी ने इसे खारिज करते हुए कहा कि अगर एसआईटी अधिकारी सहमत होते हैं, तो वे खुदाई की अनुमति दे देंगे। जांच करना और आवश्यक कार्रवाई करना एसआईटी अधिकारियों की जिम्मेदारी है। खुदाई का निर्णय सलाह के आधार पर लिया जाएगा। उप-मंडल अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि वह अचानक कोई निर्णय नहीं लेंगे। धर्मस्थल में सैकड़ों लोगों के साथ बलात्कार और हत्या कर दफनाने का आरोप है। शिकायतकर्ता ने दावा किया था कि उसने खुद शवों का अंतिम संस्कार किया था। राज्य सरकार ने उसके बयान की पुष्टि के लिए डीजीपी प्रणव मोहंती के नेतृत्व में एक विशेष जाँच दल का गठन किया था। एसआईटी के अधिकारी पिछले 10 दिनों से लगातार अभियान चला रहे हैं और शिकायतकर्ता द्वारा बताए गए स्थानों पर खुदाई कर रहे हैं। हालाँकि, यह पता चला है कि गुमनाम बयान के अनुसार, 10 स्थानों पर अभी तक सैकड़ों शवों के निशान नहीं मिले हैं। शेष तीन स्थलों की खुदाई हो चुकी है और खुदाई रोकने के निर्णय की जाँच की जा रही है। 11वें स्थल की खुदाई राजमार्ग के बगल में की गई है। चिन्हित स्थल तक पहुँचने के लिए एक अर्थमूवर का उपयोग किया गया है। इस बात को लेकर काफी उत्सुकता है कि क्या इस स्थल पर कोई शव पाया जा सकता है। यदि कोई निशान नहीं मिलता है, तो मामले की वैज्ञानिक जाँच की जाएगी। एसआईटी अधिकारियों ने ग्राम पंचायत और बेल्टांगडी पुलिस स्टेशन से धर्मस्थल क्षेत्र में कितने अज्ञात शवों का अंतिम संस्कार किया गया है, इसका विवरण प्राप्त किया है। जिन शवों के पते नहीं मिले हैं और जिनकी पहचान नहीं हो पाई है, उनका अध्ययन किया जाएगा। अज्ञात शवों, विशेषकर वयस्क महिलाओं के शवों, के मामलों की व्यापक समीक्षा करने का निर्णय लिया गया है। बताया जा रहा है कि एसआईटी अधिकारी प्रत्येक मामले की पुनः जाँच करेंगे और जानकारी जुटाने, मृत्यु की प्रकृति का पता लगाने और पृष्ठभूमि का पता लगाने का प्रयास करेंगे। सूत्रों ने बताया कि इसके लिए आवश्यक पूर्व अनुमति प्राप्त करने हेतु कानूनी संभावनाओं की समीक्षा की जा रही है।

सरकार परिवहन हड़ताल से निपटने में सक्षम: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अनुसूचित जातियों में आंतरिक आरक्षण लागू करने के लिए न्यायमूर्ति नागमोहन दास के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा गठित न्यायिक आयोग अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगा। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि सरकार उसी के आधार पर आंतरिक आरक्षण लागू करने के लिए कार्रवाई करेगी।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा मुझे नहीं पता कि किसने यह बयान दिया कि 90 दिनों के भीतर आंतरिक आरक्षण लागू कर दिया जाएगा। लेकिन सरकार जैसा कहेगी, वैसा ही करेगी। कैबिनेट बैठक में उन लोगों की भर्ती रोकने का निर्णय लिया गया जिनका आंतरिक आरक्षण तय हो गया है। उन्होंने कहा कि अब रिपोर्ट जमा होने के बाद, सिफारिशों के आधार पर भर्ती और पदोन्नति प्रक्रिया जारी रहेगी।

नशे की समस्या को रोकने के लिए बेंगलूरु सहित पूरे राज्य में सघन अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके लिए अलग-अलग टास्क फोर्स काम कर रही हैं। जिला पुलिस प्रमुखों को भी इस संबंध में निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर विशेष टीमें तेजी से अभियान चला रही हैं। नक्सल विरोधी बलों को भंग कर दिया गया है। लेकिन उन्होंने कहा कि वहाँ काम करते हुए प्रशिक्षित कर्मियों का इस्तेमाल मेंगलूरु और अन्य इलाकों में सांप्रदायिक गतिविधियों को दबाने के लिए गठित विशेष बल में किया जाएगा। धर्मस्थल इलाके में विशेष जाँच कर रहे प्रणव मोहंती के नेतृत्व वाली एसआईटी ने मुझे कोई विशेष जानकारी नहीं दी है। वे जाँच के बाद अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे। उसके बाद सरकार उचित निर्णय लेगी। राज्य सरकार परिवहन विभाग के कर्मचारियों की हड़ताल सहित किसी भी स्थिति से निपटने में सक्षम है। मंगलवार को बेंगलूरु में राहुल गांधी के नेतृत्व में एक विरोध प्रदर्शन हो रहा है। इसके लिए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने इस संबंध में कई दौर की बातचीत की है और आवश्यक सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया है।

परिवहन विभाग ने कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द करने का आदेश दिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

परिवहन विभाग ने अपने कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द करने का आदेश जारी किया है। कर्मचारी सोमवार से राज्य भर में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। वे तत्काल वेतन संशोधन और अन्य मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं। ऐसी स्थिति के मद्देनजर विभाग द्वारा चेतावनी दी गई है कि सरकारी नियमों का उल्लंघन करने, विरोध प्रदर्शन करने या हड़ताल में भाग लेने वाले किसी भी कर्मचारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। परिवहन विभाग ने इस संबंध में एक विशेष परिपत्र जारी कर परिवहन कर्मचारियों की छुट्टियां तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी हैं। निगम अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़कर कर्मचारियों को कोई अन्य अवकाश न दें। परिपत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि हड़ताल के दौरान अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों के वेतन में भी कटौती की जाएगी। हड़ताल अवधि में अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध ''काम नहीं तो वेतन नहीं के सिद्धांत पर कार्रवाई की जाएगी। ये निर्देश साप्ताहिक अवकाश और दीर्घकालिक अवकाश पर रहने वाले कर्मचारियों पर लागू नहीं होंगे। हालाँकि, यदि आवश्यक हो, तो आपातकालीन स्थिति में कर्मचारियों का साप्ताहिक अवकाश भी रद्द कर दिया जाएगा और उन्हें ड्यूटी पर लगाया जाएगा। बाद की हड़ताल के दिनों में ड्यूटी से अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों की दैनिक/इकाईवार/वर्गवार सूची तैयार की जाएगी और काम न किए गए दिनों का वेतन काटा जाएगा। साथ ही, परिवहन विभाग ने चार निगमों को विशेष निर्देशों के तहत दिए गए निर्देशों के अनुसार ड्यूटी से अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

बेंगलूरु में अवैध टेलीफोन एक्सचेंज रैकेट चलाने के आरोप में दो गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय अपराध शाखा के अधिकारियों ने सोमवार को बेंगलूरु में चल रहे एक अंतरराष्ट्रीय अवैध टेलीफोन रैकेट का भंडाफोड़ किया और दो लोगों को गिरफ्तार किया, जो एक सिम बॉक्स और मोबाइल ऐप का इस्तेमाल करके अंतरराष्ट्रीय कॉल को स्थानीय कॉल में बदल रहे थे। आरोपी - 31 वर्षीय फैयाज एमए और 30 वर्षीय मोहम्मद सफ्फ - केरल के मल्लापुरम के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि वे पिछले छह महीनों से बेंगलूरु के इम्मादिहल्ली में किराए के मकान से यह रैकेट चला रहे थे। आरोपी कथित तौर पर इस रैकेट के जरिए करोड़ों रुपये कमा रहे थे और हर महीने हवाला के जरिए खाड़ी देशों में अपने आकाओं के साथ पैसे बांट रहे थे। एक निजी सेवा प्रदाता और दूरसंचार विभाग से मिली जानकारी के आधार पर, सीसीबी अधिकारियों ने परिसर में छापा मारा और दोनों को गिरफ्तार कर लिया। सीसीबी ने रैकेट में इस्तेमाल होने वाले 703 सिम कार्ड और अन्य उपकरण जब्त किए। आरोपी विदेशों से कूरियर के जरिए सिम कार्ड मंगवाते थे और अवैध रूप से हर महीने लगभग 5 लाख कमाते थे। पुलिस को शक है कि इस रैकेट में और भी कई लोग शामिल हैं और उन्हें पकड़ने की कोशिश जारी है। पुलिस ने कहा यह रैकेट खाड़ी देशों में काम करने वाले प्रवासी मजदूरों के लिए उपयोगी है और इस सुविधा के जरिए वे अपने परिवारों को सस्ती दरों पर कॉल कर सकते हैं। शहर के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने मामले को सुलझाने के लिए सीसीबी की कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि सरकारी खजाने को हुए नुकसान और अपराध के पहलू की विस्तार से जाँच की जा रही है।

मैसूरु दशहरा से पहले सांस्कृतिक नगरी की यात्रा शुरू

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विश्व प्रसिद्ध नादहब्बा मैसूरु दशहरा, जम्बू सवारी की शुरुआत के रूप में मनाए जाने वाले गज दर्शन का सोमवार को नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान, वीरानाहोसाहल्ली के द्वार के पास पारंपरिक पूजा के साथ शुभारंभ हुआ। गज दर्शन की शुरुआत अंबारी हाथी अभिमन्यु के नेतृत्व में नौ हाथियों के पहले समूह की पूजा और माला पहनाने की रस्म के साथ हुई।

मट्टीगुडु हाथी शिविर के अभिमन्यु, भीम, महेंद्र, एकलव्य, बल्ले शिविर की लक्ष्मी, दुबारे हाथी शिविर के प्रशांत, धनंजय, कंजन और कावेरी को सजाया गया और दोपहर 12.34 से 12.59 बजे के शुभ मुहूर्त पर गज पाड़े की पूजा के साथ यात्रा शुरू हुई। वीरानाहोसाहल्ली स्थित नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान के द्वार को दुल्हन की तरह सजाया गया था। सड़क के किनारे गजपायना की नाम पट्टिकाएँ लगाई गई थीं। लोक कला समूहों ने गज पायन में और भी उत्साह भर दिया। विशेष रूप से, वीरानाहोसाहल्ली के निकट पुनर्वासित तिब्बती शरणार्थी गाँव, केंद्रीय विद्यालय के छात्रों द्वारा प्रस्तुत तिब्बती पारंपरिक नृत्य, नागपुर आश्रम विद्यालय के छात्रों द्वारा प्रस्तुत आदिवासी नृत्य, वीरानाहोसाहल्ली आश्रम विद्यालय के छात्रों द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक नृत्य और वीरगासे नृत्य ने कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए।

आकर्षक जंबो सवारी में 14 हाथियों का चयन किया गया है, पहले समूह में 9 हाथी, दूसरे समूह में 5 हाथी सांस्कृतिक नगरी जाएँगे, और दूसरे चरण के हाथियों का चयन अभी नहीं हुआ है। 9 हाथियों के साथ, माव, कवड़ीगर, विशेष माव और उनके परिवार के अन्य सदस्य ट्रकों में सांस्कृतिक नगरी के लिए रवाना हुए। वे मैसूरु के अशोकपुरम स्थित वन गृह में ठहरेंगे और 7 अगस्त को महल परिसर में प्रवेश करेंगे। विधायक हरीश गौड़ा के नेतृत्व में कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, और इसमें मंत्री एच.सी. महादेवप्पा, शिवराज, के. वेंकटेश, स्थानीय जन प्रतिनिधि और वन विभाग के अधिकारी शामिल थे।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

राष्ट्रीय राजमार्गों पर ईवी चार्जिंग स्टेशनों के मामले में कर्नाटक दूसरे स्थान पर

उत्तर प्रदेश इस सूची में सबसे ऊपर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में 8,191 किलोमीटर लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क पर 489 सार्वजनिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग स्टेशन स्थापित हैं, जिससे यह भारत में राजमार्गों पर ईवी चार्जर लगाने वाला दूसरा सबसे बड़ा राज्य बन गया है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा हाल ही में राज्यसभा में दिए गए जवाब के अनुसार, राष्ट्रीय रैंकिंग में कर्नाटक उत्तर प्रदेश से थोड़ा पीछे है। सांसद डेरेक ओ'ब्रायन के एक प्रश्न के उत्तर में साझा किए गए आंकड़ों से पता चला है कि राजमार्गों पर 507 ईवी चार्जिंग स्टेशनों के साथ उत्तर प्रदेश इस सूची में सबसे ऊपर है। तीसरे स्थान पर महाराष्ट्र है जहाँ 459 चार्जिंग स्टेशन हैं, उसके बाद तमिलनाडु है जहाँ 456 चार्जिंग स्टेशन हैं, और राजस्थान है जहाँ राजमार्गों पर 424 चार्जिंग स्टेशन हैं। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, पूरे भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों के 146,342 किलोमीटर हिस्से पर कुल 4,557 सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए गए हैं। ओ'ब्रायन के प्रोत्साहन संबंधी प्रश्न के उत्तर में, उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार के पास वर्तमान में चार्जिंग पॉइंट ऑपरेटरों (सीपीओ) के लिए कोई समर्पित प्रोत्साहन योजना नहीं है।

यद्यपि कर्नाटक राजमार्ग ईवी अवसंरचना के मामले में राष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत स्थिति रखता है, ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) द्वारा जारी पूर्व के आंकड़े शहरी ईवी अवसंरचना में राज्य की महत्वपूर्ण बढ़त को दर्शाते हैं। बीईई के अप्रैल 2025 के आंकड़ों के अनुसार, कर्नाटक में 5,880 सार्वजनिक ईवी चार्जिंग पॉइंट हैं, जो किसी भी अन्य राज्य से अधिक है, जिनमें से 4,626 टियर-1 शहरों, मुख्यतः बेंगलूरु में स्थित हैं। इसकी तुलना में, महाराष्ट्र में 2,454 स्टेशन हैं, और दिल्ली में 1,951 हैं, ये सभी पिछले पाँच वर्षों में स्थापित किए गए हैं। राजधानी शहर के अलावा, कर्नाटक ने कम सुविधाओं वाले क्षेत्रों में ईवी अवसंरचना का विस्तार करने में प्रगति की है। राज्य के टियर-2 शहरों में अब 285 सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन हैं, जबकि टियर-3 शहरों में 969 चार्जर हैं। बीईई के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में अब देश भर में 26,367 सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन हैं। कर्नाटक ऊर्जा विभाग के अधिकारियों ने इस तेज प्रगति का श्रेय बढ़ती ईंधन लागत, बिगड़ती शहरी वायु गुणवत्ता और सक्रिय सरकारी नीति को दिया। एक वरिष्ठ ऊर्जा अधिकारी ने कहा कर्नाटक 2017 में एक समर्पित ईवी नीति पेश करने वाला पहला राज्य था, जिसने आज हम जो विस्तार देख रहे हैं, उसकी नींव रखी। अधिकारी के अनुसार, नीति के शुभारंभ के समय, कर्नाटक में सालाना लगभग 11,000 ईवी पंजीकरण दर्ज किए जा रहे थे। इस वर्ष 7 मार्च को प्रस्तुत 2025-26 के राज्य बजट में स्वच्छ परिवहन के लिए पहल की शुरुआत की गई। बजट में बेंगलूरु क्षेत्र में एक अत्याधुनिक ईवी परीक्षण ट्रैक और एक विशेष ईवी निर्माण और अनुसंधान एवं विकास केंद्र की स्थापना की घोषणाएँ शामिल थीं। राज्य ने स्वच्छ परिवहन क्षेत्र में 50,000 करोड़ का निवेश आकर्षित करने और एक लाख नए रोजगार सृजित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। सार्वजनिक परिवहन के मोर्चे पर, कर्नाटक परिवहन विभाग अपनी विद्युतीकरण रणनीति के तहत 14,750 इलेक्ट्रिक बसें चलाने की योजना बना रहा है। परिवहन विभाग के एक अधिकारी ने बताया इन्हें पीएम ई-ड्राइव, पीएम-ई-बस सेवा और अन्य बाहरी सहायता प्राप्त परियोजनाओं जैसी योजनाओं के तहत शुरू किया जाएगा। इनमें से 9,000 बसें बेंगलूरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (बीएमटीसी) के बेड़े में शामिल की जाएंगी। परिवहन विशेषज्ञ एम.एन. श्रीहरि ने कहा कि राजमार्गों पर चार्जिंग स्टेशनों की मौजूदगी इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने को प्रोत्साहित करने में अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा राजमार्गों पर चार्जिंग विकल्पों की कमी के कारण कई लंबी दूरी के यात्री इलेक्ट्रिक वाहनों में निवेश करने से हिचकिचाते हैं। ज्यादातर राजमार्गों पर अभी भी पेट्रोल और डीजल पंपों का बोलबाला है। हालाँकि, अब मुझे लगता है कि ज्यादा ईंधन स्टेशन ईवी चार्जरों को एकीकृत कर रहे हैं, जो एक सकारात्मक रुझान है।

अगला फोकस होना चाहिए

उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि सरकार और निजी कंपनियों को अब अंतर-संचालन में सुधार, टैरिफ के मानकीकरण और उपभोक्ता अनुभव को बेहतर बनाने के लिए चार्जर की उपलब्धता पर रीयल-टाइम डेटा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। श्रीहरि ने कहा राष्ट्रीय राजमार्गों पर और अधिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों का विस्तार, टियर-2 और टियर-3 शहरों के साथ-साथ आंतरिक सड़कों तक विस्तार, अगला फोकस होना चाहिए। इलेक्ट्रिक वाहनों को मुख्यधारा में लाने के लिए, चार्जिंग स्टेशनों को पेट्रोल पंपों की तरह व्यापक और आसानी से उपलब्ध होना चाहिए। तभी लोग इस बदलाव के लिए पर्याप्त आत्मविश्वास महसूस करेंगे।

मछली पकड़ने वाली नाव पलटी सात मछुआरों को बचाया गया

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के काउप स्थित लाइटहाउस के पास सात मछुआरों को ले जा रही एक मछली पकड़ने वाली नाव के पलट जाने से एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया। यह हादसा तब हुआ जब मछली पकड़ने के लिए मालपे से निकली ट्रॉल नाव तेज लहरों की चपेट में आकर पलट गई। स्थानीय मछुआरों की त्वरित कार्रवाई की बदौलत, इस दुर्भाग्यपूर्ण नाव पर सवार सभी सात चालक दल के सदस्यों को बचा लिया गया। बचाए गए लोगों में प्रशांत और विनोद भी शामिल थे, जिन्हें इलाके के अन्य मछुआरों ने सुरक्षित बाहर निकाला।

यह घटना काउप तट के पास हुई और सौभाग्य से, किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। समय पर किए गए हस्तक्षेप से उडुपी के तटीय जल में एक बड़ी आपदा टल गई।

तेज रफ्तार कार ने बिजली का खंभा गिराया, चालक फरार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। मणिपाल में एक तेज रफ्तार कार ने बिजली का खंभा गिरा दिया, जिससे बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। यह घटना मणिपाल पुलिस स्टेशन के ठीक सामने हुई। दुर्घटना के समय कार मणिपाल से उडुपी शहर की ओर जा रही थी। घटना के बाद से चालक फरार बताया जा रहा है। टक्कर के कारण बिजली का खंभा पूरी तरह टूट गया और बिजली के तार खतरनाक रूप से जमीन पर गिर गए।

एचबीएसटी हनुमंतनगर की अष्टम वार्षिक साधारण सभा का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद एचबीएसटी हनुमंतनगर की अष्टम वार्षिक साधारण सभा का आयोजन अध्यक्ष कमलेश झाबक की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ मंगलाचरण से किया गया।

श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन परामर्शक महावीर चावत ने किया। गत वर्ष की साधारण सभा का वाचन ते यु प मंत्री द्वारा किया गया। आय व्यव्य का ब्योरा कोषाध्यक्ष धवल बोल्या ने दिया। जिसे सदन ने सर्वसम्मति से पारित किया। 45 वर्ष पूर्ण हुए सदस्यों को सेवानिवृत्त किया गया। वर्ष भर हुए कार्यों के लिए कार्यकर्ताओं को सम्मानित व पुरस्कृत किया गया। चुनाव प्रणाली पूर्ण कर चुनाव अधिकारी हेमराज मांडोत व सह चुनाव अधिकारी राजेश मारू ने स्वरूप चोपड़ा को सत्र 2025-26 के लिये अध्यक्ष घोषित किया। मनोनित अध्यक्ष को शुभकामनाएँ संप्रेषित की गई। मंच संचालन व आभार मंत्री संदीप चौधरी ने व्यक्त किया। इस अवसर पर सभा अध्यक्ष गौतम दक और महिला मंडल की अध्यक्षा संगीता तातेड़ ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर आभातेयुप से शाखा प्रभारी विनोद मुथा, अमित दक, रोहित कोठारी व अन्य सदस्यों की उपस्थिती रही।

जेल के कैदी ने आत्महत्या की

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। हत्या के एक मामले में आरोपी एक कैदी शनिवार शाम को शिवमोग्गा के पास सोगाने स्थित शिवमोग्गा केंद्रीय कारागार में मृत पाया गया। मृतक की पहचान शिवमोग्गा जिले के शिकारीपुर निवासी 38 वर्षीय बसवराज के रूप में हुई है। जेल के कर्मचारियों ने, जो गश्त पर थे, शाम करीब 7 बजे उसे अपनी बैरक संख्या 42 में आत्महत्या करने की कोशिश करते देखा। कर्मचारियों ने उसे जेल अस्पताल और बाद में शहर के मैकगैन अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया। अस्पताल के डॉक्टरों ने उसे 'मृत घोषित' कर दिया। बसवराज पर अपनी पत्नी की हत्या का आरोप था। शिकारीपुर टाउन पुलिस ने मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। शिकारीपुर की एक अदालत ने 16 जून को उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने बीबीएमपी निर्वाचन क्षेत्र का परिसीमन 1 नवंबर तक पूरा करने का दिया आदेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग को ग्रेटर बेंगलूरु नगर निगम की बहुप्रतीक्षित परिसीमन प्रक्रिया 1 नवंबर तक पूरी करने के सख्त निर्देश दिए हैं। याचिका पर सुनवाई जारी रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बीबीएमपी परिसीमन प्रक्रिया 1 नवंबर तक पूरी करने का निर्देश दिया। इसके बाद, उसने आयोग को निर्वाचन क्षेत्रवार मतदाता सूची तैयार करने का निर्देश दिया और याचिका की

अगली सुनवाई 3 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी। निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन में कम से कम 60 से 90 दिन लगते हैं। इसलिए, चुनाव आयोग के वकील के.एन. पर्निंद्र ने अदालत से थोड़ा और समय देने का अनुरोध किया। लेकिन अदालत, जो इससे सहमत नहीं थी, ने कहा हर बार ऐसे बहाने बनाकर चुनाव टालना सही नहीं है। अधिक समय देना संभव नहीं है। बीबीएमपी परिसीमन प्रक्रिया 1 नवंबर तक पूरी की जानी चाहिए। पीठ ने निर्देश दिया कि याचिका की अगली सुनवाई के दौरान कोई अन्य कारण न बताया जाए।

टीपीएफ बेंगलूरु वेस्ट द्वारा मीट एंड ग्रीट कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। टीपीएफ बेंगलूरु वेस्ट द्वारा मसालेदार रेस्टोरेंट, आर.आर. नगर में मीट एंड ग्रीट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन 18 जुलाई को टीपीएफ बेंगलूरु वेस्ट द्वारा बेंगलूरु के 8 स्कूलों में सफलतापूर्वक आयोजित मिशन दृष्टि मेगा आई कैंप के सभी संयोजकों और स्वयंसेवकों के सम्मान एवं अनुभव साझा करने हेतु रखा गया था। इस अवसर पर टीपीएफ राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मांडोत ने स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए बताया कि कैसे टीपीएफ राष्ट्रीय स्तर पर इस अभियान के तहत एक लाख से अधिक छात्रों की आंखों की जांच कर एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान प्राप्त किया गया है। उन्होंने टीपीएफ बेंगलूरु वेस्ट टीम की कार्यशैली और समर्पण की सराहना की। कार्यक्रम में टीपीएफ बेंगलूरु वेस्ट अध्यक्ष ललित बेगानी ने सभी स्वयंसेवकों के योगदान की सराहना करते हुए बताया कि यह कैंप टीम वर्क का उत्कृष्ट उदाहरण रहा। सभी सदस्यों के सामूहिक प्रयास से यह सेवा कार्य सफल हो पाया। इस अवसर पर डॉ. प्रकाश छाजेड़ , संजय चोरडिया, कौशल खटेड, आशुतोष नाहर, दिव्या जैन सहित कई सदस्य उपस्थित रहे। यह आयोजन हास्य, आनंद और आत्मीयता से भरा रहा, जिसमें सभी ने एक-दूसरे के साथ अनुभव साझा कर आत्मीय संबंधों को और सुदृढ़ किया।

सड़क हादसे में महिला की मौत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। कुंडापुर में राष्ट्रीय राजमार्ग-66 पर संथे मार्केट के भतरहाड़ी क्रॉस के पास रविवार दोपहर एक दुखद सड़क दुर्घटना हुई, जहाँ एक महिला चलती मोपेड से गिरकर एक निजी बस की चपेट में आ गई। मृतक की पहचान कुंडापुर तालुका के कोरगी निवासी और मंजा की पत्नी जलजा (64) के रूप में हुई है।

रिपोर्टों के अनुसार, मंजा अपनी पत्नी जलजा को पीछे बैठाकर मोपेड चला रहे थे। वे दोपहर लगभग 12:30 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग 66 के रास्ते अनागल्ली स्थित अपने दामाद के घर से कोरगी स्थित अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वे संथे मार्केट के पास, भतरहाड़ी के पास पहुँचे, महावीर नामक एक निजी बस, जिसे प्रसन्ना नाम का व्यक्ति चला रहा था और भटकल से कुंडापुर जा रही थी, ने उन्हें ओवरटेक करने का प्रयास किया। ओवरटेक करने के दौरान, बस ने कथित तौर पर नियंत्रण खो दिया, जिससे जलजा मोपेड से गिरकर सड़क पर गिर गईं। दुर्भाग्य से, बस का पिछला पहिया उसकी गर्दन के ऊपर से गुजर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गौरतलब है कि इसी बस में पहले भी कुछ समस्याएँ आ चुकी थीं। शनिवार रात को यह बस भटकल के एक पेट्रोल पंप पर खड़ी थी और रविवार सुबह अचानक अपने आप चलने लगी, जिससे एक बिजली के खंभे से टकरा गई और विंडस्क्रीन समेत उसका अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। बस को मरम्मत के लिए उडुपी ले जाया जा रहा था, तभी कुंडापुरा में यह दूसरी जानलेवा दुर्घटना हुई।

नारी सशक्तिकरण के तहत सिलाई मशीन का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मायुम बेंगलूरु द्वारा राष्ट्रीय परियोजना नारी चेतना के अंतर्गत, मुक्ता फाउंडेशन के सहयोग से सिलाई मशीन वितरण कार्यक्रम का आयोजन बेंगलूरु के बीटीएम लेआउट स्थित मुक्ता फाउंडेशन कार्यालय में किया गया। इस आयोजन के प्रोजेक्ट संयोजक प्रदीप अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक विनोद गर्ग एवं अशोक अग्रवाल के कुशल संचालन में कार्यक्रम सुव्यवस्थित और प्रभावी रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत 5 सिलाई मशीनें जरूरतमंद और योग्य महिलाओं को प्रदान की गईं। जिनमें घरेलू हिंसा पीड़ित, एसिड अटैक सर्वाइवर, विधवाएं और तलाकशुदा महिलाएं शामिल थीं। इन मशीनों के माध्यम से उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक नई शुरुआत दी गई। मायुम बेंगलूरु के अध्यक्ष गोपाल कुमार अग्रवाल ने सभी उदार दाताओं का दिल से धन्यवाद ज्ञापित किया, जिनके सहयोग से यह आयोजन संभव हो सका। कार्यक्रम में प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने इस सराहनीय पहल की खुलकर सराहना की। उपाध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल एवं गौरव शर्मा ने भी आयोजन में सक्रिय भागीदारी निभाई।

अन्य प्रमुख सदस्यों में रुपेश केडिया, सत्यम डोकानिया, गौरव रूंगटा, आशु मित्तल, लोकेश सांखला और लक्ष तुलस्यान सहित मंच के कई सदस्य उपस्थित रहे। सचिव सनी जैन ने सहयोगी संस्था और सभी सदस्यों का धन्यवाद दिया।

अमेरिका से व्यापार खत्म होने की वायरल खबरों की पड़ताल

चीन और इस्लामी कट्टरपंथियों ने फैलाई अफवाह

विदेश मंत्रालय की जांच में पकड़ा गया फर्जीवाड़ा

नई दिल्ली, 04 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ के ऐलान के बाद सोशल मीडिया पर ऐसे पोस्ट की बाढ़ आ गई, जिसमें भारत-अमेरिका के बीच सबकुछ सही नहीं होने की बात कही जा रही थी। यही नहीं, दावे ये भी किए जा रहे थे कि अब भारत अमेरिका के साथ कोई संबंध नहीं रखेगा और वो अमेरिका पर पलटवार की तैयारी कर रहा है। भारत अब अमेरिका की शत्रुतापूर्ण आर्थिक नीतियों के जवाब में दोगुना तक टैरिफ लगा देगा।

भारत-अमेरिका के बीच वैमनस्य को बढ़ावा देने वाले फर्जी सोशल मीडिया पोस्ट चीन समर्थित या इस्लामी देशों से जुड़े दिखने वाले हैंडल्स से लगातार किए जा रहे थे। ऐसे ही एक हैंडल मिडिल ईस्टर्न अफेयर्स की पोस्ट में दावा किया गया कि अगर अमेरिका अपनी होस्टाइल नीतियों को नहीं बदलता है, तो भारत सरकार अमेरिका से साथ सभी व्यापारिक समझौतों को रद्द कर सकती है। इसी तरह से चाइना इन इंग्लिश नाम के हैंडल से बाकायदा एक लिस्ट ही जारी कर दी गई, जिसके इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट को लेकर भारत सरकार फैसले लेने वाली है। दावा किया गया कि भारत अमेरिका को देने वाली व्यापार छूटों को खत्म कर देगा।

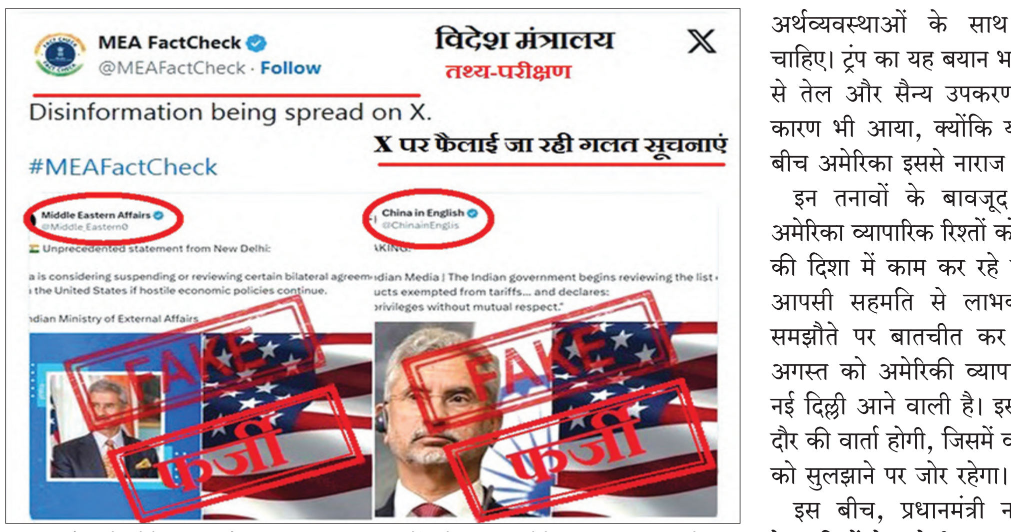

विदेश मंत्रालय ने उन अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया है। मंत्रालय की तथ्य परीक्षण इकाई (फैक्ट चेक यूनिट) ने साफ कहा कि ऐसी कोई योजना नहीं है। यह भी साफ कर दिया गया है कि भारत सरकार फिलहाल किसी भी जल्दबाजी में नहीं है। वो अमेरिका को दी गई व्यापारिक छूटों को वापस लेने या समीक्षा करने की दिशा में कोई कदम नहीं उठा रही। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, जो 1 अगस्त से लागू हो चुका है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भारत की आलोचना करते हुए कहा था कि भारत के टैरिफ दुनिया में सबसे ज्यादा हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत और रूस को अपनी अर्थव्यवस्थाओं के साथ डूब जाना चाहिए। ट्रंप का यह बयान भारत द्वारा रूस से तेल और सैन्य उपकरण खरीदने के कारण भी आया, क्योंकि यूक्रेन युद्ध के बीच अमेरिका इससे नाराज है।

इन तनावों के बावजूद भारत और अमेरिका व्यापारिक रिश्तों को बेहतर करने की दिशा में काम कर रहे हैं। दोनों देश आपसी सहमति से लाभकारी व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। 24 अगस्त को अमेरिकी व्यापार वार्ता टीम नई दिल्ली आने वाली है। इस दौरे में छठे दौर की वार्ता होगी, जिसमें व्यापारिक मुद्दों को सुलझाने पर जोर रहेगा।

इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से स्वदेशी अपनाने का आह्वान किया है, ताकि भारतीय उत्पादों को बढ़ावा मिले।

वहीं, विदेश मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही गलत खबरें, जैसे कि भारत का कोई सम्मान नहीं तो कोई छूट नहीं जैसा बयान, पूरी तरह बेबुनियाद हैं। सरकार का ध्यान व्यापारिक रिश्तों को मजबूत करने पर है, न कि उन्हें तोड़ने पर।

एसआईआर के विरोध में राहुल-तेजस्वी की मतदाता अधिकार यात्रा

औरंगाबाद, 04 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा आम चुनाव 2025 को लेकर चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे विशेष मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण (डखठ) के विरोध में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव संयुक्त रूप से मतदाता अधिकार यात्रा निकालने जा रहे हैं। यह यात्रा 10 अगस्त से शुरू होकर बिहार के विभिन्न जिलों से गुजरते हुए 19 अगस्त तक चलेगी। यात्रा का पहला चरण 10 अगस्त को रोहतास जिले के सासाराम से प्रारंभ होगा और 19 अगस्त को अररिया जिले के नरपतगंज में विश्राम के साथ समाप्त होगा। 20 अगस्त को यात्रा स्थगित रहेगी। इसके बाद यात्रा के दूसरे चरण का कार्यक्रम जारी किया जाएगा। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, मतदाता अधिकार यात्रा की शुरुआत 10 अगस्त को सासाराम के रेलवे स्टेडियम से सुबह 11:30 बजे फ्लैग ऑफ कार्यक्रम के साथ होगी।

इसी दिन यात्रा डिहरी के थाना चौक होते हुए औरंगाबाद पहुंचेगी। वहां रमेश चौक से कुटुंबा के बभंडीह स्पोर्ट्स ग्राउंड स्थित कैंप में रात्रि विश्राम होगा। 11 अगस्त को यात्रा अंबा-देव रोड होते हुए रफीगंज, गया जिले के गुरारू के डाबुर, गुरारू बागडीहा मोड़, अहियापुर रोड, खल्लीस पार्क होते हुए रसलपुर स्थित क्रिकेट ग्राउंड में बने कैंप पहुंचेगी, जहां रात्रि विश्राम होगा।

12 अगस्त को यात्रा वजीरगंज के हनुमान मंदिर, नवादा के भगत सिंह चौक, आईटीआई कॉलेज, वारसलीगंज के सैदपुर, बरबीघा के डॉ. कृष्णा चौक होते हुए एसकेआर कॉलेज ग्राउंड पहुंचेगी, जहां रात का ठहराव होगा। 13 अगस्त को यात्रा शेखपुरा के तीनमुहानी दुर्गा मंदिर, लखीसराय के रामगढ़ चौक, गांधी मैदान, बाजार समिति, हमजापुर होते हुए मुंगेर के जमालपुर पहुंचेगी और सैफाबाद स्थित मुंगेर एयरपोर्ट ग्राउंड में रात्रि विश्राम करेगी। इसके बाद यात्रा 14, 15 और 16 अगस्त को स्थगित रहेगी। यात्रा दोबारा 17 अगस्त को मुंगेर के चंदनबाग चौक से शुरू होकर सुलतानगंज चौक, खरहैया इंटर कॉलेज ग्राउंड, अकबरनगर, चंपानगर-नाथनगर, बाबू वीर कुंवर सिंह नगर चौक, भागलपुर होते हुए नौगछिया के कचहरी चौक प्लेग्राउंड पहुंचेगी और रात्रि विश्राम वहीं होगा।

18 अगस्त को यात्रा कटिहार जिले के कुरसेला चौक, बरारी, सिमरिया चौक, कोरहा, मिरचाबाड़ी, कुम्हारी, कड़वा, कटिहार, बीरपुर, खखरैली होते हुए पूर्णिया पहुंचेगी और वहीं रात गुजारेगी। 19 अगस्त को यात्रा कटिहार के खुशकीबाग, चांदनी चौक, अररिया, एमएलडीपीके यादव कॉलेज, कॉलेज मोड़, फारबिसगंज, नरपतगंज ब्लॉक के को-ऑपरेटिव ग्राउंड होते हुए एमएमकेवाई कॉलेज ग्राउंड, नरपतगंज पहुंचेगी, जहां रात्रि विश्राम होगा। 20 अगस्त को यात्रा फिर से स्थगित रहेगी। इसके आगे की यात्रा का कार्यक्रम अभी घोषित नहीं किया गया है।

कांग्रेस और राजद के सूत्रों का कहना है कि यह यात्रा न केवल के विरोध का प्रतीक है बल्कि इसके बहाने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव बिहार विधानसभा चुनाव का शंखनाद भी करेंगे। यात्रा के दौरान दोनों नेता केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की नीतीश सरकार को घेरने की रणनीति बनाए हुए हैं। उनका उद्देश्य चुनावी मुद्दों के जरिये जनता को सरकार के खिलाफ लामबंद करना है।

2025 में बलूचिस्तान में 121 हत्याएं

785 लोग गायब : मानवाधिकार संगठन

क्वेटा, 04 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान स्थित एक मानवाधिकार संगठन ने सोमवार को बताया कि 2025 की शुरुआत से अब तक बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सुरक्षाबलों और राज्य-समर्थित डेथ स्क्वॉड्स ने 785 लोगों को जबरन गायब कर दिया है और 121 लोगों की हत्या कर दी है।

बलूच नेशनल मूवमेंट के मानवाधिकार विभाग 'पांक' द्वारा जारी रिपोर्ट में बताया गया कि औसतन हर दिन चार लोग जबरन लापता किए जा रहे हैं और एक व्यक्ति की हत्या की जा रही है। इन पीड़ितों में छात्र, पत्रकार और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी शामिल हैं, जिनमें से कई को कराची और इस्लामाबाद जैसे शहरों से अगवा किया गया।

रिपोर्ट में बताया गया, ये कार्रवाइयां सुरक्षा बलों और पाक समर्थित डेथ स्क्वॉड्स द्वारा की गई हैं जो पूर्ण दंडमुक्ति के साथ काम कर रहे हैं। हाल ही में 2 अगस्त को दिल जान बलूच की हत्या का मामला सामने आया, जिन्हें 22 जुलाई को बलूचिस्तान के केच जिले से जबरन गायब किया गया था। एक अन्य घटना रविवार को सामने आई जब दिसंबर 2024 से लापता इनायत खैर मोहम्मद को भी पाकिस्तान समर्थित डेथ स्क्वॉड ने मार डाला। इसकी पुष्टि ह्यूमन राइट्स काउंसिल ऑफ बलूचिस्तान (एचआरसीबी) ने की। एचआरसीबी ने बताया कि ये डेथ स्क्वॉड्स पूरी तरह से दंडमुक्त होकर काम कर रहे हैं और ऐसा माना जाता है कि ये बलूचिस्तान में राज्य के हितों के लिए काम करते हैं।

एचआरसीबी ने बताया, यह पैटर्न पहले से दर्ज तरीकों के अनुरूप है, जिनका उद्देश्य बलूचिस्तान में राज्य नीति की आलोचना करने वाली आवाजों को चुप कराना और न्याय प्रणाली तथा निगरानी तंत्र से बचना है। मानवाधिकार संगठनों ने कहा कि ये कार्रवाइयां पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संधियों के तहत बाध्य दायित्वों का उल्लंघन हैं, विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय नागरिक और राजनीतिक अधिकारों की संधि के अंतर्गत जीवन का अधिकार, मनमानी गिरफ्तारी से सुरक्षा और जबरन गायब करने व गैर-न्यायिक हत्या पर रोक के प्रावधानों का। मानवाधिकार संगठनों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वह बलूचिस्तान में हो रहे इन अत्याचारों पर गंभीरता से ध्यान दे और न्याय तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए स्वतंत्र और प्रभावी तंत्र स्थापित करें।

उपराष्ट्रपति चुनाव : नहीं चलेगा कांग्रेसी दांव, भाजपा रखेगी खुद अपना पांव

नई दिल्ली, 04 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी की योजना बिहार या आंध्रप्रदेश के किसी नेता को उम्मीदवार बनाने की है, जिससे भाजपा के दो सबसे बड़े सहयोगियों टीडीपी व जदयू को असमंजस में डाला जा सके। इस चुनाव के बहाने कांग्रेस की नजर विपक्षी एकता कायम कर शक्ति प्रदर्शन करने और एनडीए को असमंजस में डालने पर है। लेकिन भाजपा कांग्रेस के इस दांव को समझ रही है, इसलिए उपराष्ट्रपति पद के लिए भाजपा अपना उम्मीदवार मैदान में उतारेगी।

उपराष्ट्रपति चुनाव में भाजपा का पलड़ा भारी है लेकिन कांग्रेस साझा उम्मीदवार को मैदान में उतारकर विपक्षी एकता का संदेश देने के साथ एनडीए के सहयोगी दलों को असमंजस में डालने की रणनीति बना रही है। विपक्ष के साझा उम्मीदवार पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी 7 अगस्त को डिनर पर विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक के नेताओं के साथ मंथन करेंगे। पार्टी की योजना बिहार या आंध्रप्रदेश के किसी नेता को उम्मीदवार बनाने की है, जिससे भाजपा के दो सबसे बड़े सहयोगियों टीडीपी व जदयू को असमंजस में डाला जा सके। इस चुनाव के बहाने कांग्रेस की नजर विपक्षी एकता कायम कर शक्ति प्रदर्शन करने और एनडीए को असमंजस में डालने पर है। दरअसल, भाजपा अपने दम पर चुनाव जीतने की स्थिति में नहीं है। उसे हर हाल में अपने दोनों सबसे बड़े सहयोगियों जदयू-टीडीपी का समर्थन चाहिए। कांग्रेस के रणनीतिकारों का मानना है कि अगर विपक्ष का उम्मीदवार आंध्र प्रदेश या बिहार से हुआ तो क्षेत्रीय भावनाओं के साथ संतुलन बैठाने के लिए नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू उलझन में होंगे। आंध्रप्रदेश के ही वाईएसआरसीपी जिनके राज्यसभा में सात सदस्य हैं, विपक्ष के साथ आ सकती है। अगर इस चुनाव में एक भी सहयोगी दल टूटे तो राजग में फूट का संदेश जाएगा।

अगर विपक्ष का उम्मीदवार बिहार से हुआ तो जदयू, लोजपा, आरएलएम से भाजपा के लिए असमंजस की स्थिति पैदा हो सकती है। इसी प्रकार आंध्र प्रदेश के उम्मीदवार के मामले में ऐसी ही स्थिति टीडीपी और जनसेना के सामने होगी। दोनों सदनों को मिला कर जदयू के पास 16, लोजपा के पास 5 और आरएलएम के पास 1 सांसद हैं। टीडीपी के पास 18 और जनसेना के पास 2 सांसद हैं। उपराष्ट्रपति पद के लिए भाजपा में भी मंथन शुरू हो गया है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि अगर उम्मीदवार के चयन में जाट बिरादरी की भावनाओं को वरीयता दी गई तो गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत की लॉटरी निकल सकती है। अचानक इस्तीफा देने वाले जगदीप धनखड़ राजस्थान के जाट बिरादरी से थे। देवव्रत हरियाणा से हैं, जहां एक अरसे तक जनादेश तय करने में इस बिरादरी ने सबसे अहम भूमिका निभाई है। दो विषयों से स्नातकोत्तर देवब्रत का शिक्षा और प्राकृतिक खेती में बड़ा योगदान रहा है।

गणित सीधे-सीधे एनडीए के पक्ष में है। एनडीए के पास दोनों सदनों को मिलाकर 418 सांसद हैं। यह संख्या उपराष्ट्रपति पद पर जीत के लिए जरूरी 392 सदस्यों से 26 ज्यादा है। इसके अलावा पार्टी राज्यसभा में सात मनोनीत और तीन निर्दलीय में से दो का समर्थन हासिल कर सकती है। इसी प्रकार लोकसभा में भी पार्टी को अकाली दल का समर्थन मिल सकता है। इसके अलावा यहां सात निर्दलीय और छोटे चार दलों के चार सांसदों का रुख साफ नहीं है।

उत्तर भारत में भूजल की गुणवत्ता पर भारी संकट

दिल्ली, यूपी, हरियाणा और पंजाब के कई जिलों का पानी प्रदूषित

नई दिल्ली, 04 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर भारत के भूजल में गुणवत्ता पर बड़ा संकट मंडरा रहा है। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के चुनिंदा जिलों के भूजल स्रोतों में सीसा, कैडमियम, आर्सेनिक, नाइट्रेट और फ्लोराइड की खतरनाक मात्रा पाई गई है जो विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारतीय मानक ब्यूरो के तय मानक से कहीं अधिक है।

नेशनल इनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (एनईईआरआई) की ताजा रिपोर्ट में इसका खुलासा किया गया है। संस्थान ने उत्तर भारत के 4 राज्यों के 29 जिलों से 220 से अधिक जल स्रोतों की वैज्ञानिक जांच की, जिसमें ग्रामीण हैंडपंप, शहरी सबमर्सिबल पंप, सरकारी जल सप्लाई पाइपलाइनों और बोरवेल शामिल थे। शोध में प्रयुक्त तकनीकों में एटॉमिक एब्जॉर्प्शन स्पेक्ट्रोस्कोपी (एएएस), आयन क्रोमैटोग्राफी और यूवी स्पेक्ट्रोफोटोमीट्री शामिल हैं। यह सभी तकनीक अत्यंत संवेदनशील और विश्वसनीय मानी जाती हैं और जल गुणवत्ता विश्लेषण में व्यापक रूप से प्रयोग होती है।

दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में नरेला, बवाना, गाजियाबाद, नोएडा, फरीदाबाद और पलवल जैसे इलाकों में औद्योगिक गतिविधियों के कारण जल स्रोतों में सीसा और आर्सेनिक की मात्रा चिंताजनक स्तर तक पहुंच गई है। उत्तर प्रदेश में मेरठ, अलीगढ़, बुलंदशहर, मथुरा और हाथरस में कृषि रसायनों के अत्यधिक उपयोग और पीतल-चमड़ा उद्योग से निकलने वाले अपशिष्ट ने जल गुणवत्ता को प्रभावित किया है। हरियाणा के सोनीपत, झज्जर, रेवाड़ी, भिवानी और महेंद्रगढ़ के भूजल में नाइट्रेट और फ्लोराइड की मात्रा सामान्य से कई गुना अधिक पाई गई।

दिल्ली-एनसीआर के नरेला और बवाना औद्योगिक क्षेत्रों में भूजल में आर्सेनिक और सीसा दोनों ही मानकों से अधिक पाए गए, जिसे रिपोर्ट में क्रोनिक एक्सपोजर जोन कहा गया है।उत्तर प्रदेश में अलीगढ़ और हाथरस में पीतल उद्योग तथा उर्वरकों के कारण भूजल में धात्विक विषैले तत्वों की मात्रा अधिक देखी गई। हरियाणा के दक्षिणी जिलों विशेषकर महेंद्रगढ़ और भिवानी में अत्यधिक भूजल दोहन के कारण नाइट्रेट और फ्लोराइड की सांद्रता बढ़ी है। पंजाब के मालवा बेल्ट बठिंडा, मानसा, फाजिल्का में कृषि रसायनों की अधिकता के चलते कैडमियम और आर्सेनिक की अधिकता दर्ज की गई।

यदि नवजात शिशु या गर्भवती महिला द्वारा उच्च मात्रा में नाइट्रेट युक्त पानी का सेवन किया जाए तो यह नाइट्रेट शरीर में जाकर नाइट्राइट में बदल जाता है। नाइट्राइट हीमोग्लोबिन को मेटहीमोग्लोबिन में परिवर्तित कर देता है, जो ऑक्सीजन को शरीर के ऊतकों तक पहुंचाने में असमर्थ होता है। इससे रक्त में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है और त्वचा नीली पड़ने लगती है। ऐसे में बच्चे जन्मजात हृदय रोग के शिकार हो जाते हैं। कुछ बच्चों में जन्म से ही दिल में छेद या रक्त संचार संबंधी विकृति होती है, जिससे ऑक्सीजन युक्त और ऑक्सीजन-रहित रक्त आपस में मिल जाते हैं।

भूपेश बघेल की याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, कहा हाईकोर्ट जाएं

नई दिल्ली, 04 अगस्त (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने 2160 करोड़ रुपए के कथित शराब घोटाला समेत अन्य मामलों से जुड़े संबंधित धन शोधन के आरोपों में घिरे छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके बेटे चैतन्य बघेल को सोमवार को कोई राहत न देते हुए उनकी याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने हालांकि पिता-पुत्र से कहा कि वे इस मामले में पहले उच्च न्यायालय या निचली अदालत के समक्ष राहत की गुहार लगा सकते हैं। पीठ ने याचिका अस्वीकार करते कहा, हमें तथ्यों की सुनवाई क्यों करनी चाहिए? उच्च न्यायालय और विशेष अदालतें किस लिए हैं? ये असामान्यताएं (सीधे शीर्ष न्यायालय आने का) तभी सामने आती हैं जब कोई धनी व्यक्ति होता है। अगर ऐसा होगा तो आम नागरिक और आम अधिवक्ता के लिए इस अदालत में कोई जगह नहीं बचेगी। पूर्व मुख्यमंत्री ने अपनी याचिका में इस मामले में पड़ताल करने के प्रवर्तन निर्देशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के अधिकारों को चुनौती देते हुए अग्रिम जमानत की गुहार लगाई है। गौरतलब है कि इससे संबंधित धन शोधन के मामले में चैतन्य बघेल को उनके जन्मदिन 18 जुलाई को ईडी ने गिरफ्तार किया था।

कांग्रेस ने निर्दोष हिंदुओं को फंसाने और असली आतंकियों को बचाने का काम किया

क्या कांग्रेस अपने पापों के लिए देश से माफी मांगेगी? : योगी

सपा और कांग्रेस जातिवाद, दंगे और माफियावाद पर टिकी है

मेरठ, 04 अगस्त (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जैसी पार्टियां राष्ट्रवादियों को फंसाने की साजिश करती हैं। मालेगांव विस्फोट मामले में निर्दोष हिंदुओं को फंसाकर, आतंकवादियों को बचाने का काम किया गया। आज वही लोग देश की संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने पूछा कि क्या कांग्रेस अपने पापों के लिए देश से माफी मांगेगी? सीएम योगी मेरठ में मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण/नए शहर प्रोत्साहन योजना के तहत 2,517 करोड़ रुपये की लागत वाली नवीन इंटीग्रेटेड टाउनशिप परियोजना का भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस की राजनीति सिर्फ जातिवाद, दंगे और माफियाओं की चरणवंदना तक सीमित रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेरठ में विकास की नई इबारत लिखते हुए मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण/नए शहर प्रोत्साहन योजना के तहत 2,517 करोड़ रुपए की लागत वाली नवीन इंटीग्रेटेड टाउनशिप परियोजना का भूमिपूजन किया। 295 हेक्टेयर

क्षेत्र में फैली यह परियोजना मेरठ को आवासीय, औद्योगिक और वाणिज्यिक सुविधाओं का एक आधुनिक केंद्र बनाएगी। इस अवसर पर सीएम योगी ने युवा उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों और आवास योजना के लाभार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान कर सशक्तिकरण की दिशा में ठोस कदम उठाए। साथ ही, उन्होंने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए मालेगांव जैसे मुद्दों पर उनकी नीतियों की आलोचना की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेरठ में शुरू की गई इस विशाल टाउनशिप परियोजना को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को समर्पित करते हुए इसे अटल शताब्दी का नाम दिया। यह परियोजना रैपिड रेल के निकट होने के कारण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के नागरिकों के लिए सस्ते और टिकाऊ आवास उपलब्ध कराएगी। सीएम ने कहा कि यह टाउनशिप मेरठ को एक नया स्वरूप देगी, जिसमें आवासीय, औद्योगिक और वाणिज्यिक सुविधाओं के साथ-साथ स्कूल, तकनीकी संस्थान और मेडिकल कॉलेज भी होंगे। इस परियोजना से लाखों लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे और मेरठ को विकास का एक नया केंद्र बनाया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत 675 उद्यमियों को 29 करोड़ रुपए का ऋण वितरित किया। साथ ही, 881 स्वयं सहायता समूहों को 64 करोड़ रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई। मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत लाभार्थियों को घरों की चाबियां सौंपी गई और उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इन पहलों से मेरठ में आर्थिक और सामाजिक सशक्तीकरण को नई गति मिली है। सीएम योगी ने मेरठ की बदलती छवि पर जोर देते हुए कहा कि पहले मेरठ की पहचान सोतीगंज जैसे चोर बाजार से थी, लेकिन आज यह शहर रैपिड रेल, 12-लेन एक्सप्रेस-वे और वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) के तहत स्पोर्ट्स आइटम्स के लिए विश्व स्तर पर जाना जाता है। उन्होंने कहा कि मेरठ में मेजर ध्यानचंद के नाम पर देश की पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी स्थापित हो रही है। मेरठ से प्रयागराज तक देश का सबसे बड़ा एक्सप्रेसवे इस साल के अंत तक लोकार्पित होगा, जो मेरठ से लखनऊ की दूरी को मात्र 6 घंटे में कर देगा। सीएम ने यहां इनर रिंग रोड और सर्किट हाउस के पुनर्निर्माण जैसे अन्य विकास कार्यों की भी घोषणा की।

सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत के विजन को दोहराते हुए स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना मेरठ के स्पोर्ट्स आइटम्स को वैश्विक पहचान दे रही है।

हमें विदेशी सामान की जगह स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देनी चाहिए, ताकि हमारा पैसा आतंकवाद जैसी गतिविधियों में न जाए।

मुख्यमंत्री ने रक्षाबंधन के अवसर पर 8, 9 और 10 अगस्त को महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा की भी घोषणा की।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने तय किया है कि रक्षाबंधन के लिए उत्तर प्रदेश परिवहन निगम और नगर विकास की बस सेवाओं को हम बहनों के लिए फ्री में यातायात के लिए छोड़ेंगे। तीनों दिन फ्री में उनका यातायात की सुविधा उपलब्ध करवाएंगे। बहनें उत्तर प्रदेश के अंदर जहां भी यात्रा करना चाहेंगी परिवहन निगम के बस में निःशुल्क सुविधा अवश्य प्राप्त होगी। इस दौरान यातायात में किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी।

इस दौरान राज्यमंत्री कुंवर बृजेश सिंह, डॉ. सोमेन्द्र तोमर, राज्यसभा सांसद डॉ. लक्ष्मीकान्त वाजपेयी, लोकसभा सांसद अरुण गोविल, राजकुमार सांगवान, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरव चौधरी, महापौर, हरिकांत अहलूवालिया, विधायक अमित अग्रवाल, गुलाम मोहम्मद, विधान परिषद सदस्य श्रीचन्द शर्मा, दिनेश गोयल, अश्विनी त्यागी, धर्मेन्द्र भारद्वाज समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

सपा की पाठशाला में पढ़ा रहे थे ए फॉर अखिलेश और डी फॉर डिंपल

पढ़ाने वाले विद्वान सपा नेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज

महिला नेता भी स्कूल के बच्चों को पढ़ा रही थी समाजवाद

सहारनपुर, 04 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में समाजवादी पार्टी के एक स्थानीय नेता के खिलाफ बच्चों को राजनीतिक एबीसीडी सिखाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि बच्चों को ए फॉर अखिलेश, डी फॉर डिंपल और एम फॉर मुलायम सिंह यादव पढ़ाया जा रहा था। इसकी शिकायत मिलने पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। बच्चों को ज्ञान देने वाले सपा नेता फरहाद आलम गाडा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

एसपी सिटी व्योम बिंदल के अनुसार, कल्लरपुर गुर्जर गांव के रहने वाले मेन सिंह ने शिकायत दर्ज कराई थी कि स्थानीय समाजवादी पार्टी के नेता फरहाद आलम गाडा पीडीए पाठशाला में बच्चों को राजनीतिक एबीसीडी सिखा रहे हैं। इस पढ़ाई का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें सपा नेता बच्चों को ए फॉर अखिलेश, डी फॉर डिंपल और एम फॉर मुलायम सिखा रहे हैं। वीडियो में दिख रहे बच्चे एक प्राइवेट स्कूल के छात्र हैं और बाकायदा स्कूल यूनिफॉर्म पहने हुए दिखाई दे रहे हैं।

बच्चों को पढ़ाने वाले विद्वान सपा नेता फरहाद आलम गाडा ने कहा कि पीडीए पाठशाला सिर्फ एबीसी सिखाने के लिए नहीं है, बल्कि बच्चों को समाजवादी विचारधारा के महापुरुषों के बारे में शिक्षित करने के लिए भी है। उन्होंने पूरे जिले में इसी तरह के स्कूल खोलने का इरादा भी जाहिर किया था। गाडा की तरह कानपुर के बिल्हौर ब्लॉक स्थित शाहमपुर गढ़ी गांव में समाजवादी पार्टी की नेता रचना सिंह गौतम एक सरकारी प्राइमरी स्कूल के बाहर पीडीए पाठशाला चलाती हुई पकड़ी गईं। उनके खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है।

फरार मां का जाली साइन करने में मुख्तार का बेटा गिरफ्तार

लखनऊ, 04 अगस्त (ब्यूरो)। जालसाजी के मामले में मरहूम माफिया सरगना मुख्तार अंसारी के छोटे बेटे उमर अंसारी को रविवार की देर रात लखनऊ के दारूलशफा स्थित विधायक निवास से गिरफ्तार कर लिया गया।

आरोप है कि उमर अंसारी ने 50 हजार की इनामी अपनी मां आफ्शा अंसारी के फर्जी हस्ताक्षर किए और उसे अदालत में दाखिल कर दिया था। उमर अपने परिवार की कुर्क सम्पत्ति बचाने की जद्दोजहद में लगा था।

पुलिस अधीक्षक डॉ. ईरज राजा ने बताया कि गैंगस्टर एक्ट के तहत माफिया मुख्तार अंसारी के परिवार की सम्पत्ति कुर्क की गई थी। इसी सम्पत्ति को मुक्त कराने के लिए उमर अंसारी ने अपनी मां आफ्शा अंसारी के फर्जी हस्ताक्षर बनाए। फर्जी हस्ताक्षर के साथ शपथ पत्र अदालत में दाखिल कर दिया। आफ्शा लंबे समय से फरार चल रही है। अदालत ने उसे गिरफ्तार करके पेश करने का आदेश दिया है। गाजीपुर पुलिस ने आफ्शा पर 50 हजार रुपए का इनाम भी घोषित कर रखा है। इसी मामले में उमर के खिलाफ मोहम्मदाबाद थाने की पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। उमर को लखनऊ से पकड़ कर गाजीपुर ले जाया गया।

मुख्तार अंसारी के परिवार की मुसीबत कम नहीं हो रही है। मुख्तार अंसारी की पत्नी आफ्शा अब भी फरार चल रही है। बड़े बेटे अब्बास अंसारी को हाल ही में जमानत मिली थी लेकिन मऊ से जुड़े एक मामले में अदालत ने दो साल की सजा सुनाई थी। इस कारण अब्बास अंसारी की विधानसभा की सदस्यता रद्द कर दी गई।

सपा सांसद बर्क के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

संभल जामा मस्जिद हिंसा में 15 अन्य के खिलाफ भी वारंट जारी

संभल, 04 अगस्त (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के संभल में जामा मस्जिद हिंसा मामले में सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क की मुश्किलें बढ़ गई हैं। चंदौसी कोर्ट ने जिया उर रहमान बर्क के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। इसके अलावा 15 अन्य आरोपियों पर गैर जमानती वारंट भी जारी हुए हैं। जामा मस्जिद

सर्वे के दौरान मुस्लिम समुदाय और पुलिस के बीच हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई थी और कई घायल हुए थे। इस घटना के बाद प्रशासन ने जिया उर रहमान बर्क, जफर अली, सुहेल इकबाल समेत 2750 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। हिंसा की जांच के लिए सरकार ने स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) गठित की थी, जिसने 18 जून को चंदौसी एमपी/एमएलए कोर्ट में 23 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। कोर्ट ने जिया उर रहमान बर्क समेत चार लोगों पर अरेस्ट वारंट और 15 अन्य पर गैर जमानती वारंट जारी किए। अब जिया उर रहमान बर्क की गिरफ्तारी तय मानी जा रही है। मामले की सुनवाई चंदौसी कोर्ट में जारी है। प्रशासन ने कानून के तहत सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया है ताकि पीड़ितों को इंसाफ मिले। इलाके में तनाव बना हुआ है।

भैंसा गाड़ी नहीं, बुलेट ट्रेन है डबल इंजन की सरकार : योगी

सहारनपुर में 381 करोड़ की 15 विकास योजनाओं का लोकार्पण

सहारनपुर, 04 अगस्त (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सहारनपुर में 381 करोड़ की लागत वाली 15 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने सहारनपुर वासियों को बधाई देते हुए कहा कि डबल इंजन की भाजपा सरकार ने इस क्षेत्र की उपेक्षा को समाप्त कर विकास और विरासत के संरक्षण का एक नया अध्याय शुरू किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सहारनपुर में विकास, विरासत और स्वदेशी को बढ़ावा देने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार भैंसा गाड़ी नहीं, बल्कि बुलेट ट्रेन की रफ्तार से आगे बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज सावन का अंतिम सोमवार है। सभी शिव मंदिरों में भक्तों का उत्साह देखने लायक है। सहारनपुर, उत्तर प्रदेश का एक कोना होने के कारण पहले उपेक्षित रहा, लेकिन अब डबल इंजन सरकार के प्रयासों से यहां विकास की किरणें पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि पहले इस क्षेत्र से पलायन और निराशा थी, लेकिन अब सहारनपुर की जनता में नई उम्मीद जगी है। सीएम योगी ने सहारनपुर को उसकी समृद्ध विरासत से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मां शाकुंभरी का पावन धाम और माता त्रिपुरी बाला सुंदरी का स्थल इस क्षेत्र की पहचान हैं। मां शाकुंभरी विश्वविद्यालय का निर्माण पूरा हो चुका है और इसका हैंडओवर अंतिम चरण में है। जल्द ही इसका भव्य लोकार्पण होगा। इसके अलावा, मां शाकुंभरी कॉरिडोर और ऐलिवेटेड मार्ग के निर्माण की योजना का भी जिक्र किया, जिससे श्रद्धालु हर मौसम में आसानी से तीर्थ स्थल तक पहुंच सकेंगे। उन्होंने जाहर वीर गोगा के सुंदरीकरण कार्य का उद्घाटन करने की बात भी कही, जो 900 साल पहले विदेशी आक्रांताओं से देश की रक्षा करने वाले वीर योद्धा थे

और जिन्होंने बाबा गोरखनाथ के दर्शन के उपरांत यहां पर समाधि ली थी, उनके आश्रम को भव्य रूप दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार विकास और विरासत के संरक्षण में संतुलन बनाए हुए है। उन्होंने पिछली सरकारों पर जातिवाद और तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पहले की सरकारें जाति के नाम पर समाज को बांटती थीं और योजनाओं का लाभ केवल एक परिवार तक सीमित रहता था। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में एक परिवार अराजकता करता था और बदनाम पूरी जाति होती थी। सीएम ने कहा कि आज हमारी सरकार ने सहारनपुर को उसकी पहचान और गौरव से जोड़ा है। सीएम ने बताया कि स्मार्ट सिटी मिशन के तहत अब सभी जिला मुख्यालयों के नगर निकायों को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा। सहारनपुर में स्पोर्ट्स कॉलेज का निर्माण हो रहा है और मेरठ में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी बन रही है। उन्होंने कहा कि हमारा युवा खेलेगा तभी खिलेगा। हर मंडल में स्पोर्ट्स कॉलेज बनाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने सहारनपुर की बेहतर कनेक्टिविटी पर जोर देते हुए कहा कि अब दिल्ली से सहारनपुर की दूरी मात्र तीन घंटे में तय की जा सकती है। उन्होंने कहा कि पहले विकास के लिए लखनऊ जाना पड़ता था, लेकिन अब हम स्वयं आपके बीच आ रहे हैं। सीएम योगी ने सहारनपुर की लकड़ी की नक्काशी और फर्नीचर उद्योग की प्रशंसा की और कहा कि अगर पहले की सरकारों ने इसे प्रोत्साहन दिया होता तो यह इटली के फर्नीचर से भी बेहतर पहचान बना सकता था। उन्होंने स्वदेशी अपनाने की अपील करते हुए कहा कि स्वदेशी को अपनाने से हमारे कारीगरों को लाभ होगा और अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

सीएम ने कांग्रेस और सपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने मालेगांव विस्फोट मामले में हिंदू नेताओं को फंसाने और रामसेतु को तोड़ने की कोशिश का जिक्र करते हुए कहा कि पहली सरकारें आतंकियों को संरक्षण देती थीं और सनातन धर्म के गौरव को कम करने की कोशिश करती थीं। उन्होंने कहा कि अब भारत अपनी विरासत का सम्मान करते हुए विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। मुख्यमंत्री ने वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना का जिक्र करते हुए कहा कि इन योजनाओं ने स्थानीय कारीगरों और हस्तशिल्पियों को नई पहचान दी है। उन्होंने कहा कि सहारनपुर की मूर्तियां और हस्तशिल्प अब स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे रहे हैं। सीएम ने रक्षा बंधन, काकोरी ट्रेन एक्शन की स्मृति और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी जैसे आगामी पर्वों का उल्लेख किया। उन्होंने 14 अगस्त को विभाजन की त्रासदी के स्मरण और 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के उत्सव की तैयारियों का भी जिक्र किया। सीएम ने सभी से अपने अपने घर पर तिरंगा फहराने की अपील की। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर युवा उद्यमी विकास योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना सहित अन्य योजनाओं के लाभार्थियों क्रमशः ममता, डेविड, भूपेन्द्र कुमार, कीर्ति बंसल, मेनका, राधा, अनीता, विनोद, धनंजय, सतपाल, रामकुमार, संदीप शर्मा, शिखा यादव और प्रशांत चौधरी को सीएम ने प्रशस्ति पत्र, डेमो चेक, मकान और ट्रैक्टर की चाबी सौंपी। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार, कपिल देव अग्रवाल, राज्यमंत्री कुंवर बृजेश सिंह, जसवंत सिंह सैनी, महापौर संजय कुमार, अध्यक्ष जिला पंचायत मांगेराम चौधरी, विधायकगण राजीव गुम्बर, कीरत सिंह गुर्जर, देवेन्द्र कुमार निम, मुकेश चौधरी, एमएलसी वंदना वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष महेन्द्र सैनी, महानगर अध्यक्ष शीतल विश्नोई, पूर्व सांसद राघव लखनपाल, प्रदीप कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

संपादकीय

मोदी का 'स्वदेशी' आह्वान

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को 'स्वदेशी का प्रचारक' बनने का आह्वान किया है। अपने चुनाव क्षेत्र वाराणसी से यह आह्वान देश भर के लिए है कि सभी संकल्प लें और अपने घरों में स्वदेशी सामान ही लेकर आएं। प्रधानमंत्री मोदी को अचानक यह आह्वान क्यों करना पड़ा, जबकि संघ परिवार के लिए 'स्वदेशी' एक बुनियादी एजेंडा रहा है। आरएसएस का सहयोगी संगठन 'स्वदेशी जागरण मंच' दशकों से इस दिशा में प्रयासरत रहा है। वैश्विक अर्थव्यवस्था और कारोबार के मौजूदा दौर में कोई भी देश 'स्वदेशी' के भरोसे न तो आर्थिक विकास कर सकता है और न ही अस्तित्व की रक्षा कर सकता है। भारत आज एक खुली अर्थव्यवस्था वाला देश है और उदारीकरण, आर्थिक सुधारों का प्रणेता रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था और बाजार को 'बंद अर्थव्यवस्था' के दौर में नहीं धकेला जा सकता। 'स्वदेशी' के सीधे मायने हैं कि आप विदेशी निवेश का प्रवाह बाधित कर रहे हैं। स्थिरता के माहौल को फिर से अस्थिर करना चाहते हैं। आत्मनिर्भर भारत के लिए 'स्वदेशी' एक जड़ स्थिति है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के 25 फीसदी टैरिफ थोपने के बाद प्रधानमंत्री की 'स्वदेशी' पर यह पहली सार्वजनिक प्रतिक्रिया है। 'मेक इन इंडिया' के प्रथम प्रोमोटर प्रधानमंत्री ही हैं। यह सिलसिला मोदी के प्रधानमंत्री बनने के कुछ माह बाद ही शुरू कर दिया गया था। दिसंबर, 2014 में उद्योग पर 'राष्ट्रीय कार्यशाला' के दौरान 'स्वदेशी' पर भी विमर्श किया गया था। बेशक आज भी विनिर्माण के क्षेत्र में इतना विकास और विस्तार नहीं हो पाया है कि वह देश के जीडीपी में 25 फीसदी का योगदान दे सके। हालांकि कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान भारत ने 60 फीसदी टीकों की आपूर्ति जरूरतमंद देशों को की। यह टीका भारत की कंपनियों ने ही बनाया और विकसित किया है तथा उसका उत्पादन वैश्विक स्तर पर किया जा रहा है। भारत ने 102 'स्वदेशी वंदे भारत' ट्रेन का नेटवर्क भी खड़ा किया है। आज भारतीय कंपनियां रक्षा उत्पादन में इतनी सक्रिय और व्यस्त हैं कि वे करीब 90 देशों को हथियारों की आपूर्ति कर रही हैं, लेकिन यह भी यथार्थ है कि हमें लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर और प्रमुख वायु रक्षा प्रणाली विदेशों से ही खरीदने पड़ रहे हैं। अभी हम रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की 'दहलीज' पर ही खड़े हैं। हमें अपनी जरूरत का खाद्य तेल अब भी विदेश से आयात करना पड़ रहा है। हम स्वदेशी तेल का ब्रांड और उत्पादन स्थापित नहीं कर पाए हैं। 'स्वदेशी' महज एक नारा है, व्यावहारिक नहीं है। बेशक भारत का कपड़ा क्षेत्र 14.5 करोड़ लोगों को रोजगार दे रहा है। हम अमरीका को भी वस्त्र, परिधान आदि का अच्छा-खासा निर्यात करते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स में भारत ने दोगुनी बढ़ोतरी की है, लेकिन कारों, मोबाइल आदि में जो सेमीकंडक्टर की 'चिप' लगती है, भारत उसके शोध, विकास, व्यापार के लिए आज भी सिंगापुर, ताइवान जैसे छोटे देशों पर ही आश्रित है। चीन, जापान, अमरीका की तो बात मत कीजिए। उनसे हमारा मुकाबला किया ही नहीं जा सकता। दो साल पहले भारत सरकार के बजट में युवा छात्रों को प्रशिक्षित और उनके रोजगार के मद्देनजर देश की 500 बड़ी कंपनियों में 'इंटर्नशिप' की योजना की घोषणा की गई थी। उसकी मौजूदा स्थिति क्या है, सरकार ने यह ब्रीफ करने की कभी जरूरत ही नहीं समझी। यह सवाल बेहद अहम और संवेदनशील है कि बीते 5 सालों के दौरान करीब 20 लाख पासपोर्ट 'सरेंडर' क्यों किए गए? वे लोग विदेशों में गए, काम में जुटे और फिर विदेशों में ही बस गए। यह आंकड़ा ऐसा है, जो 'स्वदेशी' की अवधारणा और संभावनाओं को नकारता है। 'स्वदेशी' एक व्यापक कैनवस है, लिहाजा सभी वस्तुओं का जिक्र करना संभव नहीं है। प्रधानमंत्री 'लोकल को वोकल' का नारा भी देते रहे हैं। विडंबना यह है कि इतने सालों के प्रयासों के बावजूद हमारे देश में न तो हुनरमंद श्रम है, न ही शोध एवं विकास पर अपेक्षाकृत फोकस है। स्वदेशी से ही आप ट्रंप टैरिफ को पराजित नहीं कर सकते।

प्रधानमंत्री मोदी को अचानक यह आह्वान क्यों करना पड़ा, जबकि संघ परिवार के लिए 'स्वदेशी' एक बुनियादी एजेंडा रहा है। आरएसएस का सहयोगी संगठन 'स्वदेशी जागरण मंच' दशकों से इस दिशा में प्रयासरत रहा है। वैश्विक अर्थव्यवस्था और कारोबार के मौजूदा दौर में कोई भी देश 'स्वदेशी' के भरोसे न तो आर्थिक विकास कर सकता है और न ही अस्तित्व की रक्षा कर सकता है। भारत आज एक खुली अर्थव्यवस्था वाला देश है और उदारीकरण, आर्थिक सुधारों का प्रणेता रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था और बाजार को 'बंद अर्थव्यवस्था' के दौर में नहीं धकेला जा सकता। 'स्वदेशी' के सीधे मायने हैं कि आप विदेशी निवेश का प्रवाह बाधित कर रहे हैं। स्थिरता के माहौल को फिर से अस्थिर करना चाहते हैं। आत्मनिर्भर भारत के लिए 'स्वदेशी' एक जड़ स्थिति है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के 25 फीसदी टैरिफ थोपने के बाद प्रधानमंत्री की 'स्वदेशी' पर यह पहली सार्वजनिक प्रतिक्रिया है। 'मेक इन इंडिया' के प्रथम प्रोमोटर प्रधानमंत्री ही हैं। यह सिलसिला मोदी के प्रधानमंत्री बनने के कुछ माह बाद ही शुरू कर दिया गया था।

अमृत कलश

उत्कंठ इच्छा

एक बार की बात है। एक गाँव में प्रज्ञा प्रकाश नाम के एक विद्वान महोदय रहते थे। धन – धान्य से संपन्न तो थे ही लेकिन ज्ञान उनके पास इतना था कि दूर – दूर से लोग अपनी समस्याओं का समाधान करने उनके पास आते थे। अपने अनुभव और ज्ञान से प्रज्ञा प्रकाश लोगों की समस्याओं का समाधान करते थे। इसलिए सभी उनको गुरूजी कहकर संबोधित करते थे। एक दिन की बात है। एक नवयुवक गुरूजी के पास आया और बोला – " गुरूजी मुझे सफलता का रहस्य बताइए, मैं चाहता हूँ कि मैं भी आपकी तरह विद्वान बनकर अपनी गरीबी दूर कर सकूँ।" गुरूजी मुस्कुराएँ और उन्होंने उसे दुसरे दिन प्रातःकाल नदी किनारे मिलने के लिए बुलाया। युवक को भी नहाना था इसलिए वह भी अपने वस्त्र लेकर दुसरे दिन प्रातःकाल नदी किनारे पहुँच गया। गुरूजी उस युवक को नदी के गहरे पानी में ले गये और जहाँ पानी गले के ऊपर निकल गया तो उन्होंने उसे डुबो दिया। थोड़ी देर युवक छटपटाया फिर उन्होंने उसे छोड़ दिया। युवक हांफता – हांफता नदी से बाहर भागा। जब उसे सुध आई तो बोला – " आप मुझे मारना क्यों चाहते है ?" गुरूजी बोले – " नहीं भाई, मैं तो तुम्हे सफलता का रहस्य बता रहा था। अच्छा बताओ ? जब मैंने तुम्हारी गर्दन पानी में डुबो दी थी, उस समय तुम्हें सबसे ज्यादा इच्छा किस चीज की हो रही थी ?" युवक बोला – " साँस लेने की।"

मतदाताओं को चुनाव प्रक्रिया में शामिल करना, भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में, एक असाधारण कार्य है

चुनाव आयोग पर वारः लोकतंत्र के लिये खतरे की घंटी

ललित गर्ग

लोकतंत्र की रक्षा का दावा करने वाले प्रमुख विपक्षी नेता श्री राहुल गांधी जैसे वरिष्ठ जनप्रतिनिधि जब चुनाव आयोग जैसी सर्वोच्च संवैधानिक संस्था पर वोट चोरी में शामिल होने एवं बिहार में मतदाता सूची में धांधली जैसे गंभीर, शरारत भरे, बेहूदे और गुमराह करने वाले आरोप सड़क से लेकर लोकसभा तक में लगाते हैं, तब यह केवल एक संवैधानिक संस्था पर नहीं बल्कि पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर सीधा प्रहार है, यह दुर्भाग्यपूर्ण भी है और चिंताजनक भी। चुनाव आयोग का काम केवल चुनाव कराना नहीं है, बल्कि यह संस्था लोकतंत्र को पारदर्शिता, विश्वसनीयता और निष्पक्षता से चलाने की रीढ़ है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, और इस लोकतंत्र की बुनियाद जिन संस्थाओं पर टिकी है, उनमें चुनाव आयोग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण, निष्पक्ष और प्रतिष्ठित मानी जाती है। किंतु लोकतंत्र की रक्षा का दावा करने वाले प्रमुख विपक्षी नेता श्री राहुल गांधी जैसे वरिष्ठ जनप्रतिनिधि जब चुनाव आयोग जैसी सर्वोच्च संवैधानिक संस्था पर वोट चोरी में शामिल होने एवं बिहार में मतदाता सूची में धांधली जैसे गंभीर, शरारत भरे, बेहूदे और गुमराह करने वाले आरोप सड़क से लेकर लोकसभा तक में लगाते हैं, तब यह केवल एक संवैधानिक संस्था पर नहीं बल्कि पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर सीधा प्रहार है, यह दुर्भाग्यपूर्ण भी है और चिंताजनक भी। चुनाव आयोग का काम केवल चुनाव कराना नहीं है, बल्कि यह संस्था लोकतंत्र को पारदर्शिता, विश्वसनीयता और निष्पक्षता से चलाने की रीढ़ है। लाखों कर्मचारियों, सुरक्षा बलों और तकनीकी सहयोग के बीच करोड़ों मतदाताओं को चुनाव प्रक्रिया में शामिल करना, भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में, एक असाधारण कार्य है। चुनाव आयोग ने समय-समय पर खुद को दबावों से ऊपर उठकर न्यायप्रिय संस्था के रूप में सिद्ध किया है। बिहार में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (सर) का जबरदस्त विरोध करते हुए राहुल गांधी चुनाव आयोग एवं उनके अधिकारियों को डराने एवं धमकाने की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। राजनीति में जब हार की बौखलाहट हावी हो जाती है, तो ऐसे ही विकृत आरोपों और झूठे नैरेटिव को गढ़ा जाता है। श्री राहुल गांधी द्वारा हाल ही में चुनाव आयोग पर लगाए गए आरोप इसी राजनीतिक हताशा का परिणाम प्रतीत होते हैं। वे चुनाव परिणामों या प्रक्रिया में किसी तकनीकी दोष की बजाय, सीधे आयोग की नीयत पर सवाल उठा रहे हैं, जो कि एक गंभीर लोकतांत्रिक अनाचार एवं अराजकता है। वे अपनी नाकामी का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ रहे हैं और वह भी भद्दे तरीके से। चूंकि उनके ऐसे पुराने आरोप ठहर नहीं रहे इसलिए वे कुंठित हो रहे हैं। वे हताशा में हद पार कर रहे हैं।

उन्हें सोचना चाहिए कि वे नेता सदन हैं और उस कांग्रेस के नेता हैं, जिसने देश पर लंबे समय तक शासन भी किया और चुनाव प्रक्रिया में सुधार के कुछ कदम भी उठाए। क्या कांग्रेस के लिए यह शर्म की बात नहीं कि जिस ईवीएम का उपयोग उसके शासनकाल में शुरू हुआ, उसके पीछे उसके ही बड़े नेता पड़े हैं। हाल के वर्षों में ईवीएम के कथित दुरुपयोग के जो भी आरोप लगे, उन्हें तो सुप्रीम कोर्ट ने भी फर्जी पाया। महाराष्ट्र चुनाव को लेकर लगाए गए आरोप भी फर्जी ही पाए गए। राहुल गांधी ने लोकसभा में चुनाव आयोग के खिलाफ उलटा-सीधा नहीं, उलटा ही उलटा इसलिए बोला ताकि सांसद को मिले अधिकारों के तहत उनके खिलाफ कोई कार्रवाई न हो सके। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के नितांत झूठे, बेबुनियाद, निराधार और भारतीय लोकतंत्र की छीछालेदर करने वाले आरोपों का कड़ा प्रतिवाद करने के साथ यह कहकर उन्हें बेनकाब भी किया कि वे किस तरह अपने आरोपों का जवाब सुनने या अपने आरोपों की सच्चाई प्रस्तुत करने आयोग के समक्ष उपस्थित नहीं हुए। आरोपों में दम होता तो वे उपस्थित होते। चुनाव आयोग ने बार-बार उन्हें बुलाया, लेकिन लगता है कि वे खुद को इस संवैधानिक संस्था से भी ऊपर समझ रहे हैं। वे गांधी परिवार के सदस्य हैं, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि वे जो मन में आये करते रहे कि आम जनता उनके शरारत भरे आरोपों को सच मान लेगी। जनता का उनके आरोपों पर भरोसा उठ चुका है, उनके आरोपों पर ही नहीं, उन पर भरोसा नहीं रहा तभी तो चुनावों में कांग्रेस की इतनी दुर्गति हो रही है। गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में सही सका कि ऐसी हरकतों से कांग्रेस 30 साल तक विपक्ष में ही बैठती रहेगी। वोट चोरी के आरोप लगा रहे राहुल और उनके साथी यह क्यों भूल जाते हैं कि झारखंड और जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनाव कौन जीता था? क्या यह उचित है कि जब तक चुनाव परिणाम अनुकूल हों तब तक चुनाव आयोग निष्पक्ष है, और जब हार हो जाए तो वही आयोग पक्षपाती हो जाए? क्या लोकतंत्र का सम्मान इस प्रकार के दोहरे मापदंडों से किया जा सकता है? राहुल गांधी को यह नहीं भूलना चाहिए कि वे स्वयं उसी निर्वाचन प्रणाली से संसद पहुंचे हैं, जिसे अब वे झूठा और पक्षपाती बताने की कोशिश कर रहे हैं। यह जनता की समझ और चेतना का भी अपमान है। अब यह भी साफ है कि ऐसे लोग मतदाता सूचियों का सत्यापन नहीं होने देना चाहते, भले ही घुसपैठिये वोटर बने रहें, यह तो सबसे बड़ा देशद्रोह है। इस मामले में जनहित याचिकाएं सुनने को आतुर सुप्रीम कोर्ट को भी सक्रिय होना चाहिए। यदि किसी दल या नेता को किसी प्रक्रिया पर आपत्ति है, तो उनके पास कानूनी और संवैधानिक मार्ग खुले हैं। लेकिन सार्वजनिक मंचों से इस तरह झूठी कहानियां गढ़कर जनता को भ्रमित करना, लोकतंत्र की मर्यादाओं को तार-तार करना है। चुनाव आयोग ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि वह सत्ता या विपक्ष, दोनों से परे, केवल संविधान और जनादेश के प्रति जवाबदेह है। ऐसे में बार-बार उसे लांछित करना विपक्षी राजनीति की गिरती हुई संस्कृति का परिचायक है। आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी राजनीतिक दल और नेता लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करें, न कि उन्हें क्षति पहुंचाएं। यदि विपक्ष को सशक्त बनना है, तो उसे अपने विचारों की ताकत और जनसमर्थन की ऊर्जा से यह करना होगा, न कि संस्थाओं को कमजोर कर या झूठी शंकाओं का धुंआ फैलाकर। राहुल गांधी जैसे नेताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे जनता के बीच संवेदनशीलता, सच्चाई और गंभीरता का उदाहरण प्रस्तुत करें। किंतु जब वे स्वयं राजनीतिक अपरिपक्वता, अविश्वास और तर्कहीन आलोचनाओं के वाहक बन जाते हैं, तो इससे केवल विपक्ष की साख ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र की पूरी संरचना प्रभावित होती है। राहुल गांधी द्वारा यह दावा करना कि पूर्व में महाराष्ट्र एवं हाल ही में बिहार में लाखों फर्जी वोटर जुड़े हैं, यह आरोप न केवल अतिशयोक्ति और तथ्यहीनता का उदाहरण है, बल्कि इससे मतदाताओं में अनावश्यक भय और भ्रम फैलता है। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि यह पूरी तरह भ्रामक है और यह मतदाता सूची में प्राकृतिक अद्यतन प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसमें मृतकों, स्थानांतरित लोगों या दोहरावों को हटाकर सत्यापन किया जाता है। बिहार राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने भी इसे नियमित कार्यवाही बताते हुए राहुल गांधी के आरोपों को बेबुनियाद बताया है। यह स्पष्ट करता है कि 'वोट चोरी' का शोर एक राजनीतिक भ्रमजाल है, न कि तथ्यात्मक आपत्ति। राहुल गांधी के ऐसे बचकाने और संवेदनहीन बयानों से देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अफरातफरी और अविश्वास का माहौल बनता है।

देश दुनिया से

हलधर नाग और संबलपुरी समाज

कवि या साहित्यकार को सुनकर वाह-वाह और तालियां बजाते तो हम सब सुनते ही हैं। यह अब व्यापार सा बन चुका है या मार्केटिंग का खेल। असली सम्मान वह है जब मंत्री से लेकर संत्री तक बोलें और सामने की पंक्ति में श्रोता के रूप में साहित्यकार सुने। अपने जीवन पर। अपने काम पर। अपने साहित्य पर। अपनी कविता पर। ऐसा हमने पिछले दिनों बरगढ़ (ओड़िशा) में दो दिवसीय नेशनल सेमिनार में प्रत्यक्ष देखा-सुना। मंत्री के उद्बोधन में। संस्था के संबोधन में। विद्वानों के व्याख्यान में। चित्र में। चरित्र में। नृत्य में। नाटक में। गायन में। 2 दिन। 20 घंटे। 5 सत्र। 25 वक्ता। 5 संचालक। 11 साँस्कृतिक कार्यक्रम। सेमिनार के शुभारंभ पर कविजी की कविता- ' ई माटीर पानी पवनरे..' गीत के सस्वर गायन को सुनना अद्भुत था। अछूत शबरी पर केंद्रित 'अछिया' काव्य पर आदिवासी बच्चियों की भावपूर्ण प्रस्तुति हो या कविजी के जीवन पर आधारित लघु नाटिका। सब दिल जीत। क्षेत्र के संगीता के मानते हैं, कोसली में लिखी उनकी कविताएं राग के मानकों पर भी फिट हैं। कविताओं की रागमयी प्रस्तुति को 'हलधर संगीत' ही कहा जाता है।सभागार के प्रवेश द्वार पर दोनों तरफ चार दर्जन से अधिक विभिन्न मुद्राओं वाले हाथ से बने स्कैच या फोटो देखना एक अलग 'लोक' का अनुभव जैसा था। ऐसा हमने 2 साल पहले सिर्फ 'प्रभाष प्रसंग' में देश के श्रेष्ठ पत्रकार-संपादक प्रभाष जोशी के संबंध में चित्तौड़ में ही देखा था। सब-के-सब उस साहित्यकार को समर्पित, जिसे दुनिया 'लोक कविरत्न' के रूप में जानती-मानती-पहचानती है। पिछड़े वर्ग से ताल्लुक रखने वाली इस अजीम शख्सियत का नाम है-हलधर नाग। वर्ष 2016 में भारत सरकार के चौथे सबसे बड़े नागरिक सम्मान 'पद्मश्री' से विभूषित हलधर नाग का निर्विकार भाव, शांत समुद्र और गंभीर श्रोता की तरह सबको सुनना और सारे आयोजनों में सामान्य जन की तरह सहभागिता, इस सेमिनार का सबसे विशेष पक्ष थी। एक दृश्य देख लीजिए-' 28 जून को सुबह 10 बजे सेमिनार का शुभारंभ था। रात से शुरू हुई वर्षा आयोजन प्रारंभ होने के एक घंटे पहले तक जारी थी। इस बारिश के बीच ही नंगे पैर धोती-बनियान पहने और अपनी कुछ पुस्तकों का झोला खुद हाथ में थामे हलधर नाग दिखाई देते हैं। चेहरे पर किसी से कोई सम्मान की चाहत न चरित्र में, लेकिन संस्थान के संत्री हो या अन्य मौजूद सामाजिक कार्यकर्ता-साहित्यकार, सब पैर छूकर आशीर्वाद लेने को लालायित। मैं खुद भी उसमें शामिल हो गया। क्यों? के जवाब में बस इतना कह सकता हूं, यह पदक की चमक पर नहीं, सादगी के सम्मान में। यह होता है लोककवि का लालित्य। जहां हर कोई स्वयं ही श्रद्धावनत हो। हर कोई उनसे मिलने- बतियाने और सेल्फी लेने को बेताब! 'लोक' की बात करने या लिखने भर से कोई लोककवि नहीं होता। इसके लिए लोक से जुड़ना भी होता है। हलधर नाग लोक की बात जितना लिखते हैं, उससे ज्यादा लोक में विचरते हैं। लोक से जुड़ते हैं। लोक के साथ चलते हैं। अपनी लोक कविताओं से तो हलधर नाग कोसल प्रदेश में लोकप्रिय हैं ही। बाहरी दुनिया से हलधर नाग को परिचित कराने वाले अभिमन्यु साहित्य संसद के संस्थापक अशोक कुमार पूजाहारी का कम योगदान नहीं। हिंदी समाज में उनके साहित्य को विस्तार देने में अनुवादक दिनेश कुमार माली की महती भूमिका है। इस आयोजन की सूत्रधार भी उन्हीं की संस्था 'अभिमन्यु साहित्य संसद' थी। सहयोगी भूमिका में कृष्णा विकास संस्थान। 31 मार्च 1950 को बरगढ़ के ऐतिहासिक घेंस गांव में जन्मे हलधर नाग का लोक साहित्य दुनिया के तमाम देशों में शोध का विषय है। आर्थिक अभावों से स्कूली शिक्षा से वंचित रहने वाले पद्मश्री हलधर नाग संबलपुर की अधिष्ठात्री देवी माँ समलेई, भगवान राम और श्रीकृष्ण के अतिरिक्त रामकथा में उपेक्षित मिथकीय पात्र महासती उर्मिला एवं अछूत शबरी पर 'अछिया' नामक महाकाव्य लिखकर अपने जीवित रहते ही अमर हो चुके हैं। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त को उपेक्षित उर्मिला पर साकेत महाकाव्य लिखने की प्रेरणा दी, उन्हीं पर हलधर नाग ने स्वप्रेरणा से 'महासती उर्मिला' महाकाव्य का प्रणयन किया। प्रकृति से सीधा तादातम्य रखने वाले हलधर नाग की पहली कविता है-' ढाड़ो बरगाछ'। हिंदी में इसे कहा जाएगा - 'बूढ़ा बरगद'। बरगद का यह पेड़ आज भी उनके संग्रहालय के सामने है। रात ही सही, कविता के बहाने चर्चा में आ चुके इस विशाल बरगद के नीचे कुछ देर सांस लेने का मौका इन पंक्तियों के लेखक को भी मयस्सर हुआ। 1990 में लेखन की दुनिया में कदम रखने वाले हलधर नाग अब तक दो दर्जन से अधिक काव्य, महाकाव्य, खंडकाव्य रच चुके हैं। 25-30 व्याखान भी कम से कम हमें हलधर नाग का साहित्य संसार समेट पाने में समर्थ प्रतीत नहीं हुए। बाकी का भगवान जानें। लोक कविरत्न कालीभक्त हैं। उन्होंने अपने संग्रहालय के सामने काली माँ का छोटा सा मंदिर भी निर्मित कराया है। कहते हैं, विशेष वाद्य यंत्र बजाकर भक्ति में डूबने के बाद मां समलेई कविजी को कान में कुछ फुसफुसाती हैं और उनके अंतस से सरस्वती की सहस्रधारा स्फुटित होने लगती है। उनके कार्यस्थल पर बने छोटे-से संग्रहालय की दीवारों पर सजे सैकडों उपहार, सम्मान एवं प्रमाणपत्र 'लोक सम्मान' की प्रत्यक्ष गवाही देते हैं।

आप का नजरिया

बोली से भाषा की तपिश तक

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में स्थानीय भाषा की तफतीश फिर शुरू हुई, तो हिमाचल ने अपनी जड़ों में जुराब फंसा ली। बेशक स्थानीय भाषा के पैमाने पूरी तरह भरें या न भरें, लेकिन हफ्ते में एक दिन का सफर भी अगर अपनी बोली, अपनी होली और अपनी चोली में हो जाए, तो संस्कृति के अहम पहलू में बचपना महफूज हो जाता है। भाषाई फार्मूलों की सियासत ने अब तक दक्षिण से महाराष्ट्र तक की तपिश देखी है, लेकिन हिमाचल में हिमाचली भाषा का गठजोड़ राजनीति के आलंबरदारों और तथाकथित साहित्यकारों के सरोकार को संकीर्णता की बोली तक ले जाता है। नतीजा यह कि न तो हम डोगरी भाषा की तरह एकजुट हुए और न ही देश की भाषाओं के परिवार में सम्मिलित हो पाए। बावजूद इसके एक्टिविटी बैग फ्री डे के दौरान अगर स्कूली बच्चे अपनी-अपनी बोलियों में संस्कृति की गहनता, समरूपता, कलात्मकता, माधुर्य, अपनत्व, रागात्मकता और गीत-संगीत के स्पर्श को महसूस करेंगे, तो शिक्षा के औपचारिक परिवेश की जटिलताओं के मध्य एक सहज-सरल व्यवहार की स्वीकृति बढ़ेगी। स्थानीय बोली चूल्हे से निकली हुई वो पांत है, जहां सामाजिक, सामुदायिक और सांस्कृतिक भावना को मिलजुल कर बैठना सिखाती है। आज अगर किसी हिमाचल बोली का एक अलग चूल्हा पहचाना जा रहा है, तो कल पड़ोस का चूल्हा भी सौगात लाकर जोड़ पाएगा। यानी बोली-बोली में हम हिमाचल की विशालता, एकरूपता और सांस्कृतिक उजास को पहचानेंगे तो सहजता और संपूर्णता से एक दिन हमारे-शब्द, उनके अल्फाज, रावी के पानी को सतलुज से मिलाएंगे। भरमौर के अर्थों को सिरमौर में टटोल पाएंगे। हमारी तमाम बोलियों के बीच सौम्यता, संप्रेष्णीयता, संसर्ग और सहजता का कमोबेश एक जैसा खाका है। यह भाषा का वर्गीकरण नहीं, अपनत्व की स्वीकारोक्ति में ही पल्लवित और पुष्पित होगा। जब कुलदीप शर्मा, 'इन्हां बडियां जो तुडक़ा लाना...ओ ठेकेदारनिए' गाते हैं, तो यह बोली नहीं भाषा है। जब यही गायक, 'रोहड़ू जाना मेरी अमिए, रोहड़ू जाना हो।' गाता है तो भी हिमाचली भाषा की संवेदना अपना मर्म बताती है। संस्कृति के पन्ने इसी संवेदना से राष्ट्रीय हो जाते हैं, इसलिए हिमाचली गायक अपनी गायन शैली के वैविध्य में किसी क्षेत्र विशेष की बोली में नहीं देखे गए। संस्कृति के अध्यायों को राज्य या राष्ट्र की परिभाषा में देखे बिना न नागरिक मुकम्मल होंगे और न ही राष्ट्र भावना के संदर्भ। हमें अगर अपनी पीढियों को मुकम्मल करना है, तो सर्वप्रथम राज्य के सभी पहलुओं में सशक्त होना होगा। स्कूलों में पहाड़ी बोलना अगर शैक्षणिक योग्यता की तलाश शुरू कर दे, तो एक दिन हिमाचली भाषा के तमाम स्रोत एक नदी बन कर बहना भी सीख लेंगे। विडंबना यह है कि अब कला, भाषा एवं संस्कृति भी अपने योगदान में सिर्फ सियासी पदचिन्ह ही देख रहा है। भाषा का अर्थ साहित्यकारों की पुस्तकों की खरीद या औपचारिक आयोजनों का बसेरा ही बना रहा, जबकि बोलियों के समागम में हिमाचली भाषा के संस्कार पुष्ट करने की यात्रा शुरू होनी चाहिए थी। इसी विभाग का कलात्मक पहलू अगर शोध की परिपाटी पर चले तथा इसके अधीन मंदिरों को संस्कृति, कला, गीत-संगीत व भाषा की प्रस्तुति का अहम केंद्र बनाए, तो हिमाचली पहचान के कई सेतु व संगम सक्रिय भूमिका निभाएंगे। प्रदेश के कला, भाषा एवं संस्कृति विभाग को अपने कत्तव्य के मंच पर हिमाचल की पेशकश को गीत-संगीत व नृत्य की विशिष्ट लय और बोलियों से प्रादेशिक भाषा के व्याकरण तक एक केंद्रीय भूमिका निभानी होगी। बहरहाल शिक्षा नीति की अंगुली पकडक़र हम स्कूल परिसरों के भीतर बच्चों की जुबान पर स्थानीय बोली चढ़ा रहे हैं। इसी प्रयोग का वैज्ञानिक व भावानात्मक विस्तार बोलियों को हिमाचली भाषा के आलोक तक पहुंचा सकता है, बशर्ते राज्य की पहचान में हर नागरिक अपनी अहमियत के सारे अर्थ भाषा के परिप्रेक्ष्य में खोजे तथा स्वीकार करे कि हम हिमाचली एक संस्कृति-एक भाषा और एक परंपरा के गठबंधन में अनूठी पहचान हैं।

भाषाई फार्मूलों की सियासत ने अब तक दक्षिण से महाराष्ट्र तक की तपिश देखी है, लेकिन हिमाचल में हिमाचली भाषा का गठजोड़ राजनीति के आलंबरदारों और तथाकथित साहित्यकारों के सरोकार को संकीर्णता की बोली तक ले जाता है। नतीजा यह कि न तो हम डोगरी भाषा की तरह एकजुट हुए और न ही देश की भाषाओं के परिवार में सम्मिलित हो पाए।

दृष्टि कोण

ग्रामीण विकास के लिए स्वरोजगार बढ़ाओ

जनसंख्या बढ़ जाने के साथ ही हमारे देश एवं प्रदेश में बेरोजगारी की समस्या दिन-प्रतिदिन विकराल रूप धारण कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि, पशुपालन एवं बागबानी आदि का कार्य कम होने तथा पारंपरिक व्यवसाय बंद होने से ग्रामीण स्तर पर रोजगार कम हुए हैं। ग्रामीणों ने भी अब पहले की तरह कड़ी मशक्कत करनी भी छोड़ दी है। इससे उनमें गर्मी व सर्दी सहन करने की भी क्षमता कम हुई है। नतीजतन उन्हें कई बीमारियां भी घेरने लगी हैं। कृषि से सम्बन्धित कार्य के लिए ट्रैक्टर व अन्य आधुनिक मशीनों के उपयोग में आने से भी पारंपरिक व्यवसाय न के बराबर रह गए हैं। यदि कहीं ऐसे छिटपुट व्यवसाय चल भी रहे हैं, तो यह घाटे का सौदा साबित हो रहे हैं। जिस काम को पहले चार लोग चार दिनों में पूरा करते थे, अब मशीनों से उस काम को कुछ ही समय में पूरा किया जा सकता है। इसके साथ ही मशीनों से होने वाला काम या उत्पाद सस्ता भी पड़ जाता है, जबकि हाथ से बनाए उत्पाद को बड़ी मुश्किल से औने-पौने दाम पर बेचना पड़ता है। कई बार तो ऐसे कारीगरों को काफी घाटा भी उठाना पड़ता है। ग्रामीण स्तर पर लघु एवं कुटीर उद्योगों में भी भारी कमी आई है। इससे लोगों के पास काम-धंधा न होने से भी बेरोजगारी बढ़ी है। हालांकि सरकार ऐसे उद्योगों के पुनरुत्थान के लिए सम्बन्धित लोगों को वित्तीय मदद भी दे रही है, लेकिन लोगों को ऐसा रोजगार चाहिए जिसमें प्रति माह निर्धारित धनराशि मिले, ताकि आसानी से वे अपना और अपने परिवार का गुजारा कर सकें। ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े उद्योग स्थापित न होने से युवा वर्ग रोजगार की तलाश में गांव से शहरों की ओर पलायन कर रहा है। सारा सामाजिक ढांचा नगरों-महानगरों के आसपास बिखर गया है।

किसानों द्वारा खेतीबाड़ी का काम कम करने या छोड़ देने से ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकतर उपजाऊ भूमि बंजर होने के कगार पर पहुंच गई है। उस भूमि में बड़ी मात्रा में जहरीली घास फैल गई है। इससे पर्यवरण प्रदूषण फैल रहा है तथा पशुचारे की भी कमी हो गई है। इसके चलते पशुपालकों ने अपने पशु भी नगर-कस्बों की ओर धकेल दिए हैं। पहले गांव में जब व्यापक स्तर पर कृषि का काम होता था तो उसके साथ और भी कई पारंपरिक व्यवसाय थे। किसान अपनी उपज से ही उनका मेहनताना चुकाते थे। नकद पैसे का लेन-देन बहुत ही कम था। ऐसा भी कहा जाता है कि सरकार की कुछ कल्याणकारी योजनाएं धरातल पर कम ही दिखाई दे रही हैं। यह भी सच्चाई है कि कुछ लोगों के ढुलमुल रवैये के चलते कृषि एवं पशुपालन के व्यवसाय में बेहद कमी आई है। एक समय था जब किसान अपनी उपज से अपने परिवार के साथ ही अन्य पारंपरिक व्यवसाय करने वालों के परिवार का भी पेट पालता था। लोहार लोहे या लकड़ी के औजार व अन्य उपकरण बनाते थे। कारीगर बांस की टोकरियां, अनाज रखने वाली बड़ी-बड़ी पेडियां व अन्य छोटी-मोटी वस्तुएं बनाते थे। खड्डों-नालों के किनारे घराट चलाने वाले, मिट्टी के बर्तन बनाने वाले, जूते बनाने या उनकी मरम्मत करने वाले, बाल काटने वाले तथा ऊनी कपड़े बुनने वाले आदि व्यवसाय से जुड़े लोग अब गांव में कहीं ढूंढे नहीं मिल रहे हैं। लोगों को रोजी रोटी की तलाश में कहीं दूर जाना पड़ता है। अपने घर का खर्च चलाने के लिए उन्हें नकद पैसे की भी जरूरत होती है। पहले ऐसे व्यवसाय करने वालों की काफी कदर होती थी। किसान हर फसल आने पर उन्हें काम के मुताबिक अनाज देते थे। इससे उनका गुजारा चला रहता था। ये सब किसानों की जरूरतों को पूरा किया करते थे। लोग अनाज बेच कर रोजमर्रा का सामान खरीद लिया करते थे। लेकिन अब लोगों की दौड़ पैसे के लिए हो गई है। हम जो खा-पी रहे हैं, उसकी गुणवत्ता की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसलिए तरह-तरह की बीमारियां बढना भी स्वाभाविक ही है। हालांकि सरकार ने परंपरागत व्यवसायों के पुनरुत्थान के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई हैं, लेकिन उनका सही ढंग से कार्यान्वयन नहीं हो रहा है। इस वजह से ऐसे व्यवसाय फिर से नहीं पनप रहे हैं।

यमन के दक्षिणी प्रांत में 157 लोगों को लेकर जा रही नाव डूबी, 75 की मौत

सना,04 अगस्त (एजेंसियां)।

यमन के दक्षिणी प्रांत अबयान के तट पर रविवार को खराब मौसम के दौरान लगभग 157 लोगों को ले जा रही एक नाव डूब गई। खोज एवं बचाव दल में शामिल गोताखोरों ने अब तक 75 शव निकाले हैं। बाकी लोगों की तलाश की जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) के यमन प्रमुख ने पहले इस दुर्घटना में कम से कम 68 प्रवासियों की मौत की सूचना दी थी। वैश्विक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आईओएम के यमन प्रमुख ने कहा था कि 68 लोगों की मौत हो गई है और 12 लोगों को बचा लिया गया है, लेकिन दर्जनों लोग लापता हैं। अधिकतर पीड़ित इथियोपियाई नागरिक बताए जा रहे हैं। सनद रहे अफ्रीकी खाड़ी देशों में काम की तलाश में आने वाले प्रवासियों के लिए यमन प्रमुख मार्ग है। आईओएम का अनुमान है कि हाल के महीनों में जहाज और नावों के डूबने से सैकड़ों लोग मारे गए या लापता हो गए।

इस बीच, यमन के सुरक्षा अधिकारियों ने सोमवार को कुछ वैश्विक संचार माध्यमों को बताया कि इस नौका दुर्घटना में कम से कम 76 लोगों की मौत हो गई है और दर्जनों लोग लापता हैं। अदन की खाड़ी में जहाज के मलबे से 76 शव बरामद किए गए हैं और 32 लोगों को बचा लिया गया हैं। संयुक्त राष्ट्र की प्रवासन एजेंसी ने बताया कि नाव पर 157 लोग सवार थे।

इस बीच अमन के सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि बड़ा खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया है। तट के एक बड़े हिस्से से कई शव मिले हैं।

आईओएम यमन प्रमुख अब्दुसत्तोर एसोव ने कहा कि नाव विशाल तटीय क्षेत्र में एक खतरनाक रास्ते पर थी। इस रास्ते का इस्तेमाल अकसर मानव तस्कर करते हैं। एसोव ने तस्करों के शोषण से बचने के लिए प्रवासियों के लिए कानूनी सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के महत्व पर भी जोर दिया है। आईओएम का कहना है कि मार्च में 180 से ज्यादा प्रवासियों को ले जा रही दो नावें यमन के धुबाब जिले के तट पर डूब गई थीं। इन लोगों में से केवल चालक दल के दो सदस्यों को ही बचाया जा सका था।

न्यूज ब्रीफ

प्रधानमंत्री ओली ने नेपाल में राजतंत्र की वापसी के दिल्ली समझौते को ऐतिहासिक भूल बताया

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने नेपाल में राजतंत्र की वापसी के लिए दिल्ली में हुए समझौते को ऐतिहासिक भूल बताया है। उन्होंने कहा कि उस समझौते के बाद ही नेपाल में 56 सालों तक राजतंत्र कायम रहा और देश की जनता को दुख सहना पड़ा। काठमांडू में रविवार को एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि विक्रम संवत 2007 में जब नेपाल के तत्कालीन राजा त्रिभुवन देश छोड़ कर भारत में शरण ली थी, उसी समय उनको नेपाल में लाकर स्थापित करना गलत था। ओली ने कहा कि उस समय दोबारा नेपाल बुलाकर नेपाल में स्थापित किए गए राजतंत्र के कारण नेपाल की जनता को 56 वर्ष तक राजतंत्र के अधीन रहना पड़ा। प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि हालांकि, यह गलती हमारे पूर्वजों ने की थी, लेकिन वह लोकतंत्र की दृष्टि से एक ऐतिहासिक भूल साबित हुई। उन्होंने कहा कि विक्रम संवत 2063 तक नेपाल की जनता पर शाह राजवंश का शासन रहा, जिसे नेपाली जनता के संघर्ष के बाद हटाया गया। ओली ने कहा कि अब दोबारा नेपाल में राजतंत्र की स्थापना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि ज्ञानेन्द्र नेपाल के असली राजा नहीं हैं, बस बदली हुई परिस्थिति के कारण ज्ञानेन्द्र शाह को राजा मानने पर हम मजबूर हुए। प्रधानमंत्री ने कहा कि जो गलतियां हमारे पूर्वजों ने की थी, वही गलती हम नहीं करने वाले हैं और न हमारी आने वाली पीढ़ी कर सकती है। नेपाल में असली राजवंश का विनाश हो चुका है और किसी को भी राजा मानना अब हमारी मजबूरी नहीं है।

हमास हमले रोकने, राशन पहुंचाने की शर्त पर बंधकों की मदद को तैयार

काहिरा। गाजा में अभी भी कई इजराइली हमास के चंगुल में हैं। हमास ने पिछले दिनों बंधकों की दयनीय हालत का एक वीडियो साझा किया था, जिसकी आलोचना हुई थी। अब हमास ने रविवार को कहा कि अगर इजराइल उसकी कुछ शर्तें मान लेता है, तो वह गाजा में इजराइली बंधकों को सहायता पहुंचाने के लिए रेडक्रॉस के साथ समन्वय करने को तैयार हैं। हमास ने कहा कि वह रेडक्रॉस के साथ कोई भी सहयोग और समन्वय तभी करेगा, जब इजराइल गाजा पट्टी में स्थायी तौर पर मानवीय गलियारों को खोलेगा और वहां राहत और राशन वितरण के दौरान हवाई हमले रोकेगा। 50 बंधक अभी भी कब्जे में, वीडियो में दयनीय हालत में दिखा बंधक मीडिया रिपोर्ट में इजराइली अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि गाजा में अभी भी 50 बंधक हमास के कब्जे में हैं, जिनमें से केवल 20 के ही जीवित होने की संभावना है। हमास ने अब तक ह्यूमन राइट संगठनों को इन बंधकों की पहुंच से रोक रखा है।

भूकंप के बाद आई सुनामी से समुद्र तट में फंसी व्हेल मछलियों ने बढ़ाई चिंता

टोक्यो। रूस में पिछले दिनों आए 8.7 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के झटकों का असर जापान तक देखने को मिला था।

भूकंप के बाद सुनामी की लहरें जापान के होक्काइडो द्वीप तक पहुंच गई थीं। इसी दौरान चिबा प्रांत के तातेयामा शहर के समुद्र तट पर कई व्हेल मछलियां फंस गई थीं। इस दृश्य के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं, जिसने समुद्री जीवन पर प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को लेकर चिंता बढ़ा दी है। विज्ञानियों ने कहा- समुद्र की संरचना में परिवर्तन व्हेल के लिए खतरनाक विशेषज्ञों के मुताबिक सुनामी के समय समुद्र की जलधारा और दबाव में अचानक बड़ा परिवर्तन होता है। इस बदलाव से समुद्री जीवों की नेविगेशन प्रणाली पर असर होता है, खासकर व्हेल जैसी बड़ी मछलियों पर जो ध्वनि तरंगों के जरिए अपनी दिशा तय करती हैं। जल की गति में अचानक बदलाव से व्हेल अपना रास्ता भटक जाती हैं। कम गहराई वाले क्षेत्रों में बहकर किनारे आ जाती हैं। ध्वनि तरंगों की दिशा में बदलाव से वे भ्रमित हो जाती हैं। कई बार जल स्तर तेजी से घटने और बढ़ने से फंस जाती हैं। समुद्री जीव विज्ञानियों का मनना है कि सुनामी और भूकंप से समुद्र की संरचना में अचानक परिवर्तन व्हेल के लिए खतरनाक हो सकता है। समुद्र के नीचे टेक्टोनिक प्लेट्स के हिलने से पैदा होने वाले ध्वनि कंपन भी व्हेल को भ्रमित कर सकते हैं। भूकंप और सुनामी जैसे प्राकृतिक आपदाओं का असर केवल मानव जीवन तक सीमित नहीं रहता, इसका व्यापक प्रभाव समुद्री जीवन और पारिस्थितिकी तंत्र पर भी पड़ता है।

हॉलीवुड अभिनेत्री लोनी एंडरसन का 79 वर्ष की आयु में निधन

लॉस एंजिल्स,04 अगस्त (एजेंसियां)।

हॉलीवुड अभिनेत्री लोनी एंडरसन का लंबी बीमारी के बाद 79 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने लॉस एंजिल्स के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनकी सबसे यादगार फिल्म डब्ल्यूकेआरपी इन सिनसिनाटी है। उन्होंने इस हास्य फिल्म में रिसेप्शनिस्ट जेनिफर मार्लो का किरदार निभाकर प्रशंसकों और फिल्म विशेषज्ञों का ध्यान खींचा था।

खबर के अनुसार, उनकी पूर्व प्रचारक चेरिल जे. कागन ने अभिनेत्री लोनी एंडरसन के निधन की पुष्टि करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी है। एंडरसन के परिवार ने बयान में कहा, हमें अपनी प्यारी पत्नी, मां और दादी के निधन की घोषणा करते हुए दुख हो रहा है। उन्होंने

चार दशक से भी ज़्यादा समय तक स्वाट, थ्री ऑन अ डेट, थ्रीज कंपनी, द इनक्रेडिबल हल्क, द लव बोट और द बॉब न्यूहार्ट शो फिल्मों सहित कई टीवी शो में अभिनय किया।

मिनेसोटा के सेंट पॉल में पली-बढ़ी एंडरसन की सबसे बड़ी ख्वाहिश अभिनेत्री बनने की थी। 1975 में एंडरसन लॉस एंजिल्स चली आईं और जल्द ही इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना ली। उन्होंने 1978 में एक लोकप्रिय टीवी शो में सेक्स सिंबल के रूप में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने 2021 में कहा था, मुझे याद है कि उस जमाने में हम सब पोस्टर बनाया करते थे। हर कोई मुझसे हमेशा पूछता था, तुमने पोस्टर क्यों बनाया% मैं कहती थी क्योंकि किसी दिन मेरे नाती-पोते इसे देखेंगे। और मैं उन्हें बता पाऊंगी कि मैं सचमुच ऐसी दिखती थी।

साल 1982 में उन्होंने अपने तत्कालीन भावी पति बर्ट रेनॉल्ड्स के साथ स्ट्रोकर ऐस नामक एक फीचर फिल्म में सह अभिनय किया। लोनी और बर्ट ने अगस्त 1988 में अपने बेटे क्विंटन एंडरसन रेनॉल्ड्स को गोद लिया। बर्ट रेनॉल्ड्स की 2018 में दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। टीवी और फिल्म के अलावा एंडरसन संगीत थियेटर समुदाय की प्रमुख सदस्य थीं।

मीडिया फोर के अध्यक्ष स्टीव सॉयर ने कहा, वह एक बेहतरीन कामकाजी मां थीं। परिवार सर्वोपरि था। उन्होंने अपने करियर के साथ बेहतरीन संतुलन बनाए रखा। उनकी कमी हमेशा खलेगी। बताया गया है कि 17 मई, 2008 को एंडरसन ने 1960 के दशक के लोकगीत समूह द ब्रदर्स फोर के संस्थापक सदस्य बॉब फ्लिक से शादी की।

एंडरसन के परिवार में उनके पति, बेटी डेइड्रा और दामाद चार्ली हॉफमैन, बेटा क्विंटन एंडरसन रेनॉल्ड्स, पोते-पोतियां मैकेंजी और मेगन हॉफमैन, सौतेला बेटा एडम फ्लिक और उनकी पत्नी हेलेन, सौतेले पोते-पोतियां फेलिक्स और मैक्सिमिलियन हैं। परिवार ने कहा कि हॉलीवुड फॉरएवर कब्रिस्तान में एक निजी पारिवारिक प्रार्थना सभा आयोजित की जाएगी।

ट्रंप के सलाहकार का दावा कहा- यूक्रेन जंग में रूस को फंडिंग कर रहा भारत

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक सहयोगी ने रूस से तेल खरीदने पर भारत की आलोचना की और भारत पर यूक्रेन युद्ध में रूस को वित्तीय मदद पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह एक आश्चर्यजनक तथ्य है कि इस मामले में भारत चीन के साथ गठजोड़ बनाकर काम कर रहा है और जमकर रूसी तेल खरीद रहा है। मिलर का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब ट्रंप प्रशासन अन्य देशों के ऊपर लगातार दबाव बना रहा है। इसी सिलसिले में उसने भारत के ऊपर भी 25 प्रतिशत टैरिफ और जुर्माने की घोषणा की है। हालांकि, अमेरिकी दबाव के बावजूद भारत की तरफ से रूसी तेल खरीद को बंद करने के कोई संकेत नहीं मिले। रॉयटर्स के अनुसार भारत सरकार के सूत्रों ने कहा कि वह रूस से तेल आयात करना जारी रखेंगे। ट्रंप के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर ने कहा कि ट्रंप चाहते हैं कि भारत रूसी तेल की खरीद को बंद कर दे। संडे मॉर्निंग फ्यूचर्स से बात करते हुए मिलर ने कहा, उन्होंने (ट्रंप ने) बहुत ही स्पष्ट शब्दों में कहा है कि भारत को रूस से तेल खरीदना बंद कर देना चाहिए। क्योंकि यूक्रेन युद्ध में रूस का वित्तपोषण स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने आगे कहा, लोगों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि इस तथ्य पर भारत चीन के पक्ष में है, यह दोनों देश गठजोड़ बनाकर रूस से भारी मात्रा में तेल खरीद रहे हैं। इससे रूस को यूक्रेन युद्ध में मदद हो रही है।

इजराइल और अमेरिका हमास को समझौते के लिए देंगे चेतावनी: स्टीव विटकॉफ

वाशिंगटन,04 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिका और इजराइल ने संकेत दिया है कि वह युद्ध समाप्त करने के लिए हमास पर व्यापक समझौते के लिए कड़ी चेतावनी देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोलाल्ड जे. ट्रंप प्रशासन के मध्य पूर्व दूत स्टीव विटकॉफ ने सप्ताहांत बंधकों के परिवारों के साथ बैठक में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अगर आतंकी सूमह हमास इसके लिए तैयार नहीं होता तो इजराल उसके खिलाफ सैन्य अभियान को और तेज करेगा।

खबर के अनुसार, ट्रंप प्रशासन के मध्य पूर्व दूत स्टीव विटकॉफ की बंधकों के परिवारों के साथ बैठक की ऑडियो रिकॉर्डिंग में साफ संकेत मिल रहे हैं कि इस बार अमेरिका और इजराइल आर या पार की दिशा में आगे बढ़ते दिख रहे हैं। गाजा में संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई के समझौते पर महीनों से चल रही बातचीत में आए गतिरोध के बीच अमेरिकी और इजराइली अधिकारियों ने संकेत दिया है कि वह युद्ध समाप्त करने के लिए व्यापक समझौते पर कठोर रुख अपनाएंगे।

स्टीव विटकॉफ ने कहा,हमारा मानना है कि हर कोई (बंधक) घर लौटेगा। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और राष्ट्रपति ट्रंप एक ऐसे समझौते पर काम कर रहे हैं जो हमास को चेतावनी देगा कि वह शेष बंधकों को रिहा करे और उन शर्तों पर सहमत हों जो समूह को निरस्त्र करेंगी, अन्यथा इजराइल का सैन्य अभियान और तेजी के साथ शुरू होगा।

द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, हमास के अधिकारी महमूद मर्दवी ने कहा कि समूह को अभी तक किसी व्यापक समझौते का प्रस्ताव नहीं मिला है। हमास सैद्धांतिक रूप से समझौते का समर्थन करेगा, लेकिन वह निरस्त्रीकरण को कभी स्वीकार नहीं करेगा। अमेरिका और इजराइल की यह रणनीति ऐसे समय सामने आई है जब इजराइली सरकार गाजा में भुखमरी को लेकर वैश्विक आलोचना का सामना कर रही है और वहां अभी भी बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए घरेलू दबाव बढ़ रहा है।

हमास ने शुक्रवार को एक वीडियो जारी किया है। इसमें एव्यातार डेविड नजर आ रहे हैं। यह उन 20 बंधकों में से एक हैं, जिनके बारे में इजराइल का मानना है कि वे अभी भी जीवित हैं। डेविड को एक भूमिगत सुरंग जैसी जगह पर गंभीर अवस्था में दिखाया गया है।

कैपीटोलाइन संग्रहालय

इटली में लोग सैर सपाटे के लिए कैपीटोलाइन संग्रहालय पहुंचे।

बलूचिस्तान में नाबालिग छात्र के खिलाफ आतंकवाद का मामला, सीटीडी की तीखी आलोचना, अदालत ने जमानत दी

इस्लामाबाद,04 अगस्त (एजेंसियां)।

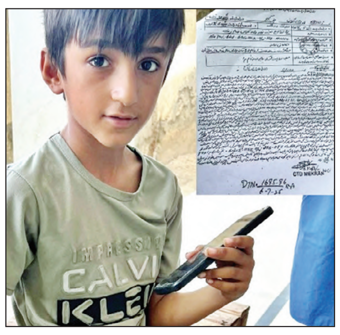

पाकिस्तान से आजादी की मांग कर रहे प्रांत बलूचिस्तान में सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करने पर एक नाबालिग छात्र को आतंकवाद के केस का सामना करना पड़ रहा है। यह मामला प्रांत के केच जिले के तुर्बत इलाके का है। फिलहाल तुर्बत की आतंकवाद-रोधी अदालत ने शनिवार को इस नाबालिग छात्र को जमानत दे दी।

इस घटनाचक्र पर खबर प्रसारित की है। इस खबर के अनुसार, आतंकवाद-रोधी विभाग (सीटीडी) मकरान ने एक मानवाधिकार कार्यकर्ता का भाषण सोशल मीडिया पर कथित तौर पर शेयर करने के आरोप में इस नाबालिग छात्र के खिलाफ आतंकवाद का मामला दर्ज किया था। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, सीटीडी ने तुर्बत के अबसार इलाके के निवासी सोहैब खालिद के खिलाफ मामला दर्ज किया था। उसने कथित तौर पर नागरिक समाज के सदस्य गुलजार दोस्त के एक भाषण का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिक टॉक पर शेयर किया था। उल्लेखनीय है कि गुलजार दोस्त पाकिस्तान के आतंकवाद-रोधी अधिनियम की चौथी अनुसूची के तहत सूचीबद्ध है। नाबालिग छात्र सोहैब खालिद के वकील जदैन दश्ती ने कहा कि इस हफ्ते की शुरुआत में सीटीडी के प्राथमिकी दर्ज करने के बाद लड़के के पिता को अपने बेटे को अदालत में पेश करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

दश्ती ने तर्क दिया कि आरोप निराधार और असंगत थे। उन्होंने कहा कि सोहैब को शेयर किए गए वीडियो के कानूनी निहितार्थों की कोई जानकारी नहीं थी। इस घटना की मानवाधिकार संगठनों ने कड़ी आलोचना की है। उनका कहना है कि किसी नाबालिग पर आतंकवाद के आरोप में मुकदमा चलाना बाल अधिकारों और उचित प्रक्रिया का घोर उल्लंघन है।

पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने कहा कि वह उन रिपोर्टों से स्तब्ध है जिनमें एक नाबालिग को सोशल मीडिया पर एक मानवाधिकार कार्यकर्ता का भाषण कथित तौर पर साझा करने के आरोप में तुर्बत की एक आतंकवाद-रोधी अदालत में आतंकवाद के आरोप में पेश किया गया। एचआरसीपी ने कहा कि इस तरह से आतंकवाद-रोधी कानूनों का दुरुपयोग बाल अधिकारों और उचित प्रक्रिया का घोर उल्लंघन दर्शाता है। आयोग ने आरोपों को तुरंत वापस लेने, प्राथमिकी की गहन समीक्षा करने और इस खतरनाक प्रवृत्ति के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की है।

बलूचिस्तान के क्वेटा से युवक को घर से जबरन उठा ले गए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अधिकारी

इस्लामाबाद,04 अगस्त (एजेंसियां)।

बलूचिस्तान प्रांत में संघीय सरकार कानून प्रवर्तन एजेंसियों के माध्यम से लोगों को जबरन घरों से उठवा रही है। हाल के दिनों में पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने विभिन्न जिलों से कम से कम आठ लोगों को कथित तौर पर हिरासत में लिया है। ताजा घटना में दीन मोहम्मद शाहवानी के युवा बेटे मोहसिन शाहवानी को कथित तौर पर क्वेटा के किल्ली कंबरानी स्थित उसके घर से हिरासत में लिया गया है।

सूत्रों के हवाले से मोहसिन शाहवानी को घर से जबरिया उठाकर ले जाने की खबर प्रसारित की है। शाहवानी को देररात छापा मारकर हिरासत में लिया गया। इसके बाद उसे अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। यह घटना इमाम बंगुलजई के बेटे शेरबाज बंगुलजई समेत चार अन्य लोगों को कथित तौर पर इसी इलाके से ऐसी ही परिस्थितियों में हिरासत में लिए जाने के कुछ समय बाद हुई है।

इसके अलावा वाशुक जिले के नाग इलाके में

पाकिस्तान के कानून प्रवर्तन बलों ने 31 जुलाई की रात लगभग दो बजे मीर हाजी हासिल खान सासोली के घर पर कथित तौर पर छापा मारा। इस दौरान उनके बेटे अब्दुल करीम को कथित तौर पर हिरासत में लिया गया। तब से अब्दुल का कोई पता नहीं है। परिवार के सदस्यों का आरोप है कि छापे के दौरान उन पर हमला किया गया और घर की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया।

इससे पहले केच जिले के होथाबाद निवासी जाफर पुत्र एजाज को 30 जुलाई को खैराबाद इलाके से कथित तौर पर हिरासत में लिया गया था। उसका भी कोई पता नहीं है। यह घटनाएं वॉयस फॉर बलूच मिसिंग पर्सन्स (वीबीएमपी) के लगातार विरोध प्रदर्शनों के साथ सामने आई हैं। वीबीएमपी का क्वेटा प्रेस क्लब के बाहर प्रदर्शन 5,899वें दिन में प्रवेश कर गया है। वीबीएमपी के अध्यक्ष नसरुल्लाह बलूच ने हाल ही में विश्वविद्यालय की छात्रा महजबीन बलूच के लापता होने का मामला उठाया है। महजबीन को कथित तौर पर राज्य के अधिकारियों ने क्वेटा के सिविल अस्पताल से हिरासत में ले लिया था। वीबीएमपी के अनुसार महजबीन 65 दिन से लापता है।

बलूच राजी आजोई संगर ने पाकिस्तान सेना के मुख्य शिविर पर हमले की जिम्मेदारी ली, 22 सैनिकों को मारने का दावा किया

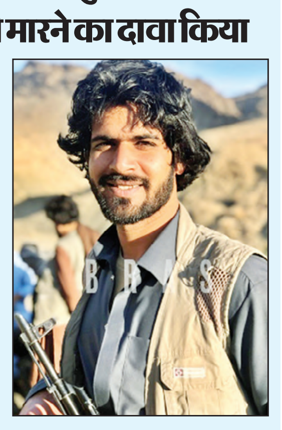

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में स्वतंत्रता समर्थक सशस्त्र समूहों के प्रमुख गठबंधन बलूच राजी आजोई संगर (बीआरएएस) ने रविवार को पंजगुर के मतिन गोरान इलाके में पाकिस्तान सेना के मुख्य शिविर पर हमले की जिम्मेदारी ली। बीआरएएस ने दावा किया कि पाकिस्तान सेना के मुख्य शिविर में उसके हमले में कम से कम 22 सैन्यकर्मी मारे गए और कैप्टन ओसामा सहित 14 से अधिक घायल हो गए। खबर के अनुसार, बीआरएएस के प्रवक्ता बलूच खान ने बयान में कहा कि शुक्रवार शाम लगभग 6 बजे लड़ाकों ने गोरान में 91 विंग के केंद्रीय शिविर और उससे सटी चौकियों पर तीन तरफ से हमला किया। पाकिस्तान की सेना से लड़ाकों का यहां संघर्ष दो घंटे तक चला। इस दौरान बीआरएएस के लड़ाकों ने दो प्रमुख चौकियों और शिविर के एक बड़े हिस्से पर नियंत्रण हासिल कर लिया। इस हमले में पाकिस्तान सेना को भारी नुकसान हुआ। लड़ाकों ने हथियार, गोला-बारूद और कलाश्निकोव, जी 3 राइफलें, मशीन गन, नाइट विजन डिवाइस और थर्मल स्कैनर सहित अन्य उपकरण छीन लिए।

ओवल टेस्ट: सिराज और कृष्णा की घातक गेंदबाजी ने पलटा मैच

भारत ने रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को दी शिकस्त, जीत के 5 नायक

मोहम्मद सिराज

पहली पारी- **4 विकेट** | दूसरी पारी- **5 विकेट**

प्रसिद्ध कृष्णा

पहली पारी- **4 विकेट** | दूसरी पारी- **4 विकेट**

ओवल, 04 अगस्त (एजेंसियां)। ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट के आखिरी दिन 27 हजार दर्शकों से खचाखच भरे स्टेडियम में भारत ने इंग्लैंड को रोमांचक अंदाज में हरा दिया। इंग्लैंड को जीत के लिए केवल 35 रनों की जरूरत थी, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत भारत के नाम कर दी। आखिरी दिन मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की बेहतरीन गेंदबाजी ने मैच का रुख पूरी तरह पलट दिया। इस जीत के पांच नायक रहे, जिन्होंने भारत को हारा हुआ मैच जिताया।

मैच के पांच नायक

1. मोहम्मद सिराज: मैन ऑफ द मैच और सीरीज के सफलतम गेंदबाज

आखिरी दिन जब इंग्लैंड को जीत के लिए 35 रन और उसके 4 विकेट बाकी थे, तब कप्तान गिल ने मोहम्मद सिराज को गेंद थमाई। सिराज ने जैमी स्मिथ और जैमी ओवर्टन को लगातार ओवरों में आउट कर इंग्लैंड को दबाव में ला दिया। जब इंग्लैंड को सिर्फ 7 रन चाहिए थे, तब सिराज ने आखिरी उम्मीद गस एटकिंसन को यॉर्कर पर बोल्ड करके भारत को ऐतिहासिक जीत दिला दी। उन्होंने इस टेस्ट में कुल 9 विकेट (पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 5) लिए और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। सिराज इस सीरीज में 23 विकेट के साथ सबसे सफल गेंदबाज रहे।

2. प्रसिद्ध कृष्णा: 8 विकेट लेकर चयन को सही साबित किया

जसप्रीत बुमराह के बाहर होने के बाद टीम में शामिल हुए प्रसिद्ध कृष्णा ने अपने चयन को पूरी तरह सही साबित किया। उन्होंने दोनों पारियों में 4-4 विकेट लेकर इंग्लैंड को मुश्किल में डाला। दूसरी पारी में उन्होंने जो रूट का महत्वपूर्ण विकेट तब लिया, जब वह अकेले दम पर इंग्लैंड को जीत की ओर ले जा रहे थे। इसके अलावा उन्होंने बेन डकेट, जैकब बेथेल और जोश टंग को भी आउट किया।

3. यशस्वी जायसवाल: मुश्किल में लगाई शतकीय पारी

पहली पारी में सिर्फ 2 रन पर आउट होने के बाद, यशस्वी जायसवाल ने दूसरी पारी में 164 गेंदों पर 118 रनों की शानदार शतकीय पारी खेलकर भारत की वापसी कराई। जब भारत 23 रनों से पिछड़ रहा था और ओपनर केएल राहुल जल्दी आउट हो गए थे, तब जायसवाल ने नाइट वॉचमैन आकाश दीप के साथ मिलकर 150 गेंदों पर 107 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की, जिसने भारत को मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया।

4. आकाश दीप: नाइट वॉचमैन बनकर जड़ी अर्धशतकीय पारी

दूसरे दिन जब भारत के दो विकेट गिर चुके थे, तब नाइट वॉचमैन के रूप में बल्लेबाजी करने आए आकाश दीप ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 66 रन बनाकर न सिर्फ भारत को बड़े पतन से बचाया, बल्कि यशस्वी जायसवाल के साथ 107 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी भी की।

5. वॉशिंगटन सुंदर: आखिरी विकेट के लिए खेली तूफानी पारी

जब भारत ने 357 रनों पर 8 विकेट गंवा दिए थे और रवींद्र जडेजा भी पवेलियन लौट गए थे, तब वॉशिंगटन सुंदर ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रसिद्ध कृष्णा के साथ आखिरी विकेट के लिए 25 गेंदों पर 39 रनों की तूफानी साझेदारी की। इस पारी की बदौलत भारत 396 रन बनाकर इंग्लैंड के सामने 374 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखने में कामयाब रहा।

न्यूज ब्रीफ

टोरंटो मास्टर्स: बेन शेल्टन क्वार्टरफाइनल में पहुंचे, डी मिनौर से होगा सामना

टोरंटो। अमेरिका के चौथे वरीय खिलाड़ी बेन शेल्टन ने इटली के 13वें वरीय फ्लावियो कोबोली को

हराकर नेशनल बैंक ओपन (टोरंटो मास्टर्स) के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। रविवार रात खेले गए इस मुकाबले में शेल्टन ने 6-4, 4-6, 7-6 (1) से रोमांचक जीत दर्ज की। 22 वर्षीय शेल्टन तीसरे सेट में 2-4 से पिछड़ रहे थे, लेकिन वहां से शानदार वापसी करते हुए उन्होंने मुकाबला टाईब्रेक तक ले जाकर जीत हासिल की। यह उनकी करियर की 100वीं जीत रही, जिसे उन्होंने 169 मुकाबलों में हासिल किया है। मैच के बाद शेल्टन ने कहा, बहुत मुश्किल मुकाबला था। मैं तीसरे सेट में एक ब्रेक से पीछे था और जिस तरह वह खेल रहा था, उससे मैं काफी दबाव में था। लेकिन मैंने खुद को एक और मौका दिया और उसका फायदा उठाया। अब क्वार्टरफाइनल में शेल्टन का सामना ऑस्ट्रेलिया के नौवें वरीय एलेक्स डी मिनौर से होगा, जिन्होंने अमेरिका के सातवें वरीय फ्रांसेस टियाफो को 6-2, 4-6, 6-4 से हराया। शेल्टन के नाम दो एटीपी टूर खिताब हैं – एक 2023 में टोक्यो के हार्ड कोर्ट पर और एक 2022 में ह्यूस्टन के क्ले कोर्ट पर। उन्होंने कहा, मैं अपने दो सबसे बड़े हथियार सर्व और फोरहैंड से जूझ रहा था, लेकिन आखिरी में मानसिक मजबूती और फाइटिंग स्पिरिट ने काम किया। इस बीच, रूस के छठे वरीय आंद्रेई रूब्लेव को स्पेन के अलेजांद्रो डेविडोविच फोकीना के रिटायर होने से क्वार्टरफाइनल में प्रवेश मिला।

जो रूट ने कुमार संगकारा को पछाड़ा, टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वालों में चौथे स्थान पर पहुंचे

नई दिल्ली। लंदन के ओवल मैदान पर भारत और इंग्लैंड के बीच चल रहे पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच के चौथे

दिन इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट ने अपने टेस्ट करियर का 39वां शतक जड़ा। उन्होंने यह शतक 137 गेंदों में पूरा किया और इसके साथ ही टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में श्रीलंका के महान बल्लेबाज

कायरन विल्सन स्नूकर शंघाई मास्टर्स जीतने के बाद

शंघाई में इंग्लैंड के कायरन विल्सन स्नूकर शंघाई मास्टर्स जीतने के बाद ट्रॉफी उठाये हुए।

डीपीएल 2025 : रन बरसात वाले मुकाबले में न्यू दिल्ली टाइगर्स ने आउटर दिल्ली वॉरियर्स को 40 रन से हराया

नई दिल्ली,04 अगस्त (एजेंसियां)।

अरुण जेटली स्टेडियम में रविवार रात दिल्ली प्रीमियर 2025 लीग (डीपीएल) का एक और हाई-स्कोरिंग मुकाबला देखने को मिला, जिसमें न्यू दिल्ली टाइगर्स और आउटर दिल्ली वॉरियर्स के बीच रोमांचक टक्कर हुई। बल्लेबाज़ों की आतिशी पारी और मैच के उतार-चढ़ाव ने दर्शकों को पूरी तरह रोमांचित कर दिया।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए न्यू दिल्ली टाइगर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओपनर ध्रुव कौशिक केवल 5 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। हालांकि इसके बाद शिवम गुप्ता और कप्तान हिम्मत सिंह ने मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए 164 रनों की शानदार साझेदारी की।

शिवम गुप्ता ने 53 गेंदों में 8 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 89 रन बनाए, जबकि हिम्मत सिंह ने 39 गेंदों में 69 रनों की आक्रामक पारी खेली। बीच में कुछ जल्दी विकेट जरूर गिरे, लेकिन केशव डालाल ने 9 गेंदों में 19 रनों की तेजतर्रार पारी खेलकर स्कोर को मजबूत किया। टाइगर्स ने निर्धारित 20 ओवर में 222/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया।

गेंदबाज़ी में आउटर दिल्ली वॉरियर्स की ओर से अंशुमान हूडा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 51 रन देकर 5 विकेट चटकाए और सभी को प्रभावित किया। जवाब में आउटर दिल्ली वॉरियर्स की शुरुआत तेज़ रही। ओपनर प्रियांश आर्य (26 रन, 15 गेंद) और सनत सांगवान (48 रन, 42 गेंद) ने सिर्फ 5.4 ओवर में 69 रन जोड़कर मजबूत नींव रखी। लेकिन मध्य ओवरों में लगातार विकेट गिरने से टीम दबाव में आ गई। श्रेष्ठ यादव (37* रन, 33 गेंद) ने एक छोर संभाले रखा और ध्रुव सिंह (38* रन, 16 गेंद) ने अंतिम ओवरों में तेजी से रन बनाए, लेकिन लक्ष्य बहुत बड़ा साबित हुआ। आखिर में वॉरियर्स 40 रन से मुकाबला हार गए।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने जीती प्रीमियर लीग समर सीरीज

वाशिंगटन,04 अगस्त (एजेंसियां)।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने रविवार रात एवर्टन के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला और प्रीमियर लीग समर सीरीज 2025 का खिताब अपने नाम किया। इस ड्रॉ के साथ यूनाइटेड ने अमेरिका में हुई राउंड-रॉबिन प्री-सीजन सीरीज में कुल सात अंक लेकर शीर्ष स्थान हासिल किया। इससे पहले टीम वेस्ट हैम को 2-1 और बॉर्नमाउथ को 4-1 से हरा चुकी थी।

मैच में 19वें मिनट में अमद डायलो को बॉक्स में गिराए जाने पर यूनाइटेड को पेनल्टी मिली, जिसे ब्रूनो फर्नांडिस ने गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिला दी। 40वें मिनट में एवर्टन के इलिमन नदियाए ने बराबरी का गोल किया।

दूसरे हाफ में ब्रूनो ने एक और योगदान दिया, जब उन्होंने 69वें मिनट में मेसन माउंट को शानदार पास दिया और माउंट ने पिकफोर्ड को चकमा देकर गोल दागा। हालांकि, 75वें मिनट में अमद डायलो की बैक पास यूनाइटेड के ही आयडन हेवन

से टकराकर गोल में चली गई और मैच 2-2 की बराबरी पर खत्म हुआ।

मैच के बाद स्काई स्पोर्ट्स से बात करते हुए यूनाइटेड के खिलाड़ी ब्रूनो फर्नांडिस ने कहा, स्थिति में सुधार हो रहा है। क्लब अपनी पूरी कोशिश कर रहा है। हमें प्रतिस्पर्धा की जरूरत थी ताकि हर खिलाड़ी अपनी जगह के लिए संघर्ष करे। उन्होंने आगे कहा कि क्लब और मैनेजर लगातार सुधार की दिशा में काम कर रहे हैं और एक-दो नए खिलाड़ियों की उम्मीद अभी बाकी है।

गौरतलब है कि मैनचेस्टर यूनाइटेड का पिछला सीजन बेहद खराब रहा था, जब टीम प्रीमियर लीग में 15वें स्थान पर रही थी — जो 1973-74 में हुए निर्वासन के बाद सबसे खराब प्रदर्शन था। उस सीजन में टीम ने सिर्फ 11 मैच जीते थे और 9 ड्रॉ खेले थे।

फर्नांडिस ने कहा, कई लोगों को इस प्रदर्शन से दु:ख हुआ है। फैंस टिकट के लिए ज़्यादा पैसे खर्च करते हैं और हमें उनकी क़द्र है। अब खिलाड़ियों की जिम्मेदारी है कि वे मैदान पर प्रदर्शन से उसका जवाब दें। उन्होंने क्लब संस्कृति पर भी जोर दिया और कहा, हर छोटी बात मायने रखती है। इस क्लब की संस्कृति जीतने की रही है और हमें उसे वापस लाना होगा।

वेस्ट हैम को दीयूफ से नई उम्मीद, बोर्नमाउथ पर 2-0 की जीत समर सीरीज के एक अन्य मुकाबले में वेस्ट हैम ने बोर्नमाउथ को 2-0 से हराया। टीम के लिए निक्लास फुलक्रग और जारोड बोएन ने गोल किए। दोनों ही गोल सेनेगल के लेफ्ट-बैक एल हाजी मलिक दीयूफ की शानदार सेट-अप पास से आए, जो 15 जुलाई को ही टीम से जुड़े हैं।

बोएन ने दीयूफ की तारीफ करते हुए कहा, दोनों गोल उनकी क्वालिटी के कारण संभव हुए। वह केवल कुछ हफ्तों से टीम में हैं, लेकिन लगता है जैसे सालों से खेल रहे हों।

मैच के 24वें मिनट में फुलक्रग ने पहला गोल किया, जबकि 67वें मिनट में बोएन ने स्कोर दोगुना किया। बोर्नमाउथ ने शुरुआती 15 मिनट में कई मौके बनाए लेकिन गोलपोस्ट से टकरा कर चूक गए। बोएन ने अंत में कहा, शुरुआत उम्मीद के मुताबिक नहीं रही, लेकिन टीम का जज़्बा शानदार रहा।

एयर इंडिया की फ्लाइट में कॉकरोच देखे जाने की शिकायत पर एयरलाइन ने दी सफाई

नई दिल्ली,04 अगस्त (एजेंसियां) ।

टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया एयरलाइन की फ्लाइट में सैन फ्रांसिस्को-मुंबई उड़ान के दौरान कॉकरोच देखे जाने के बाद विमान की आपातकालीन गहन सफाई की गई। इसके बाद एयरलाइन को माफी मांगने के साथ तुरंत सुधारात्मक कदम उठाने पड़े।इस उड़ान संख्या एआई 180 में सवार उन दो यात्रियों को उसी केबिन की दूसरी सीटों पर स्थानांतरित कर दिया गया, जिन्होंने कुछ छोटे कॉकरोच होने की शिकायत की थी। एयर इंडिया ने सोमवार को एक बयान में बताया कि सैन फ्रांसिस्को से कोलकाता होते हुए मुंबई जाने वाली उड़ान संख्या एआई180 में दो यात्री विमान में कुछ छोटे-छोटे कॉकरोच देखकर परेशान हो गए। इसलिए हमारे केबिन क्रू ने दोनों यात्रियों को उसी केबिन की दूसरी सीटों पर बिठा दिया, जहां वे आराम से बैठ गए। बयान में कहा गया कि कोलकाता में ईंधन भरने के दौरान ग्राउंड क्रू ने समस्या के समाधान के लिए तुरंत गहन सफाई की। एयरलाइन का कहना है कि नियमित फ्यूमिगेशन के बावजूद कभी-कभी ग्राउंड ऑपरेशन के दौरान कीड़े विमान में घुस जाते हैं। एयर इंडिया ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है। कंपनी ने कहा कि वह स्रोत और कारण का पता लगाकर भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचाव के लिए जरूरी कदम उठाएगी। एयरलाइन ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया है। एयर इंडिया के विमान में आए दिनों कोई न कोई समस्या सुनने को मिल रही है। इससे पहले रविवार को भी एक विमान में तकनीकी समस्या से संबंधित दो मामले सामने आए थे। पहली घटना कोलकाता जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान तकनीकी खराबी के बाद बेंगलुरु लौट गई। 'फ्लाइट ट्रैकिंग' वेबसाइट फ्लाइटरडार 24.कॉम पर दी गई जानकारी के अनुसार एयरबस ए320 विमान द्वारा संचालित उड़ान आईएक्स 2718 करीब दो घंटे से अधिक समय तक हवा में रही और इसके बाद वापस लौट गई। इसके अलावा उसी दिन एयर इंडिया की एक और फ्लाइट सिंगापुर से चेन्नई जाने वाली एआई 349 विमान को मेंटेनेंस कारणों से रद्द करना पड़ा।

न्यूज ब्रीफ

अडानी समूह ने बीवाईडी और बीजिंग वेलियन के साथ गठजोड़ से किया इंकार

नई दिल्ली। अडानी समूह ने सोमवार को ब्लूमबर्ग की प्रकाशित उस रिपोर्ट को भ्रामक बताया है, जिसमें यह दावा किया गया था कि समूह भारत में बैटरी निर्माण को बढ़ावा देने की रणनीतिक साझेदारी के लिए चीन की कंपनियों के साथ बातचीत कर रहा है। समूह ने बीवाईडी और वेलियन से साझेदारी की ब्लूमबर्ग रिपोर्ट को बताया भ्रामक अडाणी समूह के प्रवक्ता ने बताया कि ब्लूमबर्ग की 4 अगस्त को प्रकाशित रिपोर्ट में समूह और चीनी कंपनियों बीवाईडी और बीजिंग वेलियन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी के बीच साझेदारी को लेकर दावा किया गया है। बयान के मुताबिक ये रिपोर्ट पूरी तरह से बेबुनियाद, भ्रामक और तथ्यों से परे है। अडाणी समूह भारत में बैटरी निर्माण के लिए बीवाईडी के साथ किसी भी प्रकार की साझेदारी की संभावनाएं नहीं तलाश रहा है। इसी तरह बीजिंग वेलियन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी के साथ भी हमारा कोई संवाद या साझेदारी की योजना नहीं है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया था कि अडानी समूह भारत में बैटरी बनाने और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अपने प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए चीनी इलेक्ट्रिक वाहन दिग्गज बीवाईडी कंपनी के साथ गठजोड़ की संभावना तलाश रहा है।

मॉयल का जुलाई में मैंगनीज अयस्क उत्पादन रिकॉर्ड 1.45 लाख टन रहा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी मॉयल ने वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई में रिकॉर्ड 1.45 लाख टन मैंगनीज अयस्क का उत्पादन किया है। ये अबतक का सर्वाधिक उत्पादन है और पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि (सीपीएलवाई) के मुकाबले 12 फीसदी का इजाफा है। इस्पात मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में बताया कि कहा कि सक्रिय मानसून के बाद भी मॉयल ने अप्रैल-जुलाई 2025 के दौरान मजबूत परिचालन का प्रदर्शन किया, जिससे उत्पादन सालाना आधार पर 7.8 फीसदी बढ़कर 6.47 लाख टन और बिक्री सालाना आधार पर 10.7 फीसदी बढ़कर 5.01 लाख टन हो गया है। इसके साथ ही अन्वेषणात्मक ड्रिलिंग भी पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि से 11.4 फीसदी बढ़कर 43,215 मीटर हो गई है। मॉयल के सीएमडी अजीत कुमार सक्सेना ने कहा कि मॉयल ने जुलाई में रिकॉर्ड मैंगनीज का उत्पादन ऐसे समय पर हासिल किया है, जब मानसून के कारण खनन करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। सक्सेना ने कंपनी के इस बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मॉयल टीम को बधाई दी और चुनौतीपूर्ण मौसम के बावजूद उत्पादन और बिक्री बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासों की सराहना की।

वीआई दे रहा जियो से 50 रुपए सस्ता प्लान, 30जीबी एक्सट्रा डेटा भी

नई दिल्ली। जियो के प्लान दूसरी कंपनियों से बेनिफिट के मामले में बेहतर हैं, लेकिन कुछ मामलों में दूसरी कंपनियां अपने प्लान्स से जियो को टक्कर दे रही हैं। वोडाफोन-आइडिया (वीआई) का 1749 रुपए वाला प्लान इन्हीं में से एक है। वैलिडिटी के मामले में यह जियो के 1799 रुपए वाले प्लान से आगे है। जियो से 50 रुपए सस्ते प्लान में वोडाफोन-आइडिया अपने यूजर्स को 30जीबी एक्सट्रा डेटा दे रहा है। जियो इसमें यूजर्स को नेटफ्लिक्स का ऐक्सेस मिलेगा, जो वोडाफोन-आइडिया में नहीं मिलता। जियो का यह प्लान 84 दिन की वैलिडिटी के साथ आता है। इस प्लान में आपको रोज 3जीबी डेटा मिलेगा। एलिजिबल यूजर्स को कंपनी अनलिमिटेड 5जी डेटा भी दे रही है। प्लान डेली 100 फ्री एसएमएस और देशभर में सभी नेटवर्क के लिए अनलिमिटेड कॉलिंग देता है। जियो यूजर्स को इस प्लान के साथ नेटफ्लिक्स बेसिक का फ्री ऐक्सेस मिलेगा। साथ ही जियो हॉटस्टार और जियो टीवी भी ऑफर करता है। प्लान में कंपनी जियो एआई क्लाउड पर 50जीबी स्टोरेज भी दे रही है। वोडाफोन-आइडिया का यह प्लान 180 दिन की वैलिडिटी के साथ है। इसमें कंपनी हर दिन 1.5जीबी डेटा देती है। प्लान में बिना किसी अडिशनल चार्ज 45 दिन के लिए 30जीबी एक्ट्रा डेटा भी दिया जा रहा है। कंपनी के 5जी नेटवर्क कवरेज वाले एरिया में रहने वाले यूजर्स को अनलिमिटेड 5जी डेटा भी मिलेगा। यह प्लान रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक अनलिमिटेड डेटा भी ऑफर करता है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली,04 अगस्त (एजेंसियां) ।

ग्लोबल मार्केट से कमजोर संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिका की तरह ही यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान जमकर बिकवाली होती रही। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 101.38 अंक यानी 1.60 प्रतिशत टूट कर 6,238.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ।इसी तरह नैस्डेक ने 472.32 अंक यानी 2.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 20,650.13 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 162.69 अंक यानी 0.37 प्रतिशत की मजबूती के साथ 43,751.27 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.71 प्रतिशत टूट कर 9,068.58 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 225.81 यानी 2.99 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 7,546.16 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 639.50 अंक यानी 2.73 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,425.97 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं।

निक्केई इंडेक्स 515.60 अंक यानी 1.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 40,284 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 126.40 अंक यानी 0.54 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,307.98 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.18 प्रतिशत फिसल कर 7,524.06 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 124 अंक यानी 0.50 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,723 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.65 प्रतिशत उछलकर 4,181 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स में अच्छी तेजी नजर आ रही है। फिलहाल ये सूचकांक 1.02 प्रतिशत उछलकर 3,151.18 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.52 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,224.65 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,574 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,567.02 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

अमेरिका में बिकने वाले ज्यादातर आईफोन भारत में हुए निर्मित

नई दिल्ली। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने कहा कि पिछली तिमाही (क्यू2) में अमेरिका में बिकने वाले ज्यादातर आईफोन भारत में निर्मित हुए हैं। यह बयान ट्रंप द्वारा भारत में एप्पल की मैन्युफैक्चरिंग नीति की आलोचना के बावजूद आया है। कुक ने विश्लेषकों से कहा कि पिछली तिमाही की तरह इस बार भी अमेरिका में बिकने वाले अधिकतर आईफोन भारत में बने हैं। उन्होंने यह भी साफ किया कि एल्पल ने अपनी मैन्युफैक्चरिंग रणनीति में बड़ा बदलाव किया है। भारत अब अमेरिकी बाजार के लिए आईफोन निर्माण का प्रमुख केंद्र बन गया है, जबकि चीन गैर-अमेरिकी बाजारों पर फोकस कर रहा है। एप्पल के सीईओ टिम कुक अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को दिया करारा जवाब एल्पल अब वियतनाम में मेकबुक, आईपेड और एल्पल वॉचेस जैसे उत्पादों की मैन्युफैक्चरिंग कर रहा है, जिससे अमेरिकी बाजार की मांग पूरी की जा सके। यह बदलाव एल्पल की चीन प्लस वन रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य चीन पर निर्भरता कम करना है। बता दें ट्रंप ने इस साल मई में टिम कुक से मुलाकात के दौरान भारत में एल्पल की मैन्युफैक्चरिंग पर असहमति जताई थी। हाल ही में उन्होंने भारत से आयातित वस्तुओं पर 25फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की, हालांकि फिलहाल स्मार्टफोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज़ इससे छूट में हैं लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में इन उत्पादों पर भी टैरिफ लागू हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कुक ने कहा कि भारत एल्पल के लिए सिर्फ एक मैन्युफैक्चरिंग हब नहीं, बल्कि एक उभरता हुआ बाजार बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत, मध्य पूर्व, दक्षिण एशिया और ब्राजील जैसे बाजारों में आईफोन की बिक्री में डबल-डिजिट ग्रोथ देखी गई है। जून तिमाही में भारत समेत 24 से ज्यादा देशों में कंपनी ने रिकॉर्ड रेवेन्यू दर्ज किया। कुक ने बताया कि जून तिमाही में टैरिफ से जुड़े खर्च करीब 800 मिलियन डॉलर तक पहुंच गए। यदि वैश्विक टैरिफ नीति में कोई बदलाव नहीं होता, तो सितंबर तिमाही में यह असर 1.1 अरब डॉलर तक हो सकता है।

अनिल अंबानी पर ईडी का दोहरा वार, दर्जन भर बैंकों को भी भेजे पत्र से बढ़ीं मुश्किलें

मुंबई,04 अगस्त (एजेंसियां) ।

मंगलवार को ईडी के समक्ष होना है पेश

देश के सबसे चर्चित उद्योगपतियों में शुमार अनिल अंबानी इस बार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निशाने पर हैं। जांच एजेंसी ने उन्हें 5 अगस्त को पूछताछ के लिए समन जारी किया है, साथ ही उन 12 से 13 बैंकों को भी पत्र भेजे हैं जिन्होंने उनकी कंपनियों को ऋण दिए थे।इस तरह से अब ये जांच मनी लॉन्ड्रिंग और बैंक फ्रॉड के नए दायरे में प्रवेश कर गई है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार, उद्रयोगपती अनिल अंबानी मामले में ईडी ने भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई, एचडीएफसी, यूको बैंक और पंजाब एंड सिंध बैंक सहित प्रमुख सार्वजनिक व निजी बैंकों को पत्र लिखकर उनसे रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस, रिलायंस कम्युनिकेशंस और रिलायंस कॉमर्शियल फाइनेंस को दिए गए लोन की विवरणात्मक जानकारी मांगी है। ईडी के अधिकारियों का कहना है कि ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया, चूक की समय-सीमा और वसूली की स्थिति जैसे बिंदुओं पर फोकस किया जा रहा है। संभव है कि बैंक अधिकारियों को भी पूछताछ के लिए तलब किया जाए, जिनकी निगरानी में ये लोन स्वीकृत हुए थे और जो बाद में एनपीए में तब्दील हो गए। 3,000 करोड़ की लोन हेराफेरी की जांच ईडी की यह जांच साल 2017 से 2019 के बीच के उस कथित मामले से जुड़ी है, जिसमें यस बैंक द्वारा अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस समूह की कंपनियों को दिए गए करीब 3,000 करोड़ रुपये के लोन की गंभीर अनियमितताएं सामने आई थीं। रिपोर्ट के अनुसार, इन ऋणों के जारी होने से ठीक पहले कुछ प्रवर्तकों को फंड ट्रांसफर भी किए गए थे, जिससे यह संदेह गहराया कि यह प्रणालिबद्ध लेन-देन योजना हो सकती है। पिछले हफ्ते हुई पहली गिरफ्तारी बीते शुक्रवार को ईडी ने इस मामले में पहली गिरफ्तारी भी की। बिस्वाल ट्रेडलिंक प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक पार्थ सारथी बिस्वाल को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत 68.2 करोड़ रुपये की फर्जी गारंटी के मामले में गिरफ्तार किया गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कश्मीर में मिले...

ललितादित्य की शासन प्रणाली भी एक सुचारु प्रशासनिक ढांचे पर आधारित थी और उन्होंने अपने साम्राज्य को अनेक प्रांतों में विभाजित करके शासन किया। चीन के प्रसिद्ध यात्री ह्वेन त्सांग भी इस काल में कश्मीर आए थे और उन्होंने कश्मीर को अत्यंत समृद्ध और सांस्कृतिक दृष्टि से उन्नत प्रदेश बताया था। सालिया क्षेत्र से मिली ये मूर्तियां केवल पत्थर की वस्तुएं नहीं हैं, बल्कि एक पूरे सभ्यता और संस्कृति की प्रतीक हैं। ये मूर्तियां करकोटा कालीन स्थापत्य और धार्मिक विश्वासों की झलक देती हैं। जब वैज्ञानिक परीक्षण पूरे होंगे, तो इनसे जुड़ा कालखंड और स्पष्ट रूप से सामने आ सकेगा। यह कश्मीर के इतिहास के उस दौर की पुष्टि करेगा, जिसे अब तक केवल ग्रंथों या मौखिक परंपराओं के माध्यम से जाना गया था। इस खोज का एक और बड़ा पहलू यह है कि यह स्थानीय लोगों के धार्मिक और सांस्कृतिक जुड़ाव को फिर से सशक्त कर सकता है।

यह जगह कभी एक तीर्थस्थान रहा होगी, इसकी पुष्टि खुद वहां मिले अवशेष कर रहे हैं। ऐसे में, एक मंदिर का पुनर्निर्माण कर इन मूर्तियों को वहीं स्थापित किया जाना न केवल ऐतिहासिक न्याय होगा, बल्कि धार्मिक और सामाजिक सौहार्द के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण कदम होगा। यह भी उम्मीद की जा रही है कि यदि सरकार और पुरातत्व विभाग इस स्थल को संरक्षित करने की दिशा में कार्य करते हैं, तो यह स्थान आने वाले समय में एक प्रमुख पर्यटन स्थल और शोध केंद्र बन सकता है। इससे न केवल स्थानीय रोजगार में वृद्धि होगी, बल्कि कश्मीर की ऐतिहासिक विरासत का भी प्रचार-प्रसार होगा।

देश में समान...

संविधान सिर्फ दस्तावेज नहीं, बल्कि नागरिक के जीवन में बदलाव लाने वाली जीवंत ताकत है।जस्टिस चंद्रचूड़ एक देश, एक चुनाव का भी समर्थन कर चुके हैं। उन्होंने इस पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति के सामने 11 जुलाई को कहा था कि लोकसभा और विधानसभाओं का चुनाव एक साथ कराना संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन नहीं है। हालांकि, उन्होंने प्रस्तावित बिल में चुनाव आयोग को दी जाने वाली शक्तियों पर चिंता भी जताई थी। उन्होंने कहा था कि इससे चुनाव आयोग को विधानसभाओं का कार्यकाल बढ़ाने या घटाने की शक्ति मिल सकती है। उन परिस्थितियों को परिभाषित किया जाना चाहिए जिनमें चुनाव आयोग इस शक्ति का इस्तेमाल कर सकता है। चंद्रचूड़ ने चंद्रचूड़ ने एक देश-एक चुनाव पर बनी संसदीय समिति को अपनी लिखित राय सौंपी थी। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 17 दिसंबर 2024 को लोकसभा में एक देश-एक चुनाव संविधान संशोधन बिल पेश किया था।

आप सच्चे...

जब सीमा पार कोई विवाद होता है, तो क्या आप यह सब कह सकते हैं जो नैतिक रूप से उचित न हो? आप संसद में सवाल क्यों नहीं पूछते? सुप्रीम कोर्ट ने इस हिदायत के साथ राहुल गांधी को राहत देते हुए ट्रायल कोर्ट में उनके खिलाफ चल रहे मामले पर स्टे लगा दिया है।

पांच साल ...

वित्त वर्ष 2022 और वित्त वर्ष 2021 में जीएसटी चोरी क्रमशः 73,238 करोड़ रुपए और 49,384 करोड़ रुपए रही। इसमें क्रमशः 28,022 करोड़ रुपए और 31,233 करोड़ रुपए की आईटीसी धोखाधड़ी शामिल है। पिछले पांच वर्षों (2020-21 से 2024-25) में, सीजीएसटी के क्षेत्रीय अधिकारियों द्वारा 91,370 मामलों में लगभग 7.08 लाख करोड़ रुपए की कुल जीएसटी चोरी पकड़ी गई। इस अवधि के दौरान स्वैच्छिक जमा के माध्यम से वसूले गए कर 1.29 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहे। कर चोरी के आंकड़ों में वित्त वर्ष 2021 से वित्त वर्ष 2025 के बीच 44,938 मामलों में लगभग 1.79 लाख करोड़ रुपए की आईटीसी धोखाधड़ी शामिल है। चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार और जीएसटीएन कर चोरी को रोकने के लिए विभिन्न कदम उठा रहे हैं, जैसे ई-इन्वॉयसिंग के माध्यम से डिजिटलीकरण, जीएसटी एनालिटिक्स, सिस्टम-फ्लैग्ड मिसमैच के आधार पर आउटलायर्स को उजागर करना, कार्रवाई योग्य खुफिया जानकारी प्रदान करना और जांच के लिए रिटर्न का चयन करना और विभिन्न जोखिम मापदंडों के आधार पर ऑडिट के लिए करदाताओं का चयन करना। चौधरी ने संसद में कहा, ये उपाय राजस्व की सुरक्षा और कर चोरी करने वालों को पकड़ने में सहायक हैं। संशोधित अनुमान (आरई) की तुलना में वास्तविक शुद्ध केंद्रीय जीएसटी संग्रह पर एक सवाल के जवाब में, चौधरी ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में शुद्ध सीजीएसटी संग्रह संशोधित अनुमान का 96.7 प्रतिशत था। सरकार ने बताया कि शुद्ध सीजीएसटी में सीजीएसटी, एकीकृत जीएसटी और क्षतिपूर्ति उपकर शामिल हैं। वित्त वर्ष 2025 में वास्तविक संग्रह 10.26 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा, जबकि संशोधित अनुमान लगभग 10.62 लाख करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2024 में शुद्ध सीजीएसटी संग्रह 9.57 लाख करोड़ रुपए से अधिक था, जो संशोधित अनुमान 9.56 लाख करोड़ रुपए का 100.1 प्रतिशत था।

ग्रामीणों ने ...

योजना बना रहे हैं। ये पीओके में आई नई सोच और जागरूकता को दर्शाता है।

हबीब ताहिर पाकिस्तान का आतंकी था। लश्कर ए तैयबा में शामिल होने से पहले वह पाकिस्तानी फौज में था। वह पाकिस्तानी छात्र संगठन इस्लामी जमीयत तलाबा का सदस्य भी रहा है। उसके स्टूडेंट लिबरेशन फ्रंट से भी कनेक्शन थे। भारत सरकार ने उसे मोस्ट वॉटेड आतंकी घोषित किया था। पहलगाम हमले में उसने अहम भूमिका निभाई थी। इस हमले में 26 पर्यटक मारे गए थे। इसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया और पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को नष्ट किया। ऑपरेशन सिंदूर के साथ-साथ देश में छुपे आतंकियों का सफाया करने के लिए ऑपरेशन महादेव शुरू किया गया।

स्थानीय लोगों और घटना के चश्मदीदों के मुताबिक, पीओके के कुइयां गांव में हबीब ताहिर के जनाजे की रस्म के बीच आतंकी रिजवान हनीफ अपने हथियारबंद गुर्गों के साथ पहुंच गया। स्थानीय लोगों ने उसका विरोध किया। विरोध होता देख रिजवान हनीफ और उसके गुर्गों ने राइफलें तान लीं। इस पर स्थानीय लोगों का गुस्सा और भड़क गया, उन लोगों ने आतंकियों को वहां से खदेड़ भगाया। तमाम स्थानीय लोगों ने लश्कर के आतंकियों को शोक सभा छोड़ कर भागते हुए देखा। हबीब ताहिर के जनाजे की खुलेआम रस्म अदायगी से आतंक को पनाह देने वाले पाकिस्तान का चेहरा एक बार फिर बेनकाब हुआ। स्थानीय लोगों ने बताया कि लश्करे तैयबा (एलईटी) का कमांडर रिजवान हानिफ अपने भतीजे और गुर्गों के साथ ताहिर के जनाजे में पहुंचा था। उसके और उसके गुर्गों के हाथ में खुली बंदूकें देख कर लोगों ने विरोध किया। इस पर उसने कुछ लोगों के ऊपर राइफलें तान दीं। इस पर लोगों का गुस्सा भड़क गया। फिर बात हाथापाई से लेकर हथियार छीनने तक पहुंच गई। आतंकियों वहां से भागना ही बेहतर समझा। लोगों ने आतंकियों को खदेड़ कर शोक सभास्थल से दूर भगा दिया। पहलगाम हमले में शामिल आतंकी लश्करे तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के सदस्य थे। टीआरएफ ने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली थी।22 अप्रैल 2025 को हुए पहलगाम आतंकी हमले में तीन मुख्य आतंकियों ने एक नेपाली नागरिक समेत 26 हिंदुओं को उनका धर्म पूछ कर मौत के घाट उतार दिया था। पहलगाम हमले में पाकिस्तानी आतंकियों के शामिल रहने की पुष्टि होने के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर चला कर पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकाने और कई सैन्य ठिकाने ध्वस्त कर दिए। जिन आतंकी ठिकानों को नष्ट किया गया, उनमें पीओके स्थित आतंकी ठिकाने भी शामिल थे। उसमें सैकड़ों आतंकी मारे गए। उसी ऑपरेशन सिंदूर में लश्करे तैयबा का खूंखार आतंकी अब्दुल रौफ, जिसे अमेरिका ने वैश्विक आतंकी घोषित किया था, वह भी मारा गया। ऑपरेशन सिंदूर का खौफ पहले से छाया ही था कि पहलगाम हमले के 3 महीने बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन महादेव चला कर जंगर में छुपे तीनों आतंकियों को ढेर कर दिया। टीआरएफ के आतंकी हबीब ताहिर को पाकिस्तान में लश्करे तैयबा ने ही ट्रेनिंग दी थी। द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली थी। अमेरिका ने भी टीआरएफ को आतंकवादी संगठन घोषित किया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अब पीओके में भी आम जनता आतंकियों के खिलाफ खड़ी होने लगी है। आतंकियों की सार्वजनिक मौजूदगी के खिलाफ सरकारी अमला भी कार्रवाई करता नजर आ रहा है। जम्मू कश्मीर के दाचीगाम में ऑपरेशन महादेव के दौरान मारे गए तीनों आतंकी पाकिस्तानी नागरिक थे और लश्करे तैयबा के सदस्य थे।

दिशोम गुरु शिबू ...

राज्य गठन के बाद शिबू सोरेन तीन बार (2005, 2008 और 2009 में) झारखंड के मुख्यमंत्री बने।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिबू सोरेन के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए कहा, शिबू सोरेन एक जमीनी नेता थे, जिन्होंने जनता के प्रति अटूट समर्पण के साथ सार्वजनिक जीवन में तरक्की की। वे आदिवासी समुदायों, गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने के लिए खास तौर पर प्रतिबद्ध रहे। उनके निधन से दुख हुआ। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और समर्थकों के साथ हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, शिबू सोरेन का निधन सामाजिक न्याय के क्षेत्र में एक बड़ी क्षति है। सोरेन ने आदिवासी पहचान और झारखंड राज्य के गठन के लिए संघर्ष किया। आदिवासी समुदायों के कल्याण के लिए किए गए उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। मैं उनके पुत्र और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, परिवार के अन्य सदस्यों और प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं।शिबू सोरेन के निधन पर शोक व्यक्त करने वालों में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, प्रमोद तिवारी, गौरव गोगोई, राजद नेता लालू यादव, मनोज झा, बीजद सुप्रीमो नवीन पटनायक समेत कई राजनीतिक-सामाजिक हस्तियां शामिल हैं।

सावन पुत्रदा एकादशी का व्रत आज

सावन माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को श्रावण पुत्रदा एकादशी के नाम से जाना जाता है। इसे पवित्रा एकादशी भी कहते हैं। हर साल महिलाएं संतान प्राप्ति और अपने बच्चों की खुशहाली के लिए कई व्रत रखती हैं। इन्हीं में से एक पुत्रदा एकादशी होती है। साल में दो बार पुत्रदा एकादशी का व्रत रखा जाता है। पहला व्रत पौष माह और दूसरा व्रत सावन के महीने में रखा जाता है। सावन माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को श्रावण पुत्रदा एकादशी के नाम से जाना जाता है। इसे पवित्रा एकादशी भी कहते हैं। माना जाता है कि इस दिन निसंतान दंपत्ति व्रत रखकर, श्रीहरि की विधिपूर्वक पूजा करें, तो उन्हें जल्द ही संतान प्राप्ति होती है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि श्रावण पुत्रदा एकदाशी का व्रत दिनांक 5 अगस्त को रखा जाएगा और ये व्रत रक्षाबंधन से चार दिन पहले रखा जाता है। पंचांग के अनुसार सावन शुक्ल पक्ष की शुरुआत 4 अगस्त 2025 को प्रातः 11:41 बजे से हो रही है, जो कि 5 अगस्त दोपहर 1:12 बजे तक जारी रहेगी। ऐसे में मंगलवार 5 अगस्त 2025 को पुत्रदा एकादशी का व्रत रखा जाएगा। इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विशेष पूजा की जाती है। जिन दांप त्तियों को पुत्र नहीं होता है। उसके लिए पुत्रदा एकदाशी बेहद महत्वपूर्ण है। सनातन धर्म में कुल मिलाकर पूरे साल में 24 एकादशी पड़ती है और सभी एकादशी का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, एकादशी के दिन व्रत रखने से व्यक्ति की सभी मनोकामना पूरी हो जाती है और भगवान विष्णु के आशीर्वाद की भी प्राप्ति होती है। अब ऐसे में इन सभी एकादशी में एक पुत्रदा एकादशी भी है। श्रावण मास में पुत्रदा एकदाशी के दिन व्रत रखने से संतान प्राप्ति के आशीर्वाद की प्राप्ति होती है। वहीं साल में दो पुत्रदा एकादशी पड़ती है। पहला पौष में और दूसरा सावन माह में। जिसे श्रावण पुत्रदा एकादशी के नाम से जाना जाता है। इसे पवित्रा एकादशी भी कहते हैं।

सावन की पवित्रा एकादशी को ही पुत्रदा एकादशी कहा जाता है। पुत्रदा एकादशी का अर्थ है कि पुत्र प्राप्ति की मनोकामना पूरी करने वाली एकादशी। नि:संतान लोगों के लिए इस एकादशी का खास महत्व है। इस दिन सच्चे मन से व्रत रखकर श्रीहरि विष्णु की पूजा करने से पुत्र प्राप्ति की कामना पूरी होती है। इसके अलावा, इस एकादशी का व्रत रखने से संतान से जुड़े सारे कष्ट समाप्त हो जाते हैं और उत्तम संतान सुख की प्राप्ति होती है। साथ हीसंतान को आयु और आरोग्यता प्राप्त होती है।

सावन पुत्रदा एकादशी तिथि

सावन पुत्रदा एकादशी का व्रत 5 अगस्त 2025 को रखा जाने वाला है। ये व्रत रक्षाबंधन के चार दिन पहले पड़ रहा है। जो भी दंपत्ति पुत्र प्राप्ति की इच्छा रखते हों, उनके लिए पुत्रदा एकादशी काफी महत्वपूर्ण व्रत है। हिंदू पंचांग के अनुसार सावन माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी 5 अगस्त को है। पंचांग के अनुसार सावन शुक्ल पक्ष एकादशी की शुरुआत 4 अगस्त 2025 को प्रातः 11:41 बजे से हो रही है, जो कि 5 अगस्त दोपहर 1:12 बजे तक जारी रहेगी। ऐसे में मंगलवार 5 अगस्त 2025 को पुत्रदा एकादशी का व्रत रखा जाएगा। इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विशेष पूजा की जाती है।

शुभ योग

पुत्रदा एकादशी के दिन भद्रा काल के साथ-साथ रवि योग का संयोग बन रहा है। रवि योग को अत्यंत शुभ माना जाता है। इस योग में श्री हरि की आराधना करने से स्वास्थ्य लाभ, सुख-समृद्धि और कार्यक्षेत्र में प्रगति के योग बनते हैं। साथ ही पूजा का फल कई गुना बढ़ जाता है।

महत्व

धर्म ग्रंथों के अनुसार पुत्र की इच्छा रखने वाले व्यक्ति को विधि पूर्वक श्रावण माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी का व्रत करना चाहिए। इस व्रत के प्रभाव से लोक में समस्त भौतिक सुख और परलोक में स्वर्ग की प्राप्ति होती है। सावन पुत्रदा एकादशी व्रत करने से व्यक्ति के पाप नष्ट हो जाते हैं, साथ ही ग्रह दोषों से भी मुक्ति मिलती है। सावन पुत्रदा एकादशी पर संतान सुख के लिए निर्जला व्रत कर रात्रि जागरण करें और फिर अगले दिन व्रत का पारण करें।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

पुत्रदा एकादशी पर करें इस मंत्र का जाप
होगी संतान की प्राप्ति

पुत्रदा एकादशी का सनातन धर्म में अपना विशेष महत्व है। पुत्रदा एकादशी जिसे पवित्रा एकादशी भी कहा जाता है, सावन मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाई जाती है। जहां सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित होता है तो एकादशी तिथि के देवता भगवान विष्णु होते हैं।

ऐसे में पुत्रदा एकादशी पर भगवान विष्णु और शिव दोनों की ही कृपा प्राप्ति का सौभाग्य मिलता है। पुत्रदा एकादशी को लेकर मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने, विधि विधान से पूजन करने और उपाय-दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। साथ ही भगवान विष्णु और शिव संतान प्राप्ति का आशीर्वाद देते हैं।

पुत्रदा एकादशी के उपाय

पुत्रदा एकादशी पर अधिक से अधिक बार संतान गोपाल मंत्र का जप करें।

पुत्रदा एकादशी के दिन भगवान विष्णु की लीला कथाओं का पाठ करें।

पुत्रदा एकादशी पर भगवान विष्णु को शंख, तुलसी आदि चढ़ाएं। इसके साथ ही किसी भी काम के लिए निकलते समय माथे पर चंदन का टीका लगाएं।

पुत्रदा एकादशी पर पीपल के पेड़ की जड़ में जल अर्पित करें। इसके साथ ही घी का दीया जलाएं और भगवान विष्णु के मंत्रों का जप करें।

पुत्रदा एकादशी पर 3 या 5 या 7 जरूरतमंद गर्भवती महिलाओं को वस्त्र, अन्न आदि दें और उनका सम्मान करें।

पुत्रदा एकादशी के दिन बरगद के पेड़ के नीचे तिल के तेल का दीया जलाएं। इसके साथ ही विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें।

एकादशी पर करें दान
चमक उठेगा भाग्य, भगवान विष्णु होंगे मेहरबान

सावन मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी के दिन पुत्रदा एकादशी मनाई जाती है। इस दिन पूजा-पाठ करने और व्रत रखने का खास महत्व होता है। इस व्रत को संतान प्राप्ति और उनकी रक्षा के लिए रखा जाता है। माना जाता है कि पुत्रदा एकादशी पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करने के साथ-साथ कुछ विशेष वस्तुओं का दान करना भी बहुत फलदायी होता है। ऐसा करने से जातक को लक्ष्मी नारायण की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है और जीवन के दुखों से भी छुटकारा मिल सकता है। अगर पुत्रदा एकादशी का व्रत रखने के साथ-साथ आप इस दिन दान भी करते हैं, तो इससे पुण्य फल की प्राप्ति होती है और भाग्य भी बदल सकता है।

इस वस्तु के दान से जीवन से दरिद्रता होगी दूर

माना जाता है कि पुत्रदा एकादशी के शुभ अवसर पर अनाज का दान करना बहुत लाभदायक होता है। ऐसा करने से जातक को विशेष फल की प्राप्ति हो सकती है। ऐसे में एकादशी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करने के बाद साफ वस्त्र धारण करें। अब भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा करने के बाद सात प्रकार के अलग-अलग अनाज किसी जरूरतमंद या गरीब व्यक्ति को दान कर दें। ऐसा करने से व्यक्ति के जीवन से दरिद्रता दूर हो सकती है और घर में खुशियों का आगमन होने लगता है। इस छोटे से उपाय से आपको जीवन के दुखों से भी छुटकारा मिल सकता है।

इस वस्तु के दान से चमकेगा आपका भाग्य

पुत्रदा एकादशी पर वस्त्र दान करने का भी खास महत्व होता है। ऐसे में आप इस खास दिन पर किसी जरूरतमंद या गरीब व्यक्ति को पीले, लाल, नारंगी आदि रंगों के वस्त्र का दान कर सकते हैं। ऐसा करने से भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है और

जीवन में आने वाली बाधाओं से मुक्ति मिल सकती है। साथ ही, कार्यों में आने वाली मुश्किलें भी दूर होने लगती हैं और भाग्य भी चमक सकता है। माना जाता है कि पुत्रदा एकादशी पर वस्त्र दान करने से रोगों से भी राहत मिल सकती है और वैवाहिक जीवन में आने वाली समस्याएं धीरे-धीरे कम होने लगती हैं।

इस वस्तु के दान से विष्णुजी होंगे आप पर मेहरबान

मान्यता है कि पुत्रदा एकादशी पर स्वर्ण दान करना सबसे उत्तम होता है। लेकिन आज के समय में सोने के भाव बहुत अधिक बढ़ गए हैं। ऐसे में यदि स्वर्ण दान करना संभव न हो तो आप चांदी या तांबे का दान भी कर सकते हैं। ऐसा करने से कुंडली में गुरु ग्रह मजबूत होता है और जीवन में खुशहाली आने लगती है। अगर आप पुत्रदा एकादशी पर सोना, चांदी या तांबे का दान करते हैं तो इससे जातक पर विष्णुजी मेहरबान होते हैं और कारोबार में आने वाली समस्याओं से भी छुटकारा मिल सकता है। इस उपाय से संतान से जुड़ी परेशानियों से भी आपको राहत मिल सकती है।

घर में सुख-समृद्धि के लिए करें इस वस्तु का दान

पुत्रदा एकादशी पर आप पूजा सामग्री का दान भी कर सकते हैं। पूजा से जुड़ी वस्तुओं को आप मंदिर में दान कर सकते हैं या किसी ऐसे व्यक्ति को दान करें जो पूजा-पाठ करता हो और पूजा सामग्री का पूरा सम्मान करें। इस प्रकार दान करने से जातक को विष्णुजी की कृपा प्राप्त होती है और घर में सुख-समृद्धि आने लगती है। इस एक उपाय जातक के लिए जीवन में सफलता के मार्ग भी खुल सकते हैं और जीवन में शांति बनी रहती है।

संतान प्राप्ति के लिए जरूर पढ़ें पुत्रदा एकादशी की कथा

पुत्रदा एकादशी का व्रत 5 अगस्त को किया जाएगा। सावन के आखिरी मंगलवार को मंगला गौरी व्रत और पुत्रदा एकादशी का संयोग बन रहा है। 5 अगस्त 2025 यानि श्रावण माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को पुत्रदा एकादशी का व्रत किया जाएगा।यह निसंतान दंपत्ति के लिए खास होता है। इस व्रत को व्रत कथा करने सा सुनने के बाद ही पूर्ण माना जाता है। श्रावण पुत्रदा एकादशी व्रत की कथा जरूर सुननी चाहिए, ऐसा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

द्वापर युग के आरंभ में महिष्मति नाम की एक नगरी थी, जिसमें महीजित नाम का राजा राज्य करता था, लेकिन पुत्रहीन होने के कारण राजा को राज्य सुखदायक नहीं लगता था। उसका मानना था, कि जिसके संतान न हो, उसके लिए यह लोक और परलोक दोनों ही दु:खदायक होते हैं।

पुत्र सुख की प्राप्ति के लिए राजा ने अनेक उपाय किए परंतु राजा को पुत्र की प्राप्ति नहीं हुई। वृद्धावस्था आती देखकर राजा ने प्रजा के प्रतिनिधियों को बुलाया और कहा: हे प्रजाजनों! मेरे खजाने में अन्याय से उपार्जन किया हुआ धन नहीं है। न मैंने कभी देवताओं तथा ब्राह्मणों का धन छीना है। किसी दूसरे की धरोहर भी मैंने नहीं ली, प्रजा को पुत्र के समान पालता रहा। मैं अपराधियों को पुत्र तथा बाँधवों की तरह दंड देता रहा। कभी किसी से घृणा नहीं की। सबको समान माना है। सज्जनों की सदा पूजा करता हूँ। इस प्रकार धर्मयुक्त राज्य करते हुए भी मेरे पुत्र नहीं है। सो मैं अत्यंत दु:ख पा रहा हूँ, इसका क्या कारण है?

राजा महीजित की इस बात को विचारने के लिए मंत्री तथा प्रजा के प्रतिनिधि वन को गए। वहाँ बड़े-बड़े ऋषि-मुनियों के दर्शन किए। राजा की उत्तम कामना की पूर्ति के लिए किसी श्रेष्ठ तपस्वी मुनि को देखते-फिरते रहे।एक आश्रम में उन्होंने एक अत्यंत वयोवृद्ध धर्म के ज्ञाता, बड़े तपस्वी, परमात्मा में मन लगाए हुए निराहार, जितेंद्रीय, जितात्मा, जितक्रोध, सनातन धर्म के गूढ़ तत्वों को जानने वाले, समस्त शास्त्रों के ज्ञाता महात्मा लोमश मुनि को देखा, जिनका कल्प के व्यतीत होने पर एक रोम गिरता था।

सबने जाकर ऋषि को प्रणाम किया। उन लोगों को देखकर मुनि ने पूछा कि आप लोग किस कारण से आए हैं? नि:संदेह मैं आप लोगों का हित करूँगा। मेरा जन्म केवल दूसरों के उपकार के लिए हुआ है, इसमें संदेह मत करो। लोमश ऋषि के ऐसे वचन सुनकर सब लोग बोले: हे महर्षे! आप हमारी बात जानने में ब्रह्मा से भी अधिक समर्थ हैं। अत: आप हमारे इस संदेह को दूर कीजिए। महिष्मति पुरी का धर्मात्मा राजा महीजित प्रजा का पुत्र के समान पालन करता है। फिर भी वह पुत्रहीन होने के कारण दु:खी है।

उन लोगों ने आगे कहा कि हम लोग उसकी प्रजा हैं। अत: उसके दु:ख से हम भी दु:खी हैं। आपके दर्शन से हमें पूर्ण विश्वास है कि हमारा यह संकट अवश्य दूर हो जाएगा क्योंकि महान पुरुषों के दर्शन मात्र से अनेक कष्ट दूर हो जाते हैं। अब आप कृपा करके राजा के पुत्र होने का उपाय बतलाएँ।यह वार्ता सुनकर ऋषि ने थोड़ी देर के लिए नेत्र बंद किए और राजा के पूर्व जन्म का वृत्तांत जानकर कहने लगे कि यह राजा पूर्व जन्म में एक निर्धन वैश्य था। निर्धन होने के कारण इसने कई बुरे कर्म किए। यह एक गाँव से दूसरे गाँव व्यापार करने जाया करता था।एक समय ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की द्वादशी के दिन मध्याह्न के समय वह जबकि वह दो दिन से भूखा-प्यासा था, एक जलाशय पर जल पीने गया। उसी स्थान पर एक तत्काल की ब्याही हुई प्यासी गौ जल पी रही थी।राजा ने उस प्यासी गाय को जल पीते हुए हटा दिया और स्वयं जल पीने लगा, इसीलिए राजा को यह दु:ख सहना पड़ा। एकादशी के दिन भूखा रहने से वह राजा हुआ और प्यासी गौ को जल पीते हुए हटाने के कारण पुत्र वियोग का दु:ख सहना पड़ रहा है। ऐसा सुनकर सब लोग कहने लगे कि हे ऋषि! शास्त्रों में पापों का प्रायश्चित भी लिखा है। अत: जिस प्रकार राजा का यह पाप नष्ट हो जाए, आप ऐसा उपाय बताइए।

लोमश मुनि कहने लगे कि श्रावण शुक्ल पक्ष की एकादशी को जिसे पुत्रदा एकादशी भी कहते हैं, तुम सब लोग व्रत करो और रात्रि को जागरण करो तो इससे राजा का यह पूर्व जन्म का पाप अवश्य नष्ट हो जाएगा, साथ ही राजा को पुत्र की अवश्य प्राप्ति होगी। लोमश ऋषि के ऐसे वचन सुनकर मंत्रियों सहित सारी प्रजा नगर को वापस लौट आई और जब श्रावण शुक्ल एकादशी आई तो ऋषि की आज्ञानुसार सबने पुत्रदा एकादशी का व्रत और जागरण किया।इसके पश्चात द्वादशी के दिन इसके पुण्य का फल राजा को दिया गया। उस पुण्य के प्रभाव से रानी ने गर्भ धारण किया और प्रसवकाल समाप्त होने पर उसके एक बड़ा तेजस्वी पुत्र उत्पन्न हुआ।इसलिए हे राजन! इस श्रावण शुक्ल एकादशी का नाम पुत्रदा पड़ा। अत: संतान सुख की इच्छा हासिल करने वाले इस व्रत को अवश्य करें। इसके माहात्म्य को सुनने से मनुष्य सब पापों से मुक्त हो जाता है और इस लोक में संतान सुख भोगकर परलोक में स्वर्ग को प्राप्त होता है।

पुत्रदा एकादशी पर क्या नहीं करना चाहिए?

झूठ न बोलें – यह एकादशी व्रत सत्य और पवित्रता का प्रतीक है, इसलिए व्रत के दौरान झूठ नहीं बोलना चाहिए।

तामसिक भोजन वर्जित – पुत्रदा एकादशी व्रत के दौरान तामसिक भोजन जैसे लहसुन, प्याज मांस, मछली, अंडा, शराब आदि का सावन न करें।

गुस्सा करने से बचें – एकादशी व्रत के दौरान खुद को शांत, संयमित और सकारात्मक बनाए रखें। साथ ही, लड़ाई-झगड़े या वाद-विवाद से दूर रहें।

दिन में न सोएं – धार्मिक मान्यता है कि एकादशी के दिन में सोने से व्रत का पुण्य घटता है, इसलिए व्रत के दौरान सोए नहीं।

अपमान न करें – एकादशी व्रत के दौरान किसी का अपमान या बुराई करने से व्रत का प्रभाव कम हो सकता है, इसलिए इन कार्यों से दूर रहें।

तुलसी न तोड़ें – एकादशी तिथि पर तुलसी तोड़ना वर्जित माना गया है, इसलिए पुत्रदा एकादशी व्रत में तुलसी के पत्ते नहीं तोड़ने चाहिए।

नाखून-बाल न काटें – एकादशी के दिन नाखून और बाल काटना अशुभ होता है, इसलिए ऐसा करने से बचें। साथ ही, एकादशी पर दाढ़ी भी नहीं बनवानी चाहिए।

दूरदर्शन पर 17 महीने चला टीवी शो हम लोग जिसको देख पतियों को छोड़ने लगी थीं औरतें, 156वें एपिसोड के बाद हुआ था विरोध

भारत में टीवी सीरियल्स का एक अलग बोलबाला रहा है। लिमिटेड सीरीज हों या फिर धारावाहिक, सबने दर्शकों को बांधकर रखने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। आज तो कई तरह के जॉनर के डेली सोप आते हैं। सास-बहू का ड्रामा काफी प्रचलित है। मगर एक समय था जब समाचार बुलेटिन या कृषि दर्शन सबसे ज्यादा देखे जाने वाले शोज हुआ करते थे। लेकिन, 80 के दशक की शुरुआत में यह सब बदल गया, जब स्क्रिप्टेड टीवी शो, जिन्हें धारावाहिक कहा जाता था, प्रसारित होने लगे। हम आपको आज एक ऐसे सीरियल्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जो हिंदी में पहला भारतीय टीवी धारावाहिक था जिसने दर्शकों की संख्या का ऐसा रिकॉर्ड बनाया जिसे आज के हिट डेली सोप भी नहीं छू पाते।

दूरदर्शन पर आने वाला शो हम लोग

इस सीरियल का नाम हम लोग था,जो 7 जुलाई 1984 को दूरदर्शन पर प्रसारित हुआ, जो उस समय का एकमात्र टेलीविजन चैनल था, जिसने भारतीयों के मास मीडिया देखने के तरीके को हमेशा के लिए बदल दिया। इस शो को मनोहर श्याम जोशी ने लिखा और पी. कुमार वासुदेव ने डायरेक्ट किया था। मगर इसकी परिकल्पना तत्कालीन सूचना एवं प्रसारण मंत्री वसंत साठे ने की थी।

मैक्सिकन ड्रामा से प्रभावित था हम लोग

हम लोग शो मैक्सिकन ड्रामा से प्रभावित था। जिसमें मध्यमवर्गीय परिवार के संघर्षों और आकांक्षाओं की कहानी दिखाई गई थी। कुछ ही समय में इसके किरदार बड़की, नन्हे, चुकती और लाजवंती घर-घर में मशहूर हो गईं। इस शो के अंत में सुपरस्टार अशोक कुमार नजर आते थे और वह विभिन्न सामाजिक बुराइयों और सामाजिक मुद्दों पर बात करते थे।

रामानंद सागर ने तोड़ा था हम लोग का रिकॉर्ड

भारत के इस पहले सीरियल ने 5 करोड़ व्यूअरशिप के साथ सारे रिकॉर्ड तोड़े थे। इसने परिवार नियोजन पर लोगों की सोच बदली थी। हालांकि इस शो को दो हिंदी टीवी सीरियल्स ने पछाड़ा था, जो कि रामानंद सागर का रामायण (7.7 करोड़) और लव कुश (6.6 करोड़) था।

17 महीने चले शो को मिली थी 4 लाख चिट्ठियां

हम लोग 17 महीने ही चला था और इस दौरान इस शो को 4 लाख से ज्यादा लेटर मिले थे, जिसमें दर्शकों ने अपनी कहानियां लिखकर भेजी थी। शो में लोवर मिडिल-क्लास जॉइंट फैमिली के रोजमर्रा के उतार-चढ़ाव दिखाए गए थे। 156 एपिसोड के बाद, 17 दिसंबर, 1985 को जब यह शो खत्म हुआ तो लोगों ने विरोध किया था।

पतियों को छोड़कर औरतें सीमा पहवा के पास आने लगी थीं

सीमा पहवा ने इस शो में बड़की का किरदार निभाया था। उन्होंने 'राजश्री अनप्लग्ड' के साथ एक इंटरव्यू में बताया था कि उनके कैरेक्टर को देखकर महिलाएं अपनी शादी तोड़ रही थीं और उनके घर आकर मदद मांगती थीं। उस वक्त एक्ट्रेस महज 22 साल की थीं। उन्होंने बताया था, लोग अपने पतियों को छोड़ने के बाद अपने बैग लेकर मेरे घर आने लगे। वे मुझसे पूछते थे कि अब, हमें बताओ कि हमें क्या करना चाहिए? और मैं उस समय सिर्फ 22 साल की थी। मुझे ये भी नहीं पता था कि मेरी लाइफ के साथ मुझे क्या करना है। तो, मैं और मेरी मां दोनों उन्हें देखकर चौंक गए।

बताया जाता है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी फैमिली प्लानिंग पर एक शो बनाने का सोच रही थीं, जिससे लोगों को जागरुक किया जा सके। तत्कालीन सूचना और प्रसारण मंत्रालय के नए सेक्रेटरी एसएस गिल ने इसके लिए काफी मेहनत की थी। वह अपनी टीम के साथ मैक्सिको गए थे और वहां के टीवी सीरियल्स की बारिकियों को समझा कि कैसे वहां पर मेकर्स डेली सोप में मनोरंजन के साथ लोगों को जागरुक करते हैं।

हेलन, रेखा और माधुरी से मिली शिल्पा शेट्टी को खास प्रेरणा, कहा- इनको देखकर ही सीखा सबकुछ

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का लोकप्रिय डांस रियलिटी शो सुपर डांसर करीब 4 साल बाद फिर से वापस आ गया है। इस बार शो में और भी ज्यादा जोश और उत्साह देखने को मिलेगा। इस सीजन में देशभर से चुने गए 12 टैलेंटेड बच्चे हिस्सा ले रहे हैं, जो स्टेज पर धमाकेदार डांस परफॉर्मेंस देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ये कंटेस्टेंट न सिर्फ शो के जजों को बल्कि लाइव ऑडियंस को भी अपने डांस से इंप्रेस करेंगे।

इस शो के दौरान जज और एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में खुलकर बात की और कुछ इमोशनल बातें भी शेयर कीं।

उन्होंने बताया कि उनकी जिंदगी और करियर में तीन खास महिलाओं ने उन्हें हमेशा प्रेरित किया है।

शिल्पा शेट्टी ने कहा, ''मेरी जिंदगी में हमेशा तीन ऐसी

महिलाएं रही हैं, जिन्होंने मुझे प्रेरित किया है। ये तीन महिलाएं हेलेन जी, रेखा जी और माधुरी दीक्षित जी हैं। हेलेन जी की खासियत यह थी कि वो चाहे कुछ भी पहनें या कोई भी डांस करें, वो कभी भी बुरा नहीं लगता था। रेखा जी की आंखों में इतना असर था कि वो सिर्फ अपनी नजरों से बहुत कुछ कह देती थीं। उनका लिप-सिंक और एक्सप्रेशन कमाल के थे।

उन्होंने आगे कहा, ''माधुरी दीक्षित जी के हर परफॉर्मेंस में एक अलग ही अंदाज होता है। मैंने डांस करना माधुरी दीक्षित के वीडियो को देखकर ही सीखा है। ये तीनों कलाकार हमेशा से मेरी एक बड़ी प्रेरणा रही हैं।अपनी मां के बारे में बात करते हुए शिल्पा भावुक हो गईं। उन्होंने बताया कि आज वो जिस मुकाम पर हैं, उसका सबसे बड़ा श्रेय उनकी मां को जाता है, क्योंकि उनकी मां ने हमेशा उनका बिना शर्त साथ दिया और हर मोड़ पर उनका हौसला बढ़ाया। शिल्पा ने कहा, मेरी मां ने मेरे लिए बहुत कुछ किया है, जितना कोई सोच भी नहीं सकता। जब मैं 17 साल की थी, तब बहुत मासूम थी और ज्यादा कुछ नहीं जानती थी। उस वक्त मेरी मां मेरे साथ घूमती थीं, और करीब 10 साल तक उन्होंने इस तरह से मेरा पूरा साथ दिया। उन्होंने मुझे सबसे पहले रखा। वह मेरी मां ही नहीं, बल्कि मेरी मैनेजर, सलाहकार और सबसे बड़ी आलोचक भी थीं। मैं जो कुछ भी आज हूं, वो सब अपनी मां की वजह से हूं। इस सीजन में फिर से जजों की तिकड़ी में शिल्पा शेट्टी, गीता कपूर, और मर्जी पेस्तोंजी शो में नजर आएंगे। सुपर डांसर चैप्टर 5 हर शनिवार और रविवार रात 8 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर प्रसारित होगा।

जब धनुष ने झूठ बोलकर साइन करवाई फिल्म सच सामने आने पर टूट गई थीं काजोल

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री काजोल अपनी शानदार अदाकारी और दमदार अभिनय के लिए हमेशा से फैंस के दिलों में खास जगह रखती हैं। सादगी और काम के प्रति समर्पण ने उन्हें इंडस्ट्री में एक अलग मुकाम दिलाया है। हर रोल में जान डालने वाली काजोल की मेहनत और ईमानदारी को हर कोई सलाम करता है। लेकिन उनकी जिंदगी और करियर के कुछ ऐसे पल भी रहे हैं, जिन्होंने सभी को चौंका दिए हैं। ऐसा ही एक दिलचस्प किस्सा है, जो साउथ सुपरस्टार धनुष से जुड़ा हुआ है। इस किस्से में धनुष ... झूठ बोलकर फिल्म साइन करवा... लेकिन जब बाद में उनका झूठ पकड़ा ... तो एक्ट्रेस का दिल टूट गया था।

5 अगस्त 1974 को मुंबई में जन्मीं काजोल एक फिल्मी परिवार से आती हैं। वह अभिनेत्री तनुजा समर्थ और दिवंगत फिल्म निर्माता शोमू मुखर्जी की बेटी हैं। बचपन से ही काजोल को अभिनय का शौक था और वे फिल्मों में काम करना चाहती थीं। उन्होंने अपना करियर 1992 में फिल्म 'बेखुदी' से शुरू किया था, लेकिन इस फिल्म से उन्हें खास सफल... नहीं मिली। असली प... उन्हें 1993 में आई... 'बाजीगर' से मिली, ... शाहरुख खान के साथ काम किया।

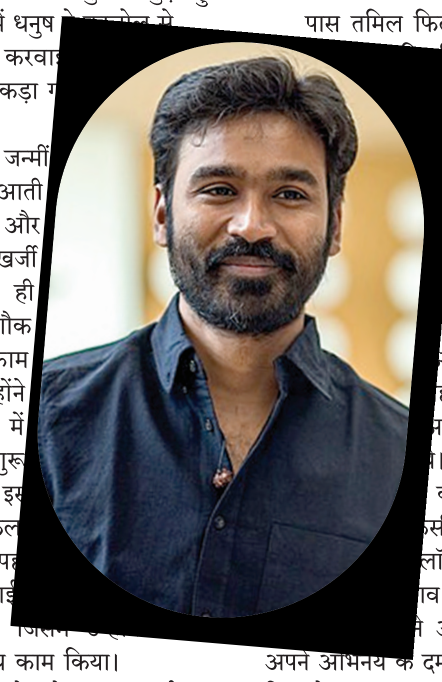

बाजीगर के बाद काजोल ने लगातार कई सफल फिल्में कीं, जैसे दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, कुछ कुछ होता है', गुप्त, प्यार तो होना ही था, और कभी खुशी कभी गम। उनके अभिनय को दर्शकों और आलोचकों दोनों ने खूब सराहा। 1990 के दशक में वह हिंदी सिनेमा की टॉप अभिनेत्रियों में से एक बन गईं थीं। उस समय कई सारी अभिनेत्रियां ग्लैमर पर ज्यादा ध्यान देती थीं, लेकिन काजोल ने अपनी मेहनत, काबिलियत और असली अभिनय के दम पर फिल्मी दुनिया में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए और अपनी खासियत दिखाई। काजोल ने अपने करियर में कई शानदार फिल्में दीं, जिनमें दिल क्या करे, हम आपके दिल में रहते हैं', 'होते-होते प्यार हो गया', फना, यू मी और हम, माई नेम इज खान, वी आर फैमिली, दिलवाले जैसी कई फिल्में शामिल हैं।

उन्होंने साउथ इंडस्ट्री में भी कदम रखा। उन्होंने धनुष के साथ वेलाईयिल्ला पत्तथरी 2 की। इस फिल्म को हिंदी में वीआईपी 2 के नाम से जाना जाता है। यह फिल्म 2017 की भारतीय तमिल भाषा की एक्शन कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन सौंदर्या रजनीकांत ने किया है। फिल्म धनुष द्वारा लिखी और सह-निर्मित है। यह 2014 की फिल्म वेलाईयिल्ला पत्तथरी का सीक्वल है और इसमें धनुष, अमला पॉल, विवेक, हृषिकेश, सरन्या पोनवन्नन और समुथिरकानी ने अपनी भूमिकाएं दोहराई, जबकि काजोल को खलनायिका का किरदार मिला।

इस फिल्म को लेकर एक इंटरव्यू में काजोल ने खुलासा किया था कि धनुष ने उनसे झूठ बोलकर फिल्म को साइन करवाया था। काजोल ने बताया कि जब धनुष और सौंदर्या रजनीकांत उनके पास तमिल फिल्म का ऑफर लेकर आए तो उन्होंने कहा ...फिल्म में उन्हें तमिल नहीं बोलनी पड़ेगी, ...जब वह फिल्म सेट पर पहुंची तो हुआ ...उल्टा ही। उन्होंने कहा, अभिनेता धनुष ...र निर्देशक सौंदर्या मेरे पास वेलाईयिल्ला ...तथरी 2 की कहानी लेकर आए और मुझे ...हा कि तमिल नहीं बोलनी होगी। मुझे झूठ ...ला और मैं मान गई, लेकिन जब सेट पर ...हुंची तो तमिल में डायलॉग पढ़ने के लिए ...न्ने दे दिए, मुझे कहा, कोशिश करो। किसी ...और भाषा में रोल निभाना कोई आसान बात ...हीं। मुझे होमवर्क मिलता था और रोज ...असिस्टेंट डायरेक्टर के साथ दो घंटे बिताने होते ...।

...काजोल ने कहा, कहीं न कहीं जब आप ...सी और भाषा में अभिनय निभाते हो और ...लॉग पर ज्यादा ध्यान देते हो, तो आप अपने ...व पर अच्छे से ध्यान नहीं दे पाते और कहीं ... आप से धोखा कर रहे होते हो।काजोल ने अपने अभिनय के दम पर कई पुरस्कार भी जीते हैं। उन्हें छह बार फिल्मफेयर पुरस्कार मिल चुके हैं, जिनमें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार भी शामिल है। इसके अलावा, उन्हें भारत के चौथे सबसे बड़े सम्मान पद्मश्री से भी नवाजा गया। काजोल को न सिर्फ भारत में बल्कि विदेशों में भी उनकी अदाकारी के लिए सराहा गया है।

संजय मिश्रा बोले - नाना सिर्फ इतिहास नहीं, एक आइडिया है!

मशहूर अभिनेता संजय मिश्रा अब नज़र आएंगे नाना फडणवीस के दमदार रोल में, घाशीराम कोतवाल के नए हिंदी अवतार में, जो न सिर्फ थिएटर लवर्स के लिए ट्रीट है, बल्कि सत्ता, चालबाज़ी और शोषण पर करारा तमाचा भी है। विजय तेंडुलकर द्वारा लिखित और वसंत देव द्वारा रूपांतरित इस क्लासिक पॉलिटिकल प्ले को अभिजीत पानसे और भालचंद्र कुबल ने डायरेक्ट किया है, और इसका प्रोडक्शन किया है आकांक्षा ओमकार माळी और अनिता पालांडे ने।

मराठी लोकनाट्य की खुशबू और आज की सच्चाइयों का ज़बरदस्त मिक्स, घाशीराम कोतवाल एक ऐसी कहानी है जो 18वीं सदी के पेशवा काल में सेट है, लेकिन इसकी गूंज आज की राजनीति तक सुनाई देती है। एक शख्स जो ताकत के लिए अपनी बेटी तक को दांव पर लगा देता है - और अंत में वही सिस्टम उसे चबा जाता है।

संजय मिश्रा ने अपने किरदार के बारे में कहा, नाना सिर्फ इतिहास की किताबों में बंद कोई किरदार नहीं, वो एक सोच है। ये नाटक हमारे आज के हालात का आईना है। मेरे लिए ये रोल निभाना एक्टिंग नहीं, बल्कि सियासी सच्चाइयों से आमना-सामना है। संतोष जुवेकर, जो निभा रहे हैं घाशीराम का रोल, कहते हैं, घाशीराम बनना मतलब रस्सी पर चलना - कभी पीड़ित, कभी साजिशकर्ता, और कभी एक ट्रैजिक हीरो। इसमें दर्द भी है, पावर भी और कविता भी। मुझे इसे मंच पर उतारने का बेसब्री से इंतज़ार है। उर्मिला कानेटकर, जो गुलाबी का रोल निभा रही हैं, बताती हैं , गुलाबी सिर्फ लावणी डांसर नहीं है, वो इस कहानी की आत्मा है। संगीत और नृत्य के जरिए वो उस दर्द को बयां करती है, जिसे औरतें अक्सर अंदर ही अंदर जीती हैं। मेरे लिए ये सबसे इमोशनली डिमांडिंग रोल है। फुलवा खामकर की कोरियोग्राफी में, 2025 की ये प्रस्तुति पुराने रस और संगीत को बनाए रखते हुए आज की हकीकत से जोड़ती है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज व्यापार मे व्यस्तता ज्यादा रहेगी साथ मे आमदनी मे बढोत्तरी होगी नौकरीपेशा जातकों को पदोन्नति के साथ स्थानांतरित किया जा सकता है. आप दोस्तों के साथ एक नया कारोबार शुरू कर सकते हैं और आपको उनका पूरा समर्थन मिलेगा. वित्तीय मामले आसानी से आगे बढ़ेंगे और शेयरों में कुछ निवेश भी किया जा सकता है. सामाजिक गतिविधियां बढ़ेंगी. आज आप यात्रा में किसी व्यक्ति विशेष से मिल सकते है अपने स्वास्थ्य को हल्के मे लेना हानिकारक हो सकता हैं

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप को आज के दिन अपने व्यवहार मे कुछ बदलाव करना पडेगा जिससे काम पूरे होते हुए दिखेंगें आपका कोई सोचा हुआ काम पूरा हो जायेगा. छात्रों के करियर में आज के दिन नया बदलाव आयेगा. जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा. आपकी सेहत बेहतर बनी रहेगी. आज आप की जानपहचान किसी स्त्री विशेष होगी, जो आप को लाभ पहुंचाएगी. कारोबार में कुछ लोग मददगार साबित होंगे. दोस्तों के साथ बेहतर दिन बीतेगा. भगवान शिव का पंचाक्षर मंत्र जप करें आप आसपास सकारात्मक वातावरण रहेगा

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज महामृत्युंजय मंत्र का जप करें शिवजी का अभिषेक करें स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा आप को भोजन भी अपनी शारीरिक क्षमता से ही करना चाहिए। काम के मामले में आप भाग्यशाली रहेंगे. आपकी योजनाएं फलीभूत हो कर आप के हक में फैसला सुनाएंगी. गृहस्थ जीवन में जीवन साथी धार्मिक रवैया अपनाएगा. घर में कोई पूजा पाठ बड़े स्तर पर हो सकती है. प्रेम विवाह करने की योजना हैं तो अपनी कार्यवाही जारी रखें नये मुकाम पर पहुंचेंगे और भविष्य मे रिश्ते में गहराई आएगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज परिवार के साथ जरूरी यात्रा पर जा सकते हैं यात्रा का उद्देश्य पूरा होगा आप अपने कार्य स्थल पर वाहवाही लूटेंगे जो आपकी संतुष्टि को बढ़ाएगा. आर्थिक सन्दर्भ में त्वरित पैसा बनाने की योजनाओं या आकर्षक प्रस्तावों से दूर रहना बेहतर है. इससे आने वाले महीनों में समस्या हो सकती है. परिवार के सदस्यों के साथ कुछ गलतफहमी घरेलू माहौल को कड़वा बना सकती हैं बच्चों को मौसमी बिमारी से बचाना होगा बच्चों के शरीर का तापमान बड़ सकता हैं

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज के दिन को सफलताओं से भरना हैं तो शिवजी का कच्चे दूध से अभिषेक करें आपका दिन करवट लेगा आपको कुछ काम में किसी अनुभवी व्यक्ति से मदद मिल सकती है. परिवार के साथ डीनर का प्लान बना सकते हैं. पैसों के लेन– देन करने से आपको बचना चाहिए. अगर आप समय का सदुपयोग करेंगे, तो आपको फायदा जरूर मिलेगा. किसी तरह की पुरानी बातों पर ध्यान देने से आपको बचना चाहिए. कामकाज की स्थिति मजबूत रहेगी. आप को अपने व्यवसाय के प्रति जिम्मेदार होना होगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

दाम्पत्यजीवन की खुशहाली के लिए आप को दैनिक शिवपार्वती का पूजन करना चाहिए जिससे गृहस्थ जीवन खुशनुमा रहेगा । साझेदारी का कारोबारी सफलता देगा , बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा प्रेम जीवन बिता रहे लोग अपने रिश्ते के भविष्य को लेकर बहुत सोचेंगे और आज का दिन ज्यादातर सोचने में ही बिताएं– गे.शरीर की तंदरुस्ती के लिए पौष्टिक आहार लेते रहें । हड्डियों का दर्द तकलीफ दे सकता हैं । गाय की सेवा करनी चाहिए ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

व्यापारियों के लिए कुछ तकलीफ़े बन सकती हैं. सरकारी कर्मचारियों के साथ मेलझोल बना कर रखें लाभदायक रहेगा आपके दुश्मन आपके लिए मु– सीबतें खड़ी कर सकते हैं. आपकी आय कम हो सकती है और आपके निवेश ठहराव के चरण में जा सकते हैं. इस अवधि के दौरान व्यवसाय के संबंध में यात्रा उचित फल नहीं देगी. आपको शीघ्र पैसा कमाने की योजनाओं में निवेश करने से से बचना चाहिए. दोस्त मददगार नहीं रहेंगे. इसलिए आपको कमिटमेंट करने से पहले दो बार सोचना श्रेयकर रहेगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज सुबह उठते ही हथेलियों के दर्शन करें आपका दिन बेहतरीन रहेगा. पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे. थोड़ी–सी मेहनत करके आप अपने उद्देश्यों को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं. आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हो सकता है. व्यावसायिक कार्यों के लिहाज़ से आज का दिन बेहतर है. आप हर काम को धैर्य और समझदारी से पूरा करने की कोशिश कर सकते हैं. वैवाहिक जीवन खुशियों से भरा रहेगा. ऑफिस का बढ़िया माहौल आपको खुश कर सकता है.व्यायाम करते रहे तंदूरस्ती बरकरार रहेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपके लिए समय अनुकूल नही हैं । नक्षत्र थोड़ा सा कमजोर है, इसलिए शांति और समझदारी से ही दिन गुजारना सही रहेगा. खर्चों में थोड़ी तेजी आने से मानसिक चिंताएं बढ़ेंगी लेकिन यह अल्पकालीन है, इसलिए ज्यादा परेशान मत हों. काम के मामले में आपकी सोच आपके काम आएगी. व्यापार भी तेजी से बढ़ेगा. सेहत उतार–चढ़ाव के बीच स्थिर रहेगी. प्रेम जीवन बिता रहे लोग आज के दिन को शांति से बिताएंगे और अपने प्रिय से खूब बातचीत करेंगे. गृहस्थ जीवन शांतिपूर्ण रहेगा.चींटियों को शक्कर डालें कर्ज मुक्त हो जांएगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

रोज सुबह उठते ही धरती माता को छूकर प्रणाम करें और फिर पश्चात धार्मिक कार्यों में संलग्न हो सकतें है, जिसके कारण आपकी सामाजिक लोकप्रियता में बढ़ोत्तरी संभव है. आपका पारिवारिक–जीवन आनंदित रहेगा और आप मानसिक रूप से शांत रहेंगे. आप दूसरों के लिए मददगार सिद्ध होंगे और लोग इसके लिए आपका बहुत सम्मान करेंगे.कर्म को महत्व देंना चाहिए आप का भाग्य आप को खुदबखुद मालामाल बन देगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज दिन सफल रहेगा व्यवसायिक रुप से आप सफल भी होंगे. घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा. आपको अचानक धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे. आपको किस्मत का पूरा–पूरा साथ मिलेगा. साथ ही दूसरे लोग आपके कामकाज से प्रभावित भी होंगे. आपकी तरक्की के नये रास्ते खुलेंगे. परिवार में मधुरता के साथ विश्वास भी बढ़ेगा. किसी खास व्यक्ति से आपकी मुलाकात होगी. परिवार की जरुरत पूरी होने के बाद धन को दान के रुप मे व्यय करना चाहिए धन की शुद्धि होगी संतति भी बढेगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने स्वभाव को सरल बनाए आप को मृदुभाषी होने की जरूरत हैं जिससे आप का समय और दिन हर्षित रहेंगा. कामों में सफलता मिलेगी जिससे आपका आत्मबल बढ़ेगा. थोड़ा गुस्सा तो दिखाएंगे लेकिन जिद पकड़ना अच्छा नहीं. गृहस्थ जीवन सामान्य रहेगा और प्रेम जीवन बिता रहे लोग परिजनों के विरोध का सामना कर सकते हैं, इसलिए थोड़ी सी सावधानी रखें और मर्यादा ना लांघें.रोज सुबह चहलकदमी करते रहें शरीर निरोगी रहेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 05 अगस्त 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी दोपहर 01:14 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा प्रातः 11:23 तक
योग : ऐन्द्र प्रातः 07:24 तक
करण : विष्टि दोपहर 01:14 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक प्रातः 11:23 तक
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:47 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:45 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:38 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:49 , सूर्यास्त 06:37 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पवित्रा एकादशी व्रत , गण्डमूल चालू है , श्रावण भौमवासरे मंगलागौरी पूजन–व्रत, भद्रा दोपहर 01:13 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

ईसरदा–दौसा पेयजल परियोजना से

6.27 लाख लोगों को उपलब्ध हो सकेगा स्वच्छ पेयजल : भजनलाल

जयपुर, 04 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश के हर गांव, हर ढाणी और हर व्यक्ति तक सुविधाएं पहुंचाकर लोगों का जीवन बेहतर बनाना हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को सशक्त एवं समृद्ध बनाने का लक्ष्य लेकर कार्य कर रही है।

शर्मा सोमवार को दौसा जिले के लालसोट विधानसभा क्षेत्र स्थित डूंगरपुर गांव में आयोजित समारोह में रिमोट का बटन दबाकर ईसरदा–दौसा पेयजल परियोजना का शिलान्यास किया। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि महादेव की कृपा से प्रदेश में भरपूर बारिश से जलाशय लबालब हो गए हैं और ईरसदा बांध में भी खूब पानी आया है। उन्होंने कहा कि ईसरदा–दौसा पेयजल परियोजना के तहत लालसोट में लगभग 350 करोड़ रुपये की लागत से 8 स्वच्छ जलाशयों, 5 पंपहाउस, 47 उच्च जलाशयों का निर्माण किया जाएगा। इसमें 280 किलोमीटर राइजिंग मुख्य पाइपलाइन, 200 किलोमीटर से अधिक मुख्य पाइपलाइन एवं 1360 किलोमीटर वीडीएस पाइपलाइन बिछाई जाएगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 तक पूर्ण किए जाने वाले इन कार्यों से 302 गांवों की लगभग 5 लाख 58 हजार आबादी और लालसोट की करीब 69 हजार आबादी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। शर्मा ने कहा कि लालसोट विधानसभा में 120 करोड़ रुपये से अधिक के अन्य विकास कार्यों की भी स्वीकृति दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले डेढ़ साल में पानी, बिजली, बुनियादी ढांचे और प्रदेश के आर्थिक विकास के लिए अनेक निर्णय लिए हैं। पेयजल और सिंचाई की समस्या के स्थायी समाधान के लिए राम जल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, माही बांध योजना सहित विभिन्न कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 8 हजार 496 करोड़ रुपये खर्च कर 82 हजार 964 हेक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई है। शर्मा ने कहा कि हम वर्ष 2027 तक किसानों को दिन में बिजली भी उपलब्ध कराएंगे।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार 5 वर्षों में 4 लाख सरकारी नौकरियां सृजित करने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। साथ ही, 3 लाख से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार योग्य बनाया गया है। उन्होंने कहा कि डेढ़ साल में 6 रोजगार मेलों के माध्यम से 75 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति

पत्र सौंपे गए हैं और एक लाख से अधिक पदों के लिए भर्ती विज्ञापन जारी किए गए हैं। राज्य सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ सरकारी भर्तियों का आयोजन कर रही है। हमारे कार्यकाल में एक भी भर्ती परीक्षा का पेपरलीक नहीं हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले डेढ़ साल में जो विकास कार्य करवाए हैं, उतने पूर्ववर्ती सरकार पांच साल में भी नहीं करवा पाई। गत सरकार के पूरे पांच साल में बने 29 हजार फार्म पौंड की तुलना में हमने डेढ़ साल में ही 32 हजार से अधिक फार्म पौंड बनवाए हैं। हमारे समय में बिजली उत्पादन क्षमता में लगभग 4 हजार 800 मेगावाट की बढ़ोतरी हुई है, जबकि पिछली सरकार के पांच साल में लगभग 3 हजार 900 मेगावाट की बढ़ोतरी हुई थी। हमारी सरकार ने 1 हजार 421 गांवों को सड़कों से जोड़ने का कार्य किया है, जबकि गत सरकार पांच साल में लगभग 1100 गांवों को ही सड़कों से जोड़ पाई थी। डेढ़ साल में 89 हजार विद्यार्थियों को टैबलेट दिए गए हैं, जबकि उनके पूरे पांच साल में यह आंकड़ा 986 ही रहा। गत सरकार ने पांच साल में केवल पौने दो लाख स्वामित्व कार्डों का वितरण किया था, जबकि हम पौने दस लाख स्वामित्व कार्ड का वितरण कर चुके हैं। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा चलाए गए वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के सकारात्मक परिणाम हमें नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष प्रदेश में 7 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए और इस वर्ष हमने 10 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री ने 5 साल में 50 करोड़ पौधे लगाने के लक्ष्य की दिशा में प्रदेशवासियों से ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने का आह्वान भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लालसोट विधानसभा के लिए 116 करोड़ रुपए का प्रावधान कर संबंधित कार्यों को तेजी से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एसएच–24 से एनएच–11ऐई वाया नांगल मोड, देवली रोड–लालसोट बाईपास के नवीनीकरण एवं चौड़ाईकरण हेतु कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं। एनएच 148 डूंगरपुर मोड से डोब वाया हरिपुरा एवं लालसोट से खटवा तक सड़क नवीनीकरण एवं चौड़ाईकरण कार्य करवाया जा रहा है। लालसोट नगर पालिका को नगर परिषद् में क्रमोन्नत किया गया है। साथ ही, श्यामपुरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एवं कन्या महाविद्यालय, लालसोट को पीजी में क्रमोन्नत किया गया है।समारोह में कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य की डबल इंजन सरकार किसानों का जीवन स्तर बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

ऑपरेशन विषदमन में बड़ी सफलता

166.700 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त नकदी और उपकरण बरामद

जोधपुर, 04 अगस्त (एजेंसियां)। मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन विषदमन के तहत थाना मंडली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 166.700 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त, बिक्री से प्राप्त 13,200 रुपये नकद, डोडा पोस्त पीसने की इलेक्ट्रिक मशीन और दो इलेक्ट्रॉनिक कांटे बरामद किए। इस कार्रवाई में आरोपी मोहनराम पुत्र किशनाराम, निवासी बलाऊ जाटी, को गिरफ्तार किया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक रमेश ने बताया कि नशाखोरी पर प्रभावी नियंत्रण एवं उन्मूलन के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार, जोधपुर रेंज के महानिरीक्षक राजेश मीणा के मार्गदर्शन में जिले में मादक पदार्थ तस्करी और अवैध हथियारों के खिलाफ सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालोतरा गोपालसिंह भाटी और वृताधिकारी पचपदरा अशोक जोशी के सुपरविजन में, थानाधिकारी मंडली महेश गोयल के नेतृत्व में टीम ने यह सफलता हासिल की। 3 अगस्त 2025 को एरिया डोमिनेशन के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि मोहनराम अपनी किराना एवं मसाले की दुकान के पीछे बने गोदाम में भारी मात्रा में अवैध डोडा पोस्त छुपाकर रखे हुए है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मोहनराम की मौजूदगी में गोदाम की तलाशी ली।

तलाशी के दौरान पांच कट्टों और एक ड्रम में 150.800 किलोग्राम पीसा हुआ डोडा पोस्त तथा 15.900 किलोग्राम बिना पीसा डोडा पोस्त, कुल 166.700 किलोग्राम बरामद हुआ। इसके अलावा, बिक्री से प्राप्त 13,200 रुपये नकद, डोडा पोस्त पीसने में प्रयुक्त इलेक्ट्रिक मसाला मशीन और तौलने के लिए एक बड़ा एवं एक छोटा इलेक्ट्रॉनिक कांटा भी बरामद किया गया। जांच में सामने आया कि आरोपी ने अपने अवैध कारोबार को छुपाने के लिए किराना एवं मसालों की आड़ ली हुई थी। वह मसाला पीसने की मशीन में डोडा पोस्त पीसकर, 50–50 ग्राम की छोटी–छोटी पुड़ियों में पैक करता था और इन्हें सामान्य सामान की तरह फुटकर में बेचता था। मोहनराम पुत्र किशनाराम, जाति जाट, निवासी बलाऊ जाटी, थाना मंडली, जिला बालोतरा।

आमजन की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने हेतु संवेदनशीलता व सक्रियता से कार्य करें : जिला कलेक्टर

कोटपूतली–बहरोड़, 04 अगस्त (एजेंसियां)। जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया. बैठक में संपर्क पोर्टल, सड़कों की स्थिति, विकास कार्यों, कल्याणकारी योजनाओं और बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। उन्होंने सभी बजट घोषणाओं के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने संपर्क पोर्टल, सीएमओ, जनसुनवाई, जनप्रतिनिधियों से प्राप्त आमजन के लंबित परीवादो की विभागवार समीक्षा करते हुए कहा कि परिवादो का त्वरित व गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करें, एवरेज डिस्पोजल टाइम में कमी लाएं. उन्होंने कहा कि यह ध्यान रखें कि समाधान केवल औपचारिक न हो बल्कि संतुष्टिपूर्ण हो। उन्होंने मानसून के मद्देनजर संबंधित विभाग को बिजली व पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए अपनी मशीनरी को सक्रिय रखने, जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नगर परिषद को पुख्ता कार्यवाही करने के निर्देश दिए.

उन्होंने हरियालो राजस्थान की प्रगति पोर्टल पर अपडेट करने सहित सरकार की फ्लैगशिप व अन्य योजनाओं पर विभागवार चर्चा कर योजनाओं का लाभ नियामानुसार प्रत्येक पात्र को दिलाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में मौजूद अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण ने गत बैठक में दिए निर्देशों कि अनुपालना रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए कहा कि संपर्क पोर्टल के परीवादों को प्राथमिकता से लेंवे, तुरंत निपटारा कर परिवादी को राहत पहुंचाएं. बैठक में संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कर्मठ और समर्पित कार्यकर्ता ही भाजपा की ताकत : बड़ौली

चंडीगढ़, 04 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि हरियाणा की नायब सरकार सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता मोदी और नायब सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने का माध्यम बन रहे हैं। बड़ौली सोमवार को नारनौल स्थित भाजपा जिला कार्यालय पहुंचे और संगठनात्मक मुद्दों और आगामी अभियानों को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा की। मोहन लाल बड़ौली ने कार्यकर्ताओं से मिलने के बाद पत्रकारों से भी बातचीत की और कांग्रेस पर निशाना साधा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मना रही है। इसी दिन सायं को मौन यात्राएं भी प्रदेश में निकाली जाएंगी। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर विभाजन विभीषिका को लेकर बड़े कार्यक्रम होंगे और राज्य स्तरीय कार्यक्रम फरीदाबाद में होगा जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि होंगे।

बड़ौली ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत प्रदेश के सभी 377 मंडलों में तिरंगा यात्राएं निकाली जानी है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि विभाजन विभीषिका कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ें और खासकर युवाओं को शामिल करें। उन्होंने कहा कि विभाजन विभीषिका को स्मृति दिवस के रूप में मनाने का मकसद लोगों को देश के बटवारे के समय हुई भयानक त्रासदी के बारे में जानकारी देना है।

भयावह त्रासदी को स्मरण करने का माध्यम बनेगा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस : डॉ. मिड्ढा

फरीदाबाद, 04 अगस्त (एजेंसियां)। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के आयोजन की तैयारियों को लेकर मंगलवार को विभाजन विभीषिका दिवस आयोजन समिति के प्रदेश संयोजक एवं हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक हुई। फरीदाबाद के भाजपा जिला कार्यालय अटल कमल में हुई इस बैठक में कार्यक्रम के प्रदेश कलस्टर प्रमुख और सभी जिलों के प्रमुख शामिल हुए। बैठक में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस को ऐतिहासिक स्वरूप देने की योजना, रचना बनाई गई।फरीदाबाद में विभाजन विभीषिका पर होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में लोगों को लाने की जिम्मेदारी और खान–पान की व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा के बाद पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां दीं और जरूरी दिशा निर्देश भी दिए। डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि विभाजन विभीषिका का यह आयोजन देश के बंटवारे के समय की उस भयावह त्रासदी को स्मरण करने का माध्यम बनेगा।

विपक्ष की राजनीति झूठ और भ्रम पर आधारित, लेकिन जनता अब जागरूक : सैनी

चंडीगढ़, 04 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आजादी के बाद 55 वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस ने देश और प्रदेश के गरीबों के लिए ठोस कार्य नहीं किए। कांग्रेस के शासनकाल में गरीब व्यक्ति और अधिक गरीब होता चला गया, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र व हरियाणा की डबल इंजन की सरकार ने जनकल्याण की योजनाओं को धरातल पर उतारकर लाखों लोगों के जीवन में बदलाव किया है।

मुख्यमंत्री आज पंचकूला में आयोजित मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना–2.0 के लाभार्थियों को आवंटन पत्रों के वितरण तथा मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत लाभार्थियों को अंतरिम मलकीयत प्रमाण पत्र राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस सरकार ने गरीब लोगों को प्लॉट देने के नाम पर सिर्फ सपना दिखाया, न ही उन्हें कागजात दिए गए और न ही कब्जा मिला। इसके विपरीत, वर्तमान राज्य सरकार ने गरीबों को 100–100 गज के प्लॉट के कागजात और कब्जा देकर उनका सपना साकार किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की योजनाएं कभी धरातल पर नहीं उतरती थीं। जब चुनाव आते थे, तभी घोषणाएं होती थीं। 2014 से पहले ग्रामीण क्षेत्रों में गैस सिलेंडर नहीं पहुंचता था। महिलाएं लकड़ी के धुएं से परेशान रहती थीं, लेकिन तत्कालीन सरकारों ने कभी उनकी चिंता नहीं की। लोगों को गैस सिलेंडर के लिए 4–4 दिन तक लाइनों में लगना पड़ता था। जबकि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने के लिए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से घरों में गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाने का काम किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गरीब परिवारों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध करवा रही है। अभी तक 18 लाख परिवार इस योजना से जुड़ चुके हैं।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले हरियाणा में क्या स्थिति थी, वो सब जानते हैं। महिलाओं को कितनी तकलीफें उठाकर 2–2 किलोमीटर दूर से पीने का पानी लाना पड़ता था, लेकिन 55 साल तक शासन करने वाले नेताओं ने महिलाओं की इस पीड़ा को कभी नहीं समझा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने हर घर में नल और स्वच्छ जल

पहुंचाने की व्यवस्था कर महिलाओं को बहुत बड़ा लाभ दिया। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जिन्होंने 55 साल तक शासन किया, वे आज गरीबों के हितों की बात कर रहे हैं। वे जनता को गुमराह करने के लिए झूठा प्रचार करते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के तीसरी बार सत्ता में आने से संविधान को खतरा है। जबकि सच्चाई यह है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संविधान पूरी तरह सुरक्षित है। अगर खतरा किसी को है तो कांग्रेस को खतरा है, कांग्रेस खत्म हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को बताना चाहिए कि उन्होंने 55 वर्षों में जनकल्याण के लिए कौन से कार्य किए। वे सिर्फ झूठ बोलकर जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं।

बैंकिंग सेवाओं की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय था जब गरीब व्यक्ति का बैंक खाता भी नहीं खुलता था। उन्हें दो खाताधारकों के हस्ताक्षर लाने होते थे, जो अक्सर मना कर देते थे, कितना अपमान गरीब व्यक्ति को सहन करना पड़ता था। इसका जिम्मेदार अगर कोई था तो कांग्रेस पार्टी जिम्मेदार थी। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जन–धन खाते खोलकर आज गरीब व्यक्ति को सम्मान देने का काम किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गाँधी प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सवाल पूछते हैं कि जन–धन खाते खुलवा दिए, लेकिन इनमें पैसा कौन जमा करेगा। उनकी ये बात सुनकर हैरानी होती है। मुख्यमंत्री ने राहुल गाँधी को चुनौती देते हुए कहा कि वे जनधन खातों के आंकड़े देख लें, जिनमें पिछले 11 वर्षों में गरीबों ने अपनी मेहनत की बचत जमा की है। ये गरीब का वो संकल्प है जिसको नरेंद्र मोदी ने सम्मान दिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने महिलाओं की पीड़ा और गरिमा का हमेशा मजाक उड़ाया है। एक समय था जब माताओं–बहनों को शौच के लिए सूरज ढलने का इंतजार करना पड़ता था। यह एक गंभीर सामाजिक समस्या थी, लेकिन कांग्रेस ने इसे कभी प्राथमिकता नहीं दी। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर घर शौचालय बनवाकर महिलाओं को बड़ी राहत देने का काम किया है। यह केवल शौचालय निर्माण का अभियान नहीं था, बल्कि महिलाओं के आत्मसम्मान से जुड़ी क्रांतिकारी पहल थी।

स्वास्थ्य क्षेत्र की बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले की सरकारों के समय आर्थिक अभाव के कारण लोग इलाज नहीं करा पाते थे। यह एक बेहद दुःखद स्थिति थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई आयुष्मान भारत योजना और हरियाणा की चिरायु योजना ने आमजन को राहत पहुंचाई है। आज हर पात्र व्यक्ति को 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा प्राप्त है। अब तक हरियाणा में 22 लाख लोगों ने इस योजना से जुड़कर लाभ उठाया है। सरकार ने लगभग 2500 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि इलाज पर खर्च की है। 2004 में कांग्रेस शासन के दौरान मकानों की मरम्मत के लिए गरीबों को केवल 10 हजार रुपये मिलते थे, जबकि आज भाजपा सरकार 80 हजार रुपये की सहायता राशि दे रही है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

बिहार बदलाव यात्रा के तहत कैमूर आए प्रशांत किशोर

लालू, नीतीश और पीएम मोदी पर बोला हमला

पटना (एजेंसियां)। जन सुराज अभियान के संयोजक प्रशांत किशोर रविवार को अपनी 'बिहार बदलाव यात्रा' के तहत कैमूर जिले के चैनपुर विधानसभा क्षेत्र पहुंचे। यहां किसान इंटर कॉलेज मैदान, अखबरा में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने नीतीश कुमार, लालू प्रसाद यादव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोला।

जनसभा में प्रशांत किशोर ने कहा, 'आपने मोदी का चेहरा देखकर वोट दिया तो चाय बेचने वाला प्रधानमंत्री बन गया। लालू का चेहरा देखकर वोट दिया तो भैंस चराने वाला 30 साल तक सत्ता में रहा। नीतीश का चेहरा देखकर वोट दिया तो वैद्य का बेटा 20 साल से शासन चला रहा है। लेकिन आपने आज तक अपने बच्चों का चेहरा देखकर वोट नहीं दिया। इस बार चेहरा नहीं, भविष्य देखकर वोट कीजिए।'

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी बिहार के लोगों से वोट लेकर और देश भर का पैसा लेकर अपने गृह राज्य गुजरात में फैक्ट्रियां लगवा रहे हैं, जबकि बिहार के युवा उन्हीं फैक्ट्रियों में जाकर 10-12 हजार रुपये में मजदूरी कर रहे हैं।

प्रशांत किशोर ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि इस बार जो आपके बच्चों के भविष्य को लूटे हैं, उन्हें वोट न दीजिए। चाहे वो लालू हों, नीतीश हों या मोदी। नेताओं का चेहरा देखकर नहीं, अपने बच्चों की शिक्षा और रोजगार के लिए वोट कीजिए। बिहार में अब जनता का राज चाहिए, नेताओं का नहीं।

प्रशांत किशोर ने जनसभा में कैमूर की जनता से कई बड़े वादे भी किए। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2025 से 60 वर्ष से अधिक उम्र के सभी पुरुषों और महिलाओं को 2000 रुपये मासिक पेंशन दी जाएगी। जब तक सरकारी स्कूलों में सुधार नहीं हो जाता, तब तक 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को निजी स्कूलों में मुफ्त शिक्षा दी जाएगी और उनकी फीस सरकार वहन करेगी।

उन्होंने दावा किया कि छठ पर्व के बाद राज्य के युवाओं को बिहार में ही 10-12 हजार रुपये तक की रोजगार की व्यवस्था की जाएगी। अब बिहार के युवाओं को मजदूरी के लिए गुजरात या अन्य राज्यों में नहीं जाना पड़ेगा। रोहतास, कैमूर और चैनपुर के नौजवानों को भी यहीं सम्मानजनक काम मिलेगा। अगले दो साल में 50 लाख युवाओं को बिहार में ही रोजगार दिया जाएगा।

प्रशांत किशोर ने सभा के अंत में कहा कि यह बिहार की बदहाली की आखिरी दिवाली और छठ है। अगली बार जब त्योहार आएगा तो आपके बेटे और परिवार के लोग बाहर नहीं होंगे, बल्कि अपने गांव-घर में ही रोजगार पाएंगे।

पेशी पर पटना सिविल कोर्ट आया कैदी चकमा देकर फरार

पटना (एजेंसियां)। राजधानी पटना से एक बड़ी खबर सामने आई है। पटना सिविल कोर्ट में पेशी के लिए लाया गया एक कैदी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। फरार कैदी की पहचान नवादा निवासी सुरेंद्र उर्फ छोटू के रूप में हुई है, जो फुलवारी शरीफ स्थित बेउर जेल में चोरी के मामले में बंद था।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, सोमवार को सुरेंद्र उर्फ छोटू को पटना सिविल कोर्ट के एसीजेएम-4 के समक्ष पेशी के लिए लाया गया था। इसी दौरान वह मौके का फायदा उठाकर हथकड़ी सरकाकर फरार हो गया। इस घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। कैदी की तलाश में कई जगहों पर छापेमारी की जा रही है, लेकिन घंटों की कोशिशों के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिल सका है। घटना के संबंध में ड्यूटी पर तैनात सिपाही ने पीरबहोर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। बताया गया कि सुरेंद्र पिछले छह महीने से चोरी के एक मामले में जेल में बंद था।

पटना टाउन डीएसपी वन मोहिबुल्लाह अंसारी ने बताया कि अभी प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है, लेकिन पुलिस कैदी की तलाश में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी संबंधित थानों को अलर्ट किया गया है।

गौरतलब है कि इससे पहले भी इसी तरह की एक घटना 18 जून को हुई थी, जब पालीगंज निवासी विकास कुमार नामक एक कैदी कोर्ट के बाथरूम की खिड़की तोड़कर फरार हो गया था। इन घटनाओं से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे

जवैनिया गांव पहुंचे मंत्री केदार प्रसाद सड़क पर पानी को देख लौटे, लोगों ने जताई नाराजगी

पटना (एजेंसियां)। भोजपुर जिले में गंगा नदी के कटाव और बाढ़ से प्रभावित जवैनिया गांव का सोमवार को निरीक्षण करने पहुंचे बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता गांव तक नहीं पहुंच सके। बाढ़ के पानी से घिरी सड़कों को देखकर वे करीब पांच किलोमीटर पहले ही गौरा पुल से लौट गए। मंत्री के साथ प्रशासनिक पदाधिकारी, पुलिस बल और मीडिया की टीम भी थी। हालांकि कटाव प्रभावित ग्रामीणों से सीधी मुलाकात नहीं हो पाई, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी गई।

ग्रामीणों का कहना है कि जब वे जान जोखिम में डालकर गंगा नदी की जलधारा पार कर रहे हैं, ऐसे में मंत्री जी का सड़क पर पानी देखकर लौट जाना निराशाजनक है। पीड़ितों का आरोप है कि मंत्री केवल औपचारिकता निभाने के लिए पहुंचे थे, लेकिन बाढ़ का दृश्य देख वह गांव तक जाने का साहस नहीं जुटा सके। देरी और गांव न जाने के संबंध में सवाल पूछे जाने पर मंत्री ने कहा कि हम लगातार क्षेत्र की मॉनिटरिंग कर रहे हैं और सभी जरूरी निर्देश दे दिए गए हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देश पर राहत कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है।

हालांकि कटाव और बाढ़ की स्थिति को लेकर प्रशासन सतर्क है, लेकिन प्रभारी मंत्री का गांव न पहुंच पाना सवाल खड़े कर रहा है। पीड़ित ग्रामीणों का कहना है कि जब उनकी परेशानियों को सामने से कोई देखने वाला नहीं, तो आश्वासन भी अधूरा लगता है। गौरतलब है कि गंगा का जलस्तर बढ़ने से शाहपुर प्रखंड का जवैनिया गांव कटाव की चपेट में है और कई घरों का अस्तित्व खतरे में है। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र ठोस राहत और पुनर्वास कार्य की मांग की है।

पटना एम्स विवाद: हड़ताल के चौथे दिन डॉक्टरों ने बंद की ओपीडी और आईपीडी

'वी वांट जस्टिस' के लगाए नारे

पटना (एजेंसियां)। पटना के फुलवारी शरीफ स्थित पटना एम्स में विधायक चेतन आनंद और डॉक्टरों के बीच हुए विवाद का असर लगातार चौथे दिन भी देखने को मिला। जूनियर और रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल सोमवार को भी जारी रही, जिससे ओपीडी और आईपीडी सेवाएं पूरी तरह से ठप रहीं।

मरीजों को इलाज के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। डॉक्टरों की हड़ताल के कारण रविवार को जहां 85 सर्जरी टाल दी गई थीं, वहीं सोमवार को यह संख्या बढ़कर करीब 150 हो गई। दूरदराज से आए मरीजों को बिना इलाज के लौटना पड़ा।

सोमवार को हड़ताली डॉक्टर हाथों में होर्डिंग और पोस्टर लेकर 'वी वांट जस्टिस' और 'विधायक माफी मांगो' जैसे नारे लगाते नजर आए। डॉक्टरों ने साफ कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक सेवा बहाल नहीं की जाएगी। उनका कहना है कि अगर सुरक्षा नहीं मिलेगी, तो सेवा नहीं देंगे। इस बीच पीएमसीएच और आईजीआईएमएस के डॉक्टरों ने भी हड़ताल का समर्थन करते हुए काली पट्टी लगाकर कार्य किया। हड़ताल कर रहे डॉक्टरों की प्रमुख मांग है कि विधायक चेतन आनंद द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर को वापस लिया जाए।

30 जुलाई की रात करीब 11:30 बजे विधायक चेतन आनंद अपनी पत्नी के साथ किसी परिचित से मिलने पटना एम्स पहुंचे थे। उनका आरोप है कि एम्स परिसर में उनके और उनकी पत्नी के साथ मारपीट की गई और उन्हें कुछ समय के लिए बंधक बनाकर रखा गया। वहीं, एम्स के सुरक्षाकर्मियों और डॉक्टरों का दावा है कि विधायक के बॉडीगार्ड अस्पताल परिसर में हथियार लेकर अंदर घुसने की कोशिश कर रहे थे। सुरक्षा रोकने पर विवाद हुआ और मामला हाथापाई तक पहुंच गया। एम्स के डॉक्टरों का कहना है कि उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई, जबकि गार्डों के साथ भी बदसलूकी की गई। इस दौरान बीच-बचाव में कई जूनियर डॉक्टर भी शामिल हुए। घटना के बाद दोनों पक्षों ने थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

डॉक्टरों का कहना है कि वे चाहते हैं कि अस्पताल का सिस्टम सुचारू रूप से चले, लेकिन उन पर एकतरफा दबाव बनाया जा रहा है। हड़ताल कर रहे एक डॉक्टर ने कहा, ङ्गहम लोग सेवाभाव से काम करते हैं, लेकिन इस घटना के बाद सुरक्षा को लेकर हम चिंतित हैं। अभी तक कोई भी सरकारी प्रतिनिधि हमसे बातचीत करने नहीं आया है। जब तक हमारी मांगें नहीं मानी जाएंगी, हम सेवा पर नहीं लौटेंगे।

भीषण हादसे में पांच कांवड़ियों की मौत, चार घायल

पटना (एजेंसियां)। भागलपुर में भीषण हादसे में पांच कांवरियों की मौत हो गई। वहीं चार कांवरियों की हालत गंभीर है। घटना शाहकुंड-सुल्तानगंज सड़क पर बेलथू के महतो स्थान के पास हुई है। बताया जा रहा है कि टेम्पो को ओवरटेक कर आगे बढ़ने के चक्कर में पिकअप वैन के चालक को बिजली का तार नहीं दिखा। पिकअप वैन बिजली के तार के संपर्क में आ गई। देखते ही देखते पूरी गाड़ी में करंट फैल गया। इस सवार यात्री फौरन 30 फिट नीचे पानी में कूद गए और गाड़ी भी इनके ऊपर गिर गए। हादसा इतना भीषण था कि पांच लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई।

इधर, घटना के आक्रोशित लोगों ने सड़क पर जमकर बवाल किया। लोगों ने शाहकुंड थाने के मेन गेट के बाद शवों को रख दिया और हंगामा करने लगे। उनका आरोप है कि सभी की मौत करंट लगने से हुई है। रविवार को देर रात 11 बजे बिजली के तार के संपर्क में आने से पांचों की मौत हो गई। इसके बाद पिकअप वैन 30 नीचे नदी में गिर गई। मरने वाले सभी शाहकुंड के रहने वालों थे। इनमें से पुरानी खेरही के तीन और कसवा खेरही गांव के दो लोग थे।

घायल अभिषेक कुमार ने बताया कि 10 लोग पिकअप वैन पर बैठकर गंगा स्नान के लिए सुल्तानगंज जा रहे थे। वहां से जल भरकर जेठौर नाथ मंदिर में पूजा करने वाले थे। महतो स्थान के पास यह हादसा हुआ। करंट से बचने के लिए मैं सभी लोगों के साथ नदी में कूद गया। इसमें पांच लोगों की जान चली गई। घटना के बाद से पिकअप वैन का चालक लापता है। पुलिस जेसीबी से उसकी तलाश कर रही है। इधर, पुलिस हंगामा कर रहे लोगों को समझाने-बुझाने की कोशिश में जुटी है। गुस्साए लोग मुआवजे की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

करंट लगने से 22 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत, घर में पसरा मातम

खगड़िया (एजेंसियां)। खगड़िया जिले के परबत्ता थाना क्षेत्र स्थित रहीमपुर मोड़ पर सोमवार की सुबह एक हृदयविदारक घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। अहले सुबह अपनी डब्बा दुकान में काम कर रहे 22 वर्षीय राजा कुमार की बिजली के करंट की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद से मृतक के घर में कोहराम मचा हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजा कुमार, जो वासुदेव दास के पुत्र थे, रोज की तरह अपनी दुकान में काम कर रहे थे।

सावन माह के अंतिम सोमवार को कांवरियों की भीड़ कम होने के बाद वे दुकान में लगे बल्ब को होल्डर से निकालने का प्रयास कर रहे थे, तभी उन्हें तेज बिजली का झटका लगा। करंट लगते ही वे अचेत होकर गिर पड़े।

परिजनों और स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें परबत्ता अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

राजा कुमार अपने तीन भाइयों में सबसे छोटे थे और अविवाहित थे। उनके असामयिक निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव में शोक का माहौल है। परबत्ता थाना अध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए खगड़िया सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिहार में हवाई कनेक्टिविटी का टेक-ऑफ! इस महीने पूर्णिया को मिल रहा है नया एयरपोर्ट

पटना (एजेंसियां)। देश के पिछड़े राज्यों में गिना जाने वाला राज्य बिहार, अब आसमान की ऊंचाई छूने को तैयार है। फिलहाल बिहार के तीन राज्यों पटना, गया और दरभंगा सहित तीन एयरपोर्ट हैं। जल्द ही पूर्णिया को भी एयरपोर्ट मिलने वाला है। इसके बाद बिहार में कुल चार एयरपोर्ट हो जाएंगे। अगस्त महीने में राज्य हवाई कनेक्टिविटी की उड़ान भरने वाला है। पूर्णिया को एक इस माह एक और एयरपोर्ट मिलने की संभावना है।

बिहार सरकार कहना है कि बिहार में तेजी हवाई यात्रियों की संख्या बढ़ी है। बीते 20 वर्षों में बिहार में हवाई यात्रियों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। जिसका नतीजा है कि केंद्र सरकार और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण काफी उत्साहित है। केंद्र की 'उड़ान' योजना के तहत बिहार के अन्य जिलों को हवाई कनेक्टिविटी से जोड़ने की योजना पर काम शुरू कर दिया गया है। सरकार के आंकडे के मुताबिक जहां, 2005 में पूरे बिहार में महज 2 लाख 47 हजार लोग हवाई यात्रा करते थे, वहीं आज यह संख्या 57 लाख के पार पहुंच चुकी है। हवाई यात्रियों का यह आंकड़ा बिहार के लिए किसी उपलब्धि से कम नहीं है। हवाई यात्रियों की संख्या में 28.5 गुना का इजाफ हुआ।

बिहार सरकार की ओर से अगले दो वर्षों में यहां के हवाई यात्रियों की संख्या को दो करोड़ तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। इस पर बिहार सरकार और एयरपोर्ट आथॉरिटी और इंडिया की ओर से एमओयू भी साइन किया गया है। बिहार में अगले दो वर्षों के भीतर छह और एयरपोर्ट के विकास के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किया जा चुका है। इनमें मधुबनी, बीरपुर (सुपौल), मुंगेर, वाल्मिकी नगर, मुजफ्फरपुर और सहरसा शामिल है। पहले फेस के निर्माण के लिए 150 करोड़ रुपये की मंजूरी भी दी जा चुकी है। ताकि बिहार के लोगों को सस्ती हवाई सेवा उपलब्ध की जा सके।

राज्य के उद्योग विभाग के अवर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह का कहना है, ङ्गबिहार में हवाई कनेक्टिविटी जितनी मजबूत होगी, उतनी ही राज्य की अर्थव्यवस्था की उड़ान ऊंची होगी। इससे बिहार के उत्पादों को देश-दुनिया में पहुंचाना न केवल आसान होगा, बल्कि समय की भी बचत होगी।ङ्घ उन्होंने ये बात बिहारअक्षय ऊर्जा 2025 नीति के उद्घाटन के दौरान कही थी। बताते चलें, भागलपुर का जर्दालु आम, कतरनी चूड़ा, हाजीपुर का चिनिया केला, मिथिला का मखाना, नालंदा का मगही पान, सिलाव का खाजा, मनेर का लड्डू, चंपारण का मर्चा चूड़ा अपनी विशेष पहचान रखता है। बिहार के ये उत्पाद देश ही नहीं, विदेशों में भी लोकप्रिय हैं। मजबूत एयर कनेक्टिविटी इन उत्पादों की वैश्विक पहचान को सशक्त बनाने में मददगार साबित होगी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सरकार ने का यह प्रयास आधारभूत संरचनाओं का विकास किया है। अब जबकि रेल और सड़क के बाद हवाई संपर्क भी पंख फैला रहे है, तो इसमें कोई दो राय नहीं, बल्कि आसमान में भी छलांग लगाने को तैयार है। जिसका प्रमाण है कि बिहार में अगले दो साल में लगभग एक दर्जन हवाई अड्डे होंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com